राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

02 सीएम धामी ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मुलाकात ...

सीएम आतिशी होंगी गिरफ्तार, सिसोदिया के घर पर अगले कुछ ... 04

वर्ष : 15 | अंक : 262 | नई दिल्ली, मंगलवार, 07 जनवरी, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 79,005

चांदी 92,500

सेंसेक्स 81,786

निफ्टी 24,668

संक्षिप्त खबरें

भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी हवाई हमलों की सोमवार को निंदा की और कहा कि अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान ने इन हमलों के बारे में कहा कि इसका उद्देश्य कुछ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाना था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने महिलाओं और बच्चों सहित अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों की मीडिया रिपोर्ट पर गौर किया है, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। हम निर्दोष नागरिकों पर किसी भी तरह के हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए अपने पड़ोसियों को दोष देना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। हमने इस संबंध में एक अफगान प्रवक्ता की प्रतिक्रिया पर भी गौर किया है।

प्रदर्शनकारी किसान आज उच्चस्तरीय समिति से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति से मुलाकात करेगा। प्रदर्शनकारी किसानों में 70 वर्षीय जगजीत सिंह डल्लेवाल भी शामिल हैं, जो पिछले 40 दिनों से आमरण अनशन पर हैं और जिनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के कारण पंजाब सरकार सतर्क है तथा शीर्ष अदालत उन पर कड़ी नजर रख रही है।पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ को सूचित किया कि वे प्रदर्शनकारी किसानों को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नवाब सिंह से मिलने के लिए राजी करने में कामयाब रहे हैं, जो समिति के अध्यक्ष हैं। सिब्बल ने कहा, ह्यह्यहम उन्हें मनाने में कामयाब हो गए हैं। कृपया मामले को किसी और दिन के लिए टाल दें।

नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में नौ जवान शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में लगातार सुरक्षाबलों से मात खाकर बौखलाए नक्सलियों ने एक बार फिर से कायराना हरकत कर दी है। बीजापुर जिले के कुटरू से बेदरे जाने वाले रास्ते पर सुरक्षा बल के जवानों की गाड़ी को निशाना बनाकर किये गये विस्फोट में नौ जवान शहीद हो गये।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) विवेकानंद सिन्हा ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नौ जवान शहीद हो गए है। बीजापुर जिले के कुटरू से बेदरे के बीच अंबोली नाला पर बने पुल को शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) विस्फोट से नक्सलियों ने उड़ा दिया। इसी दौरान वहां नौ जवान एक वाहन में सवार होकर गुजर रहे थे। ब्लास्ट की चपेट में जवानों का वाहन आ गया और नौ जवान शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साल 2026 तक बस्तर से नक्सलियों के खात्मे का टारगेट रखा है। वह इस बात को कई बार सार्वजनिक तौर भी कह चुके हैं। इस बात से नक्सली बौखलाए हुए हैं।

नौसेना प्रमुख ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में जीवन का 'एबीसीडी' मंत्र दिया

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने जीवन का ह्यएबीसीडीह्न मंत्र देते हुए सोमवार को कहा कि देश के युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, खासकर तब जब भारत एक महान शक्ति बनने की अपनी स्पष्ट नियति को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) शिविर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने एनसीसी की प्रशंसा की और कहा कि 1948 में अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन लगातार मजबूत होता गया है और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने अपने भाषण में स्वामी विवेकानंद के उद्धरणों का प्रयोग किया, बॉलीवुड की फिल्मों की प्रसिद्ध पंक्तियों का हवाला दिया और युवाओं को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने हेतु पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की एक कविता के साथ भाषण का समापन किया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, आपसे बहुत सारी अपेक्षाएं हैं, विशेषकर तब जब देश अपनी स्पष्ट नियति को प्राप्त करने , एक महान शक्ति बनने के लिए, एक विकसित भारत बनने के लिए आगे बढ़ रहा है, जब अन्य देशों के लोग यहां रहना, अध्ययन करना और भारत के विकास का हिस्सा बनना चाहेंगे। उन्होंने कहा, आप लोग विशेष रूप से छात्र हैं इसलिए मैं एक सलाह देना चाहूंगा, मैं जीवन के चार सिद्धांतों पर प्रकाश डालना चाहूंगा, जिन्हें मैं

चाहूंगा कि आप आत्मसात करें। मैं उन्हें जीवन की एबीसीडी कहता हूं। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि ए का अभिप्राय एटीट्यूड और ऐप्टिट्यूड (रवैया और योग्यता) है। इसलिए, जीवन में सकारात्मक रवैया रखें और नकारात्मकता के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यह्यऔर, आपके पास खुद को बेहतर बनाने, अच्छा करने और बड़े उद्देश्य में योगदान देने की योग्यता होनी चाहिए और कभी हार न मानने का जज्बा होना चाहिए। नौसेना अध्यक्ष ने कहा कि बी का अभिप्राय ह्यबिलीव इन यूअरसेल्फ (खुद पर विश्वास करना) है। उन्होंने कहा, इसलिए अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें ताकि आप जीवन में कुछ भी हासिल कर सकें, अपनी वर्तमान स्थिति, अपने माता-पिता या अभिभावकों की सामाजिक और वित्तीय स्थिति से बंधे न रहें, अपनी कड़ी मेहनत पर विश्वास रखें। उन्होंने कहा कि सी का अर्थ कैरेक्टर एंड कमिटमेंट (चरित्र और प्रतिबद्धता) है, क्योंकि चरित्र तब सामने आता है जब आप ऐसे समय में कुछ करते हैं और कोई देख नहीं रहा होता, जैसे आप अपनी टीम और अपने अधीनस्थों के साथ क्या करते हैं, आप अपने साथियों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं, आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ कैसे व्यवहार करते हैं जो आपके लिए कुछ नहीं कर सकता। नौसेना प्रमुख ने कहा, प्रतिबद्धता के लिए बहुत सारे त्याग की आवश्यकता होती है और आप जिस चीज के लिए प्रतिबद्ध हैं उस पर ध्यान केंद्रित रखना होता है। एडमिरल त्रिपाठी के जीवन की एबीसीडी के अनुसार, डी का अभिप्राय डिसिप्लिन (अनुशासन) है। उन्होंने कहा, किसी व्यक्ति में कितना आत्म-अनुशासन और दृढ़ दृष्टिकोण है, यह जीवन में उसके परिणाम को निर्धारित करेगा। देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट एक महीने तक चलने वाले गणतंत्र दिवस शिविर में हिस्सा ले रहे हैं, जो 30 दिसंबर से शुरू हुआ और 27 जनवरी को प्रधानमंत्री रैली के साथ समाप्त होगा। इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 छात्रा कैडेट भी भाग ले रही हैं, जो अब तक का सबसे बड़ा दस्ता है।

जम्मू बना देश का पहला उच्च हिमालयी रेलवे मंडल

मोदी ने यहां आयोजित कार्यक्रम में वीडियो लिंक के माध्यम से जम्मू रेल मंडल के अलावा ओडिशा के रायगढ़ रेलवे मंडल और आंध्रप्रदेश के चेर्नापल्ली में नये टर्मिनल स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। यहां कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, रेल, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, जम्मू कश्मीर सरकार में मंत्री सतीश शर्मा, जम्मू के सांसद जुगलकिशोर शर्मा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक वर्मा और फिरोजपुर रेल मंडल प्रबंधक संजय साहू उपस्थित थे। जम्मू उत्तर रेलवे के अंतर्गत देश का 68वां और पहला उच्च पर्वतीय रेलवे मंडल होगा जो पंजाब के पठानकोट से शुरू होकर उत्तरी हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और भविष्य में लद्दाख तक विस्तृत होगा। जबकि पूर्वी तटीय रेलवे के अंतर्गत दक्षिणी ओडिशा के रायगढ़ में स्थित 107 करोड़ रुपये की लागत वाले रायगढ़ रेलवे मंडल के बनने से क्षेत्र के रेलवे बुनियादी ढांचे के विस्तार को गति मिलेगी।

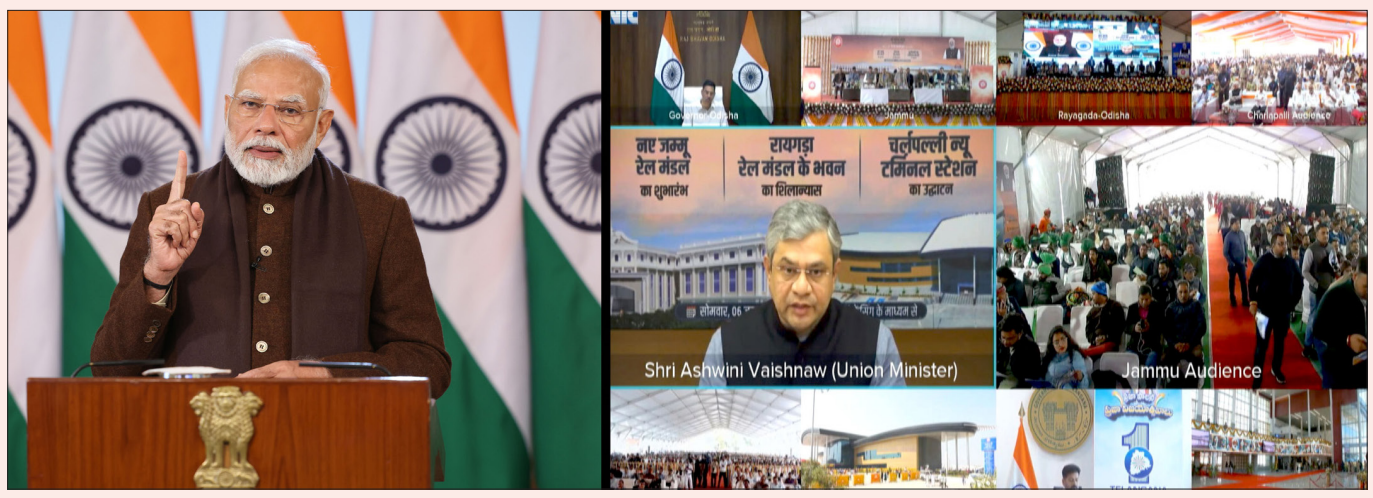

प्रात : किरण/ एजेंसी

जम्मू/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में रेलवे मंडल का आज उद्घाटन किया जो देश में पहला उच्च हिमालयी रेलवे मंडल है। श्री मोदी ने यहां आयोजित कार्यक्रम में वीडियो लिंक के माध्यम से जम्मू रेल मंडल के अलावा ओडिशा के रायगढ़ रेलवे मंडल और आंध्रप्रदेश के चेर्नापल्ली में नये टर्मिनल स्टेशन भवन का उद्घाटन किया। यहां कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, रेल, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह, जम्मू कश्मीर सरकार में मंत्री सतीश शर्मा, जम्मू के सांसद जुगलकिशोर शर्मा, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक वर्मा और फिरोजपुर रेल मंडल प्रबंधक संजय साहू उपस्थित थे।

जम्मू उत्तर रेलवे के अंतर्गत देश का 68वां और पहला उच्च पर्वतीय रेलवे मंडल होगा जो पंजाब के पठानकोट से शुरू होकर उत्तरी हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और भविष्य में लद्दाख तक विस्तृत होगा। जबकि पूर्वी तटीय रेलवे के अंतर्गत दक्षिणी ओडिशा के रायगढ़ में स्थित 107 करोड़ रुपये की लागत वाले रायगढ़ रेलवे मंडल के बनने से क्षेत्र के रेलवे बुनियादी ढांचे के विस्तार को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने संबोधन में जम्मू कश्मीर के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि जम्मू रेलवे मंडल का लाभ जम्मू कश्मीर के साथ हिमाचल प्रदेश एवं पंजाब के कई शहरों के साथ लेह लद्दाख को होगा। जम्मू कश्मीर को देश के हिस्सों को अच्छे से जोड़ देगी। विश्व का सबसे ऊंचा आर्च पुल चिनाब पुल तथा पहला केबल पुल अंजी खड्ड पुल भारत की इंजीनियरिंग के बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ के आशीर्वाद से ओडिशा में प्रचुर प्राकृतिक संसाधन है। अनेक परियोजनाओं पर काम चल रहा है। 70 हजार करोड़ रुपए के परियोजनाओं पर काम चल रहा है। रायगढ़ा में रेलवे मंडल से जनजातीय क्षेत्रों में रेल नेटवर्क का विस्तार तेज होगा और पर्यटन एवं रोजगार बढ़ने से क्षेत्र के सामाजिक आर्थिक विकास को बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार रेलवे के विकास के लिए चार मानकों पर काम कर रही है। अवसंरचना का आधुनिकीकरण, बेहतर यात्री सुविधाएं, हर कोने से कनेक्टिविटी तथा रोजगार निर्माण के आयामों पर काम हो रहा है। 30 हजार किलोमीटर पटरियां बिछायीं गयीं हैं। लगभग शत प्रतिशत विद्युतीकरण हो गया है। उन्होंने कहा कि आज गठित ये रेल मंडल भारतीय रेलवे को 21वीं सदी का रेलवे प्रणाली बनाने में मददगार होंगे। इन इलाकों में निवेश के नये मौके मिलेंगे। नई नौकरियों का सृजन होगा। उन्होंने कहा कि देश में हाईस्पीड ट्रेनों की मांग बढ़ रहीं हैं। 136 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं चल रहीं हैं। अपने परीक्षण परिचालन में वंदे भारत स्लीपर का पहला संस्करण 180 किलोमीटर की गति से कितनी कुशलता से दौड़ रहा है। वह समय दूर नहीं जब भारत में बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। रेलवे के सूत्रों के अनुसार जम्मू रेलवे मंडल की शुरूआत पठानकोट से होती है। यह रेलवे मंडल पठानकोट से बारामूला तक 423 किलोमीटर, पठानकोट से भोगपुर तक 87.21 किलोमीटर, पठानकोट से बटाला 68.17 किलोमीटर, पठानकोट से जोगिंदरनगर तक 163.72 किलोमीटर तक कुल 742.1 किलोमीटर का है। इसमें से पठानकोट से जोगिंदरनगर तक 163.72 किलोमीटर नैरोगेज लाइन है। सूत्रों ने बताया कि भविष्य में बनने वाला सामरिक रूप से अति महत्वपूर्ण बिलासपुर-मनाली-लेह रेलमार्ग भी जम्मू मंडल के अंतर्गत आएगा। भारतीय रेलवे के नेटवर्क पर सर्वाधिक ऊंचाई वाला ब्रॉडगेज का स्टेशन काजीगुंड जम्मू मंडल में शामिल है जो कश्मीर घाटी का पहला स्टेशन है और समुद्र तल से इसकी ऊंचाई 1722 मीटर या 5650 फुट है। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर एवं हिमाचल प्रदेश का उक्त रेलवे नेटवर्क अभी तक उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल के अंतर्गत आता था। फिरोजपुर रेलवे मंडल को उत्तर भारत के सबसे कमाऊ रेलवे मंडल के रूप में जाना जाता है। सूत्रों का कहना है कि रेलवे मंडल के गठन पर कुल करीब 350 करोड़ रुपए का व्यय आने का अनुमान है।

वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देशभर से हाई स्पीड ट्रेनों की बढ़ती मांग और अपनी सरकार के तहत रेल के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नए जम्मू रेलवे डिवीजन के उद्घाटन सहित रेल से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने यह भी कहा कि पिछले दशक में रेलवे में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं। इस दौरान मोदी ने तेलंगाना में चारलापल्ली नए टर्मिनल स्टेशन का भी उद्घाटन किया और पूर्वी तटीय रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी। उन्होंने हाल ही में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन के परीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि 50 से अधिक मार्गों पर 136 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। उन्होंने कहा, वह समय दूर नहीं जब भारत में पहली बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। पिछले कुछ दिनों में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की शुरूआत किए जाने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने नए साल में संपर्क के मामले में भी तेज रफ्तार बनाए रखी है। उन्होंने कहा, मैंने कल दिल्ली-एनसीआर में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरूआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है।

'स्पैडेक्स' डॉकिंग को नौ जनवरी तक टाला गया : इसरो

प्रात : किरण/ एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को कहा कि सात जनवरी को निर्धारित स्पैडेक्स उपग्रहों का डॉकिंग प्रयोग अब नौ जनवरी तक स्थगित कर दिया गया है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, सात जनवरी को निर्धारित स्पैडेक्स डॉकिंग प्रयोग अब नौ जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इसरो ने 30 दिसंबर को महत्वाकांक्षी स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक शुरू किया था। पीएसएलवी सी60 रॉकेट ने दो छोटे उपग्रहों, एसडीएक्स01 (चेजर) और एसडीएक्स02 (टारगेट) तथा 24 पेलोड को लेकर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम लॉन्चपैड से उड़ान भरी थी तथा उड़ान के लगभग 15 मिनट बाद, लगभग 220 किलोग्राम वजन वाले दो छोटे अंतरिक्ष यान को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में प्रक्षेपित कर दिया गया था।

इसरो के अनुसार, स्पैडेक्स मिशन एक किफायती प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन है, जो दो छोटे अंतरिक्ष यान का उपयोग करके अंतरिक्ष में डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए पीएसएलवी द्वारा प्रक्षेपित किया गया है। यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षी परियोजनाओं जैसे कि चंद्रमा पर भारत की यात्रा, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का निर्माण और संचालन आदि के लिए आवश्यक है। स्पेस डॉकिंग तकनीक का तात्पर्य अंतरिक्ष में दो अंतरिक्ष यानों को जोड़ने की तकनीक से है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसकी सहायता से मानव को एक अंतरिक्ष यान से दूसरे अंतरिक्ष यान में भेज पाना संभव होता है। अतः स्पेस डॉकिंग अंतरिक्ष स्टेसशन के संचालन के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। डॉकिंग में अंतरिक्ष यान अपने आप ही स्टेशन से जुड़ सकता है। अंतरिक्ष में दो अलग-अलग चीजों को जोड़ने की यह तकनीक ही भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने में और चंद्रयान-4 परियोजना में मदद करेगी।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। गुरु गोबिंद सिंह सिखों के 10वें गुरु थे और उनकी जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। खालसा पंथ की स्थापना करने वाले गुरु गोबिंद सिंह का जन्म 1666 में आज ही के दिन बिहार के पटना साहिब में हुआ था। राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद जताई कि गुरु गोबिंद सिंह की शाश्वत शिक्षाएं सभी को धर्म, शांति और सौहार्द के मार्ग पर ले जाएंगी। राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर सभी लोगों को बधाई। मानवता के कल्याण के लिए उनकी निस्वार्थ सेवा हमें प्रेरित करती रहती है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने हमेशा समानता और न्याय पर जोर दिया। उन्होंने कामना की, उनकी शाश्वत शिक्षाएं हमें धर्म, शांति और सौहार्द के मार्ग पर ले जाएं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस पावन अवसर पर, हम महान गुरु के अद्वितीय साहस, ज्ञान और बलिदान का सम्मान करते हैं।

उनकी शिक्षाएं हमें न्याय, समानता और निस्वार्थ सेवा को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यमैं गुरु गोबिंद सिंह जी को उनके प्रकाशोत्सव पर नमन करता हूं। उनके विचार हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं जो प्रगतिशील, समृद्ध और दयालु हो।

संबोधन आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर पीएम मोदी ने आगामी 25 वर्ष का लक्ष्य रखते हुए कहा कि देश को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाना है।

सीएम योगी ने गिनाई यूपी की उपलब्धियां, बोले - 'तंत्र वही है, बस सरकार का चेहरा बदला है'

प्रात : किरण/ एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शहीद का बलिदान कौम की जिंदगी होती है। देश, धर्म के लिए बलिदान होने वाली लंबी श्रृंखला सदैव से समाज को नया जीवन देती रही है। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर पीएम मोदी ने आगामी 25 वर्ष का लक्ष्य रखते हुए कहा कि देश को 2047 तक 'विकसित भारत' बनाना है। उन्होंने पंच प्रण की बात कही। इसमें मुख्यतः गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करना, महापुरुषों पर गौरव की अनुभूति, सुरक्षा बलों के जवानों का सम्मान करना है। उन्होंने सोमवार को होटल ताज में आयोजित 'शौर्य सम्मान-2025' कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने शहीदों के परिजनों सहित उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाओं

को सम्मानित किया।सीएम योगी ने कहा कि जवान सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस समय भी जब माइनस 20, 25, 10 तापमान है, तब देश की सीमाओं पर भारत मां के जवान दिन-रात खड़े होकर, पुलिस बल के जवान निरंतर पेट्रोलिंग में रहकर आमजन के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करते हैं। यदि समाज आर्मी, पैरामिलिट्री, पुलिस बल के जवानों का सम्मान नहीं करेगा या शहीद परिवारों के बारे में नहीं सोचेगा तो इसका मतलब हम राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यहां 1965-1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध में भागीदार, शहीदों के परिजनों, भारतीय सेना के जवानों, देश के अंदर विभिन्न ऑपरेशन में भाग लेने वाले स्मृतिशेष जवानों के परिजनों का सम्मान हुआ। सुरक्षा के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वतंत्रता का अहसास हो, लेकिन हमारी स्वतंत्रता दूसरे की स्वतंत्रता में बाधा न बने। बाबा साहेब ने जो संविधान दिया, उसके अनुसार सुरक्षा की पहली शर्त सुशासन है। सुशासन की स्थापना के लिए जो जवान दिन-रात लगे रहते हैं, उन्हें सम्मान देना राष्ट्रीय दायित्वों के निर्वहन जैसा है। सीएम योगी ने 2017 के पहले और अब के उत्तर प्रदेश का अंतर बताते हुए कहा कि 2017 के पहले कोई सुरक्षित नहीं था। नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ होता था। उनके पास नौकरी और रोजगार नहीं था। यूपी की पहचान दंगाग्रस्त और अराजक प्रदेश के रूप में थी। आज उत्तर प्रदेश सुरक्षित है। स्वतःस्फूर्त भाव के साथ प्रदेश में सभी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। तंत्र वही है, बस सरकार का चेहरा बदल गया। यह वही प्रदेश है, जहां पहले कोई निवेश नहीं करता था। 2017 के पहले हर परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होते थे। प्रत्येक सप्ताह दो से तीन बड़े दंगे होते थे, लेकिन आज प्रदेश दंगामुक्त है। सर्वाधिक निवेश को आमंत्रित करने वाला प्रदेश है। बिना भेदभाव के योग्यता के आधार पर सरकारी-निजी क्षेत्र में नौकरी और रोजगार की गारंटी देने वाला प्रदेश है। सीएम योगी ने कहा कि जिस प्रदेश में 40 हजार करोड़ का निवेश नहीं आता था, उस प्रदेश में आज 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 1.25 करोड़ नौकरी की गारंटी मिली। बदली परिस्थितियों की नींव में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति है। इसके लिए हमने अपने जवान भी खोए हैं। 2017 में प्रदेश सरकार ने पॉलिसी बनाई कि कोई जवान (सेना, अर्धसेना, पुलिस बल) शहीद होता है तो उसके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की होगी। हमने 1.50 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों के खाली पदों को भरा। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले पुलिस भागती थी, अपराधी दौड़ाता था। आज अपराधी हांफते-हांफते मर रहा है। पुलिस, अपराधी और उनके आकाओं को सही जगह पहुंचा रही है। यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का बदला स्वरूप है। यहां सुरक्षा, सम्मान, पहचान भी है। इस साल के अंत तक जब गंगा एक्सप्रेसवे बन जाएगा तो देश का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी के पास होगा। सबसे अधिक रेलवे नेटवर्क, एयरपोर्ट, मेट्रो संचालित, सर्वाधिक नगर निकाय, आस्था को गौरव के साथ आगे बढ़ाने वाला प्रदेश उत्तर प्रदेश होगा। सीएम ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज की धरती पर महाकुंभ-2025 होने जा रहा है। यह मुहूर्त 144 वर्ष बाद आया है। महाकुंभ के बहाने प्रयागराज और आसपास के शहरों का भी कायाकल्प हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

थानो में वन्य जीवों के लिए बीस नए तालाब बनाए गए

ऋषिकेश, एजेंसी। थानो वन रेंज में वन्य जीवों के पानी के लिए 20 नए तालाब तैयार करवाए गए हैं। इसके साथ ही जंगल में हाथी आदि के पसंद के पौधों को भी लगाया गया है, जिससे हाथी और दूसरे वन्य जीवों को जंगल से बाहर आने से रोका जा सकेगा। वन विभाग ने सैन चौकी, कालूवाला, भूमिया मंदिर आदि के पास 20 नए तालाबों का निर्माण करवाया है। जबकि करीब 15 पुराने तालाब पहले से ही थानो वन रेंज में मौजूद हैं। वन विभाग ने वन्य जीवों और हाथी बाहुल्य जंगल में नए तालाबों का निर्माण करवाया है। इन तालाबों को जंगली खालों और बरसाती नालों के पास बनाया गया है। जिससे बारिश होने पर इनमें खालों और नालों का पानी भर जाएगा। वहीं गर्मियों के सीजन में वन विभाग द्वारा वन्य जीवों की प्यास बुझाने के लिए तालाबों में पानी भरवाया जाएगा। सैन चौकी के पास वन्य जीवों को जंगल में ही रोकने के लिए जंगल किनारे 600 मीटर लंबाई में फेंसिंग लगाई गई है। जबकि और फेंसिंग लगाई जानी बाकी है। वन विभाग ने सैन चौकी से लेकर कालूवाला तक मार्ग के दोनों तरफ जंगल से लालटेन की झाड़ियों की सफाई भी कर दी है। इसमें पौधरोपण और हाथी आदि के लिए चारा पत्ती के लिए पौधे रोपित किए जाएंगे। इससे वन्य जीव आबादी या किसानों के खेतों में नुकसान नहीं करेंगे।

पर्यटकों की मदद करेंगे पुलिसकर्मी

ऋषिकेश, एजेंसी। शहर क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा के लिए पुलिस ने पर्यटक बूथ बनाया है। इंद्रमणि बडोनी चौक स्थित इस पर्यटक बूथ पर दो पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जो पर्यटकों की हर संभव मदद करेंगे। ऋषिकेश शहर में हर दिन बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव होने के कारण यहां से तीर्थयात्री भी काफी संख्या में गुजरते हैं। कई बार पर्यटकों को शहर व रूट की जानकारी आदि जुटाने में दिक्कतें उठानी पड़ती हैं। इन सब बातों को देखते हुए पुलिस ने इंद्रमणि बडोनी चौक पर पर्यटक बूथ की स्थापना की है। रविवार को एसपी देहात जया बलूनी ने पर्यटक बूथ का उद्घाटन किया। एसपी बलूनी ने बताया कि बूथ पर दो पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जो पर्यटकों की हर संभव मदद करेंगे। ऋषिकेश में यातायात निरीक्षक का पद तो है, लेकिन इस पद पर किसी की तैनाती नहीं है। यातायात उपनिरीक्षक पर ही पूरे शहर के यातायात की जिम्मेदारी है। अब जल्द शहर को यातायात निरीक्षक मिलने जा रहा है। एसपी देहात जया बलूनी ने कहा कि यातायात निरीक्षक के लिए मुख्यालय प्रस्ताव भेजा गया है। इस माह के अंत तक ऋषिकेश शहर को यातायात निरीक्षक मिल जाएगा। बताएं कि शहर में यातायात व्यवस्था चाकचौबंद बनाए रखना पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यहां हर दिन सड़कों पर क्षमता से कई गुना अधिक वाहन गुजरते हैं। जिससे अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी वाहन में आग

ऋषिकेश, एजेंसी। ऋषिकेश में श्यामपुर स्थित गुर्जर प्लॉट के पास सड़क किनारे खड़ी एक स्कॉर्पियो में संदिग्ध रूप से अचानक आग लग गई। आग लगने से आसपास के लोगों में खलबली मच गई। जब तक दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची तब तक स्कॉर्पियो का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। रविवार शाम को करीब पांच बजे श्यामपुर स्थित गुर्जर प्लॉट के पास सड़क किनारे खड़ी एक स्कॉर्पियो कार से लोगों ने पहले धुआं और फिर आग की लपटे उठती देखी। लोगों ने पहले बाल्टी से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग धीरे-धीरे विकराल रूप लेने लगी। इसके बाद घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। लेकिन फायर कर्मियों के मौके पर पहुंचने तक स्कॉर्पियो जल चुका था।

परचून की दुकान में बिक रही थी शराब

अल्मोड़ा, एजेंसी। देघाट बाजार में परचून की दुकान की आड़ में एक दुकानदार शराब बेचने के साथ ही पिला रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष दिनेश नाथ महंत ने बताया कि धारा 60/21 आबकारी अधिनियम में आरोपी दुकानदार संजय जोशी निवासी ग्राम बरणाल भरसौली, देघाट, जिला अल्मोड़ा को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह सरकारी ठेकों से शराब खरीद कर लाता था, जिसे दुकान में लोगों को बेचता था।

सीएम धामी ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मुलाकात, देहरादून में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में आने को दिया निमंत्रण

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों के लिए आमंत्रित भी किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को मलारी (चमोली) की शॉल और नारायण आश्रम की प्रतिकृति भी भेंट की। सीएम धामी ने राज्य के विकास में प्रधानमंत्री के नेतृत्व, मार्गदर्शन और सहयोग के लिए प्रदेश की जनता की ओर से आभार भी व्यक्त किया। संचालित विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश - कर्णप्रयाग रेल परियोजना के प्रथम चरण पर तेजी से काम चल रहा है। टनकपुर बागेश्वर रेल परियोजना का सर्वे का कार्य हो चुका है। मुख्यमंत्री ने इस परियोजना की स्वीकृति और परियोजना का पूर्ण वित्तीय व्यय भार केंद्र सरकार द्वारा किए जाने का अनुरोध किया। सीएम ने ऋषिकेश में प्रस्तावित बुनियादी विकास कार्यों के लिए ऋषिकेश के पुराने रेल स्टेशन को बंद करने और सभी ट्रेनों का संचालन ऋषिकेश के नए योग नगरी रेलवे स्टेशन से किए जाने का अनुरोध किया। पुराने स्टेशन की भूमि पर जो रेल ट्रैक है, उसका उपयोग नई सड़क व्यवस्था के लिए किया जा सकेगा, जिससे यातायात में सुधार होगा। इसके अलावा उन्होंने ऋषिकेश को रिवर राफ्टिंग में आइकोनिक सिटी के रूप में चयनित करने पर आभार व्यक्त किया। साथ ही हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कारिडोर और शारदा कारिडोर परियोजना के लिए राज्य के सीमित संसाधनों को देखते हुए केंद्र स्तर से संसाधन उपलब्ध कराए जाने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश में भूतापीय ऊर्जा के दोहन के लिए आइसलैंड एंबेसी के सहयोग से एक एमओयू प्रस्तावित किया गया है। इस एमओयू पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से आवश्यक अनापत्ति पत्र प्राप्त किया जा चुका है। सीएम ने इस परियोजना के लिए सभी तकनीकी और वित्तीय सहयोग राज्य सरकार को प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। ताकि वर्ष 2070 तक कार्बन नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्तराखंड अहम भूमिका निभा सके। उन्होंने सड़क परिवहन मंत्रालय में प्रेषित प्रस्तावों ऋषिकेश बायपास, हरिद्वार बायपास (पैकेज 2), देहरादून - मसूरी कनेक्टिविटी, देहरादून रिंग रोड, चंपावत बायपास, लालकुआं, हल्द्वानी और काठगोदाम बायपास और मानसखंड प्रोजेक्ट की स्वीकृति के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किए जाने का भी अनुरोध किया है।

नाबालिग महिला हॉकी खिलाड़ी ने कोच पर लगाया दुष्कर्म का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

हरिद्वार, एजेंसी। नेशनल गेम्स की तैयारियों के बीच हरिद्वार में एक नाबालिग महिला हॉकी खिलाड़ी से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने कोच पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आरोपित कोच से पूछताछ की जा रही है। देर रात तक मुकदमा दर्ज करने की तैयारी चल रही थी।

प्रदेश में इन दिनों नेशनल गेम्स की तैयारी चल रही है। इनमें हॉकी समेत कई मुकाबले हरिद्वार में होने हैं। खिलाड़ियों की तैयारी करने के लिए रोशनाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में कैंप चल रहे हैं। जिनमें खिलाड़ियों को अभ्यास कराया जा रहा है। रविवार रात एक नाबालिग महिला हॉकी खिलाड़ी ने सिडकुल थाने में शिकायत देकर अपने कोच पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

स्टेट लेवल की हॉकी खिलाड़ी बताई जा रही नाबालिग से दुष्कर्म की शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने तुरंत पीड़िता का मेडिकल कराते हुए मामले की छानबीन के निर्देश दिए। एक पुलिस टीम ने आरोपित कोच को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी। जबकि महिला उप निरीक्षक के साथ पीड़िता को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

पीड़िता हरिद्वार की निवासी बताई जा रही है। जबकि कोच को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मेडिकल रिपोर्ट और छानबीन में सामने आए तथ्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

रानीखेत समेत देशभर के 56 कैंट में चुनाव टले, बोर्ड के ही हाथ में कमान; रक्षा मंत्रालय ने बढ़ाया कार्यकाल

रानीखेत, एजेंसी। उत्तराखंड की सबसे बड़े रानीखेत कैंट के साथ ही रक्षा मंत्रालय ने देशभर में सभी 56 छावनियों के वैरी बोर्ड का कार्यकाल एक वर्ष के लिए और बढ़ा दिया है। यानी छावनी परिषदों के चुनाव इस बार भी टल गए हैं।

नागरिक हितों में निर्णय, समस्याओं की सुनवाई व समाधान तथा विकास कार्य संबंधी प्रस्तावों का निस्तारण तीन सदस्यीय वैरी बोर्ड ही करेगी। इसके तहत नागरिकों के प्रतिनिधित्व को पूर्व में नामित सदस्यों का कार्यकाल भी स्वतः ही बढ़ गया है। रानीखेत कैंट के वैरी बोर्ड में मोहन नेगी को नागरिकों की अगुआई का यह चौथा अवसर मिला है।

दरअसल, फरवरी 2021 में उत्तराखंड के नौ कैंट बोर्ड समेत देशभर के 56 छावनी परिषदों के निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया था। तब रक्षा मंत्रालय ने व्यवस्था दी कि जब तक नए बोर्ड के गठन को उपाध्यक्ष समेत वार्ड सदस्यों का चुनाव नहीं हो जाता कैंट की कमान वैरी बोर्ड के हाथ में ही रहेगी। इधर चुनाव न होने के कारण वैरी बोर्ड का कार्यकाल समय समय पर बढ़ाया जाता आ रहा है। इस बार भी 10 फरवरी को बोर्ड का कार्यकाल पूरा होना था।

इधर संयुक्त सचिव रक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) राकेश मित्तल की ओर से बीते 31 दिसंबर को जारी गजट नोटिफिकेशन रानीखेत कैंट बोर्ड को भी मिल गया है। इसके तहत सभी 56 कैंट के वैरी बोर्ड का कार्यकाल एक वर्ष और बढ़ाया जा रहा है।

छावनियों के वैरी बोर्ड में संबंधित सैन्य कमांडेंट, मुख्य अधिशासी अधिकारी व नागरिकों की ओर से प्रतिनिधित्व करने के लिए एक सिविल सदस्य नामित किया जाता है। रानीखेत कैंट के वैरी बोर्ड में केआरसी कमांडेंट संजय कुमार यादव अध्यक्ष, सीइओ कुणाल रोहिला व मोहन नेगी नामित सदस्य के रूप में बैठेंगे।

पूर्व उपाध्यक्ष कैंट के वैरी बोर्ड में मोहन नेगी का कार्यकाल फिर बढ़ाए जाने पर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश सिंह रौतेला, दीप भगत, धन सिंह रावत, खजान पांडे, विमला रावत, राजेंद्र मेहरा, हरीश लाल साह, मुकेश फर्त्याल, जगदीश अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, उमेश पाठक, संजय पंत, गुड्डू भगत, मोहित नेगी आदि ने उम्मीद जताई है कि नागरिकों की समस्याओं का निदान करेंगे।

उत्तराखंड की टीमों का चयन, औली में 29 से दो फरवरी तक होगा आयोजन

चमोली, एजेंसी। सीनियर स्कीइंग टीम में मयंक डिमरी, हिमांशु, जयदीप भट्ट, हिमांशु कवाण, सोबत सिंह, शार्दुल थपलियाल, मंजेश भंडारी, पंकज भंडारी, प्रमोद भंडारी, संदीप सेमवाल और अभिषेक भट्ट का चयन किया गया है।

आगामी 29 से दो फरवरी तक औली में होने वाले राष्ट्रीय स्कीइंग गेम्स और खेलो इंडिया राष्ट्रीय विंटर गेम्स के लिए उत्तराखंड राज्य की टीम का चयन कर लिया गया है। रविवार को औली में टीम का चयन किया गया। टीम में सीनियर व जूनियर वर्ग की अलग-अलग टीम बनाई गई है।

स्की एंड माउंटेनियरिंग एसोसिएशन उत्तराखंड के अध्यक्ष अजय भट्ट ने बताया कि सीनियर स्कीइंग टीम में मयंक डिमरी, हिमांशु, जयदीप भट्ट, हिमांशु कवाण, सोबत सिंह, शार्दुल थपलियाल, मंजेश भंडारी, पंकज भंडारी, प्रमोद भंडारी, संदीप सेमवाल और अभिषेक भट्ट का चयन किया गया है।

जूनियर वर्ग की टीम में साहिल डिमरी और रिशांत डिमरी का चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी 29 जनवरी से दो फरवरी तक औली में राष्ट्रीय गेम्स होंगे।

बदल रहा है मौसम : तो नैनीताल जैसे शहरों में अब नहीं होगी बर्फबारी, एरीज की रिसर्च में खुलासा

नैनीताल, एजेंसी। स्थानीय लोग भी मौसम के इस बदलाव से हतप्रभ है। नैनीताल में पिछले वर्षों की अपेक्षा जनवरी में दिन और रात सर्द होने के बजाय गर्म है। सर्दी के मौसम में भी सरोवरनगरी में कड़ाके की ठंड का अहसास नहीं हो रहा है। स्थानीय लोग भी मौसम के इस बदलाव से हतप्रभ है। नैनीताल में पिछले वर्षों की अपेक्षा जनवरी में दिन और रात सर्द होने के बजाय गर्म हैं। वैज्ञानिकों का शोध तो यह कहता है कि भविष्य में कम ऊंचाई वाले नैनीताल जैसे ठंडे इलाकों में बर्फबारी नहीं होगी। यह बात सच भी लगती है, क्योंकि कुछ दशक पहले इन दिनों यहां बर्फ की चादर दिखती थी, लेकिन इस साल पाला तक नहीं पड़ा है। आर्य भट्ट शोध एवं प्रेक्षण विज्ञान संस्थान (एरीज) के वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने बताया कि फरिस्ट फायर और जंगलों में झाड़ियों के कटान से नमी और अवशोषण रखने वाली घास और वनस्पति नष्ट होती जा रही है। इससे पाला तक पड़ना कम हुआ है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन की वजह से पर्यावरण भी तेजी से बदल रहा है। अब भी हम नहीं चेते तो स्थितियां और भी खराब हो सकती हैं। साथ ही आकाश में बादल हों और एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो। वैज्ञानिकों का मानना है कि बहुत असामान्य स्थितियों में ही समुद्र तल से 2000 मीटर के इलाके में कभी-कभार बर्फबारी देखने को मिल सकेगी।

बीएसएम लॉ कॉलेज से खिड़की चोरी करने वाला रंगेहाथ दबोचा

रुड़की, एजेंसी। एक कॉलेज से खिड़की चोरी कर स्कूटी पर ले जा रहे एक युवक को कर्मचारियों ने रंगेहाथ पकड़ लिया और सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस खिड़की खरीदने वाले कबाड़ी पर भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित बीएसएम लॉ कॉलेज के निदेशक रजनीश कुमार शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके कॉलेज में निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य के लिए लोहे की खिड़की लगाई जा रही हैं। रविवार को शाम करीब पौने पांच बजे एक युवक स्कूटी पर तीन खिड़की चोरी कर ले जा रहा था। कॉलेज के कर्मचारियों ने शक होने पर उसे रोक लिया और खिड़की ले जाने की बाबत जानकारी ली। इस पर युवक ने बताया कि वह खिड़की चोरी कर बेचने जा रहा है। इससे पहले भी वह 15 खिड़की चोरी कर शेखपुर कब्रिस्तान के ' बेच चुका है। साथ ही इन तीन खिड़कियों को भी वहीं बेचने जा रहा था। कोतवाली प्रभारी ऐश्वर्य पाल ने बताया कि चोरी में मोहम्मद दानिश निवासी शेखपुरी, रुड़की के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साथ ही जिन दो कबाड़ियों के नाम युवक ने बताए हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

पेड़ से लटका मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

ऋषिकेश, एजेंसी। थाना लक्ष्मणझूला अंतर्गत राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क के गोहरी रेंज स्थित भूतनाथ मंदिर और पानी के झरने के समीप जंगल में पेड़ से एक शव लटका मिला। थाना पुलिस ने शव का पंचनामाभर शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स मोर्चरी में भेज दिया है।

थाना लक्ष्मणझूला प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली की भूतनाथ मंदिर के समीप जंगल में एक शव पेड़ से लटका हुआ है। मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शव का नीचे उतारा। बताया कि शव सड़ी गली हालत में था, जो करीब 10 से 15 दिन पुराना है। शव अज्ञात व्यक्ति का है। जिसकी उम्र करीब 40 से 45 वर्ष है। पुलिस को आसपास कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ है। शव को 72 घंटे शिनाख्त के लिए एम्स के मोर्चरी में रख दिया है।

नाम तो बदला, पर 26 साल में नहीं बन पाई 23 किमी सड़क

ऋषिकेश, एजेंसी। विकासखंड यमकेश्वर में 26 साल में 23 किमी सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। अभी तक मात्र 14 किमी ही सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। करीब आधा दर्जन गांव नौ किमी सड़क निर्माण की बाट जोह रहे हैं।

वर्ष 1999 में नीलकंठ-घाईकल अंबेडकर मोटर मार्ग स्वीकृत किया गया था। 15 किमी लंबे इस मोटर मार्ग से करीब एक दर्जन गांवों को लाभान्वित होना था। लेकिन 25 साल बाद भी मात्र 14 किमी ही सड़क का निर्माण हुआ है। सड़क घाईकल तक भी नहीं पहुंच पाई है। यह घाई कल से दो किमी पीछे सिमलखेत के समीप तक ही पहुंची है।

वर्ष 2005 में इस मोटर मार्ग का नाम नीलकंठ बाईपास कर दिया गया था। तब इस पूरे मोटर मार्ग की लंबाई 23 किमी हो गई थी। मोटर मार्ग गरुड़ चट्टी में मिलना था। लेकिन कार्रवाई केवल नाम बदलने तक ही सीमित रही है। 25 वर्ष बाद भी शेष नौ किमी सड़क निर्माण के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे क्षेत्र के करीब आधा दर्जन गांव सड़क सुविधा से वंचित हैं।

नीलकंठ बाईपास निर्माण का फायदा कांवड़ यात्रियों के साथ ही स्थानीय निवासियों को मिलना था। कांवड़ यात्रा के दौरान नीलकंठ मोटर मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। यहां अक्सर घंटों जाम रहता है। जिससे स्थानीय निवासी इस दौरान ऋषिकेश आने से परहेज करते हैं। बाईपास बनने से यहां वन-वे व्यवस्था बन जाती। जिससे यातायात का दबाव कम हो जाता।

सड़क सुविधा न होने से यमकेश्वर विकासखंड के पांच गांवों के निवासियों को सड़क मार्ग तक आने के लिए दो किमी पैदल सफर तय करना पड़ता है। सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों, बीमारों व बच्चों को होती है।

दिन में खिली धूप, शाम होते ही छाया कोहरा

रिद्वार, एजेंसी। रविवार को धूप ने से कोहरे और गलन से फी राहत मिली। लोगों ने साहिक अवकाश पर अपने घरों । कामकाज निपटाया। सुबह हे कोहरा था जो धीरे-धीरे छंटा र करीब 10 बजे के बाद रख धूप में लोगों ने आनंद या। हरकी पैड़ी घाट भी पूरी ह श्रद्धालुओं ने भरे रहे। वहीं, म होते ही कोहरा छा गया।

बीते कुछ दिनों से कोहरे और दुरन के चलते जनजीवन भावित हो रहा था। इस बीच दिक्तांए भी हुईं। शनिवार करीब ‌2 बजे दोपहर से धूप निकली तो गों को राहत मिली। रविवार ह से लेकर करीब चार बजे तक तेज धूप निकली। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद घाटों पर ही धूप का आनंद लिया।

दिन में गरमाहट का अहसास तो हुए लेकिन शाम होते ही फिर से धुंध कोहरा छा गया। देखते ही देखते करीब 50 मीटर दृश्यता रह गई। इसके चलते हाईवे पर वाहन रेंगते दिखे। हरिद्वार से होकर गुजर रहे देहरादून-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की संख्या भी अधिक रही। रविवार को दिन में अधिकतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, शाम होने के बाद बढ़ी गलन तो सीधे आधे पर पारा आ गया। न्यूनतम तापमान करीब सात डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा।

21 फरवरी से शुरू होंगी उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं आ गई डेट, छात्रों के पास है केवल डेढ़ महीने का टाइम

रामनगर, एजेंसी। उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाएं इस बार 21 फरवरी से होंगी। बोर्ड सभागार में माध्यमिक शिक्षा निदेशक व बोर्ड सभापति डा. एसबी जोशी की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक हुई। इस दौरान हाई स्कूल व इंटर परीक्षा का कार्यक्रम जारी किया गया।

परीक्षा समिति की बैठक में परीक्षाओं के कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। इसके बाद परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया। बोर्ड के सचिव वीपी सिमल्टी ने बताया कि हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा 21 फरवरी से आरंभ होकर तक 11 मार्च चलेंगी। प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया। राज्य में परीक्षाओं के लिए इस बार 49 एकल व 1196 मिश्रित कुल 1245 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस बार 2 लाख 23 हजार 403 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। जिसमें 10वीं में 1 लाख 13 हजार 688 तथा 12वीं में 1 लाख 9 हजार 699 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा प्रातः दस बजे से अपराह्न एक बजे तक होगी। इसके अलावा प्रयोगात्मक परीक्षा 16 जनवरी से आरंभ होकर 15 फरवरी तक चलेंगी। बोर्ड परीक्षा की शुरुआत हाईस्कूल में हिंदुस्तानी संगीत व इंटर में हिंदी विषय से होगी। आगामी 21 फरवरी से शुरू होने जा रही बोर्ड परीक्षा में बीते वर्ष की तुलना में इस बार 12755 परीक्षार्थी बढ़े हैं। हरिद्वार जिले में सबसे अधिक 2937 व बागेश्वर जिले में सबसे कम 83 परीक्षार्थी बढ़े हैं। वर्ष 2024 में हुई बोर्ड परीक्षा में 2,10,648 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

सीएमएस और चिकित्सक विवाद में दर्ज नहीं हुआ मुकदमा

रुड़की, एजेंसी। सिविल अस्पताल में सीएमएस और चिकित्सक के बीच हुई हाथापाई का मामला चर्चाओं में है। दोनों ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई है। सूत्रों के अनुसार आला अधिकारियों की ओर से भी मामले को तूल नहीं देने की हिदायत दी गई है। इसके चलते पुलिस भी मामले को गंभीरता से नहीं ले रही है। गौरतलब है कि दो दिन पूर्व मेडिकल बनाने को लेकर सीएमएस डॉ. संजय कंसल और चिकित्सक डॉ. एके मिश्रा के बीच विवाद हो गया था। चिकित्सक डॉ. एके मिश्रा ने आरोप लगाया था कि उसकी एक परिचित महिला को मेडिकल बनवाना था और सीएमएस ने मेडिकल के कागज फाड़ दिए थे। जिसे लेकर सीएमएस और चिकित्सक के बीच हाथापाई हो गई थी। इसे लेकर दोनों ओर से गंगनहर कोतवाली में तहरीर दी गई है। लेकिन दूसरे दिन भी मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। जानकारी मिली है कि आला अधिकारियों ने मामले को आपस में निपटाने की हिदायत दी है।

भाजपा में गाली देना ही सबसे बड़ी योग्यता, महिला मुख्यमंत्री को गाली देने वाले को बनाया अपना सीएम चेहरा : संजय सिंह

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी पर रविवार को कालकाजी से भाजपा प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर आम आदमी पार्टी ने तीखा हमला बोला है। आप के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा में गाली देना ही सबसे बड़ी योग्यता है। भाजपा ने महिला मुख्यमंत्री आतिशी को गाली देने वाले रमेश बिधूड़ी को दिल्ली में अपना मुख्यमंत्री चेहरा बना दिया है। इसलिए अब दिल्ली की जनता को तय करना है कि उन्हें महिलाओं को गाली देने वाला रमेश बिधूड़ी चाहिए या महिलाओं के लिए हर महीने 2100 रुपए देने, उनकी सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने और बसों की यात्रा फ्री करने वाले अरविंद केजरीवाल चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा में गालियां देने की ट्रेनिंग दी जाती है। रमेश बिधूड़ी ने गाली देकर एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी गालीबाज और गुंडों की पार्टी है। संजय सिंह ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने दिल्ली की महिला मुख्यमंत्री को जिस तरह

की भद्दी और अपमानजनक गालियां देने का काम किया है, राजनीति में रहने वाला व्यक्ति एक महिला मुख्यमंत्री के लिए इतनी गंदी भाषा का प्रयोग करे, इसका कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा। रविवार को भाजपा के प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी ने अपना बाप बदल दिया। क्या मोदी जी अपने नेताओं को यही सिखाते हैं ? क्या भाजपा वाले यही ट्रेनिंग देते हैं ? क्या इनके यहां दिन-रात यही गाली-गलौज भाषा की ट्रेनिंग दी जाती है ? ये लोग यही गुंडागर्दी की भाषा बोलते हैं ? आतिशी के पिताजी 80 साल की उम्र के हैं। वृद्धावस्था में हैं और बीमार हैं। ऐसी हालत में भाजपा वाले एक महिला मुख्यमंत्री के मां-बाप को गालियां दे रहे हैं। क्या उन्हें शर्म नहीं आती ? संजय सिंह ने कहा कि भाजपा इस देश की सबसे बड़ी गुंडों और गालीबाजों की पार्टी है। पहले तो इन्होंने उस व्यक्ति को टिकट दिया, जिसने संसद में गाली दी थी। उसकी योग्यता ही ये है कि उसने संसद में गाली दी है।

अभी उसने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणी की है। एक महिला नेता पर शर्मनाक टिप्पणी की। चुनाव में वो हमारे खिलाफ लड़ सकते हैं, लेकिन जहां महिला सम्मान की बात आती है, वहां अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी कोई मतभेद नहीं रखते। सबसे पहले महिलाओं का सम्मान है। संजय सिंह ने आगे कहा कि प्रियंका गांधी पर की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ आम आदमी पार्टी के एक-एक नेता ने बयान दिया। लेकिन बहुत शर्म की बात है कि उनकी ही पार्टी के नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित रमेश बिधूड़ी के खिलाफ एक शब्द नहीं बोल रहे हैं कि रमेश बिधूड़ी ने जो गलत बोला है। यह इन लोगों का चरित्र है। क्या इससे साफ नहीं हो जाता कि कांग्रेस नेता अजय माकन और संदीप दीक्षित भाजपा से मिले हुए हैं या इनके गहरे संबंध हैं ? इन लोगों की इतनी भी हिम्मत नहीं है कि रमेश बिधूड़ी के खिलाफ एक शब्द भी बोल सकें।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के गांवों को चुनाव से पहले मालिकाना हक दे दिल्ली सरकार: पंचायत संघ

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दिल्ली देहात व गांवों के मुद्दों पर पहली बार बात करने के लिए उनका धन्यवाद करते हुए, उनसे मांग की कि उनकी सरकार गांवों के हाउस टैक्स माफी और मालिकाना हक देने की घोषणा को चुनाव से पहले पूरा करे।पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि एमसीडी की पूर्व मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने आम आदमी पार्टी कार्यालय में कुछ ग्रामीणों के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में गांवों का हाउस टैक्स माफ करने की घोषणा की थी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी 2022 के निगम चुनाव से पहले यह वादा किया था। लेकिन, आज तक यह वादा अधूरा है।

संगम विहार में गैंगवार की घटना, पांच-सात लड़कों ने चलाई युवक पर गोली

नई दिल्ली। दिल्ली के संगम विहार से एक गैंगवार की घटना सामने आई है। यहां पांच से सात लड़कों ने एक युवक पर गोली चलाई। दिल्ली में एक बार फिर से गैंगवार की घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है। जानकारी के मुताबिक इस गैंगवार में नासिर नाम के युवक को आरोपियों ने गोली मार दी। बता दें कि यह घटना दिल्ली के संगम विहार इलाके में रविवार रात करीब 8:30 बजे की है। 22 वर्षीय नासिर को गोली मारकर आरोपी मौके से फरार हो गए। यह मामला संगम विहार की गली नंबर 24 का है। वहीं अब घायल को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नासिर को गर्दन में गोली लगी है, जिससे उसकी हालत गंभीर है। पहली नजर में पुलिस को यह मामला आपसी रंजिश का लग रहा है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी की है।नासिर के पिता अब्दुल ने कहा, ह्यह्लपांच से सात लड़के देर शाम गली में आए और मेरे बेटे को गोली मारकर मौके से फरार हो गए। मैंने सभी को भागते हुए देखा और मैं सबको जानता भी हूं। बाद में उन्होंने आगे जाकर भी गोली चलाई, जहां उन्हें दबोच लिया गया। मेरा बेटा घर से निकला ही था। मेरी तबीयत खराब थी वह मुझे ही देखने आया था। मगर बाहर जाते ही उस पर हमला किया गया। मेरे बेटे का किसी से कोई झगड़ा नहीं है। उसकी गर्दन पर गोली लगी है। उसकी हालत अभी गंभीर है।

दिल्ली में हुए गैंगवार को लेकर आम आदमी पार्टी ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली में अपराध को लेकर लगातार आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार और भाजपा पर हमलावर बनी हुई है। कोई भी घटना होती है तो आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पार्टी के तमाम नेता भाजपा और केंद्र सरकार को इसके लिए दोषी बताने लगते हैं। अरविंद केजरीवाल का कहना है कि एक ही जिम्मेदारी केंद्र सरकार के पास है, वह भी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था की, जो वह ठीक से नहीं निभा पा रही है।दिल्ली के संगम विहार में रविवार की रात हुए गैंगवार को लेकर अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, अमित शाह जी, कृपया इसे रोकिए। आप लोगों ने दिल्ली का क्या हाल कर दिया। कुछ तो कीजिए ? प्रधानमंत्री जी, अगर अमित शाह से नहीं हो पा रहा तो कोई काबिल गृह मंत्री दीजिए जो दिल्ली वालों को सुरक्षा दे सके।

बारिश की संभावना के बीच तेज हवा से मिली घने कोहरे से निजात, एक्यूआई भी हुआ ठीक

नई दिल्ली। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में सोमवार सुबह घने कोहरे से लोगों को निजात मिलती दिखाई दी, लेकिन तेज हवाओं के चलते ठंड का असर जरूर देखने को मिल रहा है। रविवार को चली तेज हवा से सोमवार सुबह घने कोहरे से एनसीआर को निजात मिल गई और इसके साथ ही नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में भी एक्यूआई में गिरावट दर्ज की गई है। यहां प्रदूषण में सुधार है। जबकि दिल्ली में एक्यूआई 300 के पार है।मौसम विभाग की मानें तो आज सोमवार 6 जनवरी के दिन एनसीआर में बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके चलते मौसम जरूर साफ हो जाएगा।

दिल्ली में महिलाओं को हर माह देंगे 2500 रुपये : कांग्रेस

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी निजामुद्दीन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा तथा कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने सोमवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस जो वादा करती है उसे निभाती है और दिल्ली में सत्ता में आने पर महिलाओं को प्यारी दीदी योजना के तहत 2500 रुपए दिए जाएंगे। श्री शिव कुमार ने कहा कि कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने जो वादे किए थे, उन सबको लागू किया है।

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली, । कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी की महिला सम्मान योजना के जवाब में सोमवार को कहा कि सरकार बनने पर दिल्ली में महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना के जवाब में सोमवार को कहा कि सरकार बनने पर दिल्ली में महिलाओं के लिए प्यारी दीदी योजना लागू की जाएगी जिसके तहत हर महीने महिलाओं को 2500 रुपये दिए जायेंगे।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी निजामुद्दीन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा तथा कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक ने सोमवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस जो वादा करती है उसे निभाती है और दिल्ली में सत्ता में आने पर महिलाओं को प्यारी दीदी योजना के तहत 2500 रुपए दिए जाएंगे। श्री शिव कुमार ने कहा कि कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने जो वादे किए थे, उन सबको लागू किया है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में सभी गारंटी कार्यक्रमों के सफल शुभारंभ के बाद, हम दिल्ली में प्यारी दीदी योजना शुरू कर रहे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनेगी और हम पहले दिन हर महिला को 2500 रुपये की योजना लागू करेंगे। कर्नाटक मॉडल के अनुसार, दिल्ली में भी वही गारंटी लागू की जाएगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस की ताकत ही देश की ताकत है और कांग्रेस का इतिहास ही देश का इतिहास है। इस नए साल में दिल्ली में बदलाव आना चाहिए और मुझे उम्मीद है कि सब लोग दिल्ली में कांग्रेस की सरकार लाने में हमारी मदद करेंगे। हमने जो भी वादा किया था, उसे हमने कर्नाटक में पूरा किया है और शपथ लेने के बाद सिर्फ तीन महीने में सभी पांचों गारंटियों को लागू किया गया है। हमारी गारंटियों से कर्नाटक के युवाओं, परिवारों और आर्थिक स्थिति में बदलाव आया है और लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश के समाज के हर वर्ग का ख्याल रखने की कल्पना की थी, हम अपनी नीतियों के माध्यम से इसे सुनिश्चित करेंगे।

श्री यादव ने कहा, कांग्रेस का एक इतिहास और परंपरा है, जिसकी विश्वसनीयता जनता के बीच में है। कर्नाटक में हमारी सरकार गृहलक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए दे रही है। इसके अलावा, कर्नाटक में गृह ज्योति योजना, अन्न भाग्य योजना और युवा निधि योजना भी जारी है। इन योजनाओं के चलते राज्य के परिवारों के हजारों रुपये बच रहे हैं। इसी तरह, हम तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में भी कई जनहित की योजनाएं चलाकर लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा, ह्लदिल्ली में एक बहरूपिया और सपनों का सौदागर है। वो लगातार लोगों को सपने दिखाने का काम कर रहा है और 11 साल में दिल्ली बद से बदतर होती जा रही है। उसके दिखाए हर सपने टूटते नजर आ रहे हैं। उन्होंने 11 साल में जिस शिक्षा मॉडल, बिजली-पानी फ्री, भ्रष्टाचार मिटाने की बात की थी, उन सभी पहलुओं पर श्री केजरीवाल फेल साबित हुए हैं। हमें खुशी है कि हम आपके सामने ह्याप्यारी दीदी योजनाह्न लेकर आए हैं। आने वाले समय में हम आपके लिए और योजनाएं लेकर आएंगे, जो दिल्ली के लिए बहुत जरूरी हैं। कांग्रेस की दिल्ली इकाई के प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस समाज कल्याण और महिला सशक्तीकरण से जुड़ी पहली गारंटी लॉन्च कर रही है। समाज कल्याण और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर रही है। कर्नाटक में भी सरकार बनते ही कांग्रेस ने समाज कल्याण की अपनी योजना पहली कैबिनेट में तय कर लागू की थी। इसलिए महिला सशक्तीकरण के लिए दिल्ली में कांग्रेस जरूरी है।

दिल्ली चिड़ियाघर में गैंडे और हिमालयन भालू की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली के नेशनल जूलॉजिकल पार्क (चिड़ियाघर) में गैंडे और हिमालयन भालू की रहस्यमय मौतों की वजह अब साफ हो गई है। 20 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 के बीच हुई इन मौतों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि जानवर गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन समय पर उनकी देखभाल नहीं की गई। गैंडे की मौत का कारण एक्यूट हेमोरेजिक एंटेराइटिस यानी खूनी पेचिश बताया गया, जबकि हिमालयन भालू पेट में संक्रमण की वजह से मरा।

समय पर चिकित्सा का अभाव

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों जानवरों की स्थिति गंभीर होने के बावजूद समय पर इलाज नहीं मिला। हैरानी की बात यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें मौत से पहले स्वस्थ बताया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इन बीमारियों के लक्षण 24 घंटे पहले से दिखने लगते हैं। बावजूद इसके, जानवरों की गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिया गया।

लापरवाही के संकेत और जांच के लिए भेजे गए सैंपल

चिड़ियाघर में जानवरों की देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं, फिर भी लापरवाही बरती गई। चिड़ियाघर में 250 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और दो वेटरनरी डॉक्टर तैनात हैं। बावजूद इसके, गैंडे और भालू की खराब हालत का पता नहीं चल पाया। साथ ही चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि जानवरों की मौत के सही कारण जानने के लिए सैंपल बरेली स्थित इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

स्टाफ की अनुभवहीनता पर सवाल

जानवरों की देखभाल के लिए पर्याप्त और अनुभवी स्टाफ की कमी को इस घटना की बड़ी वजह माना जा रहा है। चिड़ियाघर में मल्टी-टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) को जानवरों की देखभाल में लगाया गया, जबकि वे मुख्य रूप से कार्यालय के काम के लिए होते हैं।

वहीं, वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि अगर जानवरों की गतिविधियों पर सही समय पर ध्यान दिया जाता और इलाज किया जाता, तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। अनुभवहीन स्टाफ की नियुक्ति और लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ।

चिड़ियाघर प्रशासन पर सवाल

गैंडे और हिमालयन भालू की मौतों ने चिड़ियाघर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही, यह घटना चिड़ियाघर में जानवरों की सुरक्षा और देखभाल की प्रणाली में सुधार की जरूरत को उजागर करती है। प्रशासन को निगरानी बढ़ाने, अनुभवी स्टाफ की नियुक्ति, और समय पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे।

स्वाति मालीवाल का कैग रिपोर्ट को लेकर केजरीवाल सरकार पर हमला, बोली- जनता का क्या है, नर्क में जीती है तो जिए

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष और आप नेता स्वाति मालीवाल ने दिल्ली सरकार पर कैग रिपोर्ट यानी भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने शाही खर्चों और ऐशो-आराम को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार की आलोचना की। स्वाति ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए सरकारी खर्चों को जनता के प्रति अन्याय करार दिया। स्वाति मालीवाल ने अपने सोशल मीडिया ऐप एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जिसकी चमक में अपना चेहरा दिखे वैसा करोड़ों का मार्बल, 96 लाख के पर्दे, 16.27 लाख का सिल्क का कालीन, 20 लाख का टीवी, 5 लाख का मिनी बार, 40 लाख का किचन का सामान और 2.5 लाख का शीशा। बाकी ऐश-आराम के लिए जैकूजी, स्पा, सोना वगैरह तो हैं ही। जनता का क्या है, नर्क में जीती है तो जिए। इसके साथ ही उन्होंने साहिर लुधियानवी की पंक्तियां भी साझा कीः फक'ीर ए शहर के तन पर लिबास बाक'ी है। अमीर ए शहर के अरमां अभी कहाँ निकले।

पहले भी साध चुकी हैं निशानाः स्वाति मालीवाल ने इससे पहले दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं, गंदे पानी और जीबी पंत अस्पताल की स्थिति को लेकर दिल्ली सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए दिल्ली की अव्यवस्थाओं को उजागर किया था। दिल्ली सरकार की अलग-अलग परियोजनाओं और संसाधनों पर किए गए खर्च पर विपक्ष और खुद पार्टी के नेताओं की आलोचनाएं बढ़ रही हैं। स्वाति मालीवाल के इस बयान के बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज होती दिखाई दे रही है।

जनता की नाराजगी और विपक्ष का हमलाः स्वाति के इस पोस्ट के बाद कई विपक्षी नेताओं ने दिल्ली सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। सोशल मीडिया पर जनता ने भी अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने इसे सच्चाई बताई तो कुछ ने इसे सियासी बयान करार दिया। साथ ही स्वाति मालीवाल के इन बयानों से पार्टी के भीतर और बाहर चर्चा तेज हो गई है। अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या जवाब देती है।

सीएजी रिपोर्ट का खुलासाः सीएजी की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि केजरीवाल के आवास पर करोड़ों रुपये खर्च हुए हैं। यह खर्च भवन निर्माण, सजावट, फर्नीचर, और अन्य सुविधाओं पर किया गया। रिपोर्ट के लीक होने के बाद से विपक्ष ने इसे मुद्दा बना लिया है और सरकार पर फिजूलखर्ची का आरोप लगाया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास पर 33 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च किया गया है।

अपने बुजुर्ग पिता पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी की अभद्र टिप्पणी से भावुक हुई सीएम आतिशी, छलके आंसू

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सोमवार को भावुक हो गईं जब मीडिया ने भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा उनके बुजुर्ग पिता के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी पर उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही। सीएम आतिशी की आंखों से आंसू छलक पड़े, और कुछ पल तक वह कुछ बोल नहीं पाईं। मुख्यमंत्री के भावुक होने के बाद, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने सीएम आतिशी की वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर साझा करते हुए लिखा, ₹आतिशी जी, आप दिल्ली की सभी महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं। भाजपा ने आपको गाली देकर ना सिर्फ आपका, बल्कि दिल्ली की हर महिला का अपमान किया है। भाजपा को इस अपमान का जवाब दिल्ली की हर महिला देगी।₹चुनाव जीतने के लिए बुजुर्गों को निशाना बनाना बेहद शर्मनाक₹ सीएम आतिशी ने कहा,

मैं रमेश बिधूड़ी से कहना चाहूंगी कि मेरे पिताजी ने अपनी पूरी जिंदगी एक शिक्षक के रूप में दिल्ली के हजारों गरीब और लोअर मिडल क्लास परिवारों के बच्चों को पढ़ाने में लगा दी। आज वह 80 साल के हैं और इतनी बीमार हैं कि बिना सहारे चल भी नहीं पाते। क्या भाजपा अब चुनाव जीतने के लिए इतने बुजुर्ग और बीमार व्यक्ति को गालियां देने पर उतर आएगी ? यह राजनीति का कितना शर्मनाक स्तर है।

काम के आधार पर वोट मांगें, गालियां देकर नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा, आज देश की राजनीति इतने निम्न स्तर पर गिर सकती है, यह मैंने कभी सोचा भी नहीं था। रमेश बिधूड़ी दक्षिणी दिल्ली से 10 साल से सांसद हैं। मैं उनसे कहना चाहूंगी कि वह कालकाजी के लोगों को बताएं कि उन्होंने इस क्षेत्र के लिए क्या किया ? अपने काम के आधार पर वोट मांगें, यह दिखाएं कि उनके 10 साल का काम मेरे 5 साल के काम से बेहतर है।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹अगर मैंने एक सड़क बनवाई है, तो उन्होंने 10 सड़कें बनवाईं। अगर मैंने 100 सीसीटीवी कैमरे लगवाए, तो उन्होंने 1,000 लगाए। अगर मैंने 1,000 स्ट्रीट लाइटें लगवाईं, तो उन्होंने 5,000 लगवाईं। इस पर वोट मांगें। लेकिन मेरे बुजुर्ग पिताजी को गालियां देकर वोट मांगना न केवल शर्मनाक है, बल्कि दुखद भी है।

बिधूड़ी के आवास पर युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। बीजेपी के पूर्व सांसद और कालकाजी से प्रत्याशी बनाए गए रमेश बिधूड़ी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को लेकर दिए गए विवादित बयान पर अब सियासत खूब देखी जा रही है।आज दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूर्व सांसद के लोधी रोड स्थित आवास के बाहर प्रदर्शन किया।हालांकि इस दौरान रमेश विधूड़ी वहां पर नहीं थे, लेकिन कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूर्व सांसद के घर के बाहर लगे उनकी नेम प्लेट को काले रंग से पोत दिया।बता दें कि कालकाजी से प्रत्याशी बनाए जाने के बाद पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी ने एक जनसभा के दौरान प्रियंका गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था।

भाजपा पर महिला विरोधी मानसिकता का आरोपः रमेश बिधूड़ी के विवादित बयान पर कांग्रेस नेताओं ने कड़ा विरोध जताते हुए भाजपा पर महिला विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया है।कांग्रेस नेता द्वारा बिधूड़ी के खिलाफ राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत दी गई है।बिधूड़ी को वीडियो में कहते हुए सुना जा सकता है, ह्यलालू यादव ने एक बार दावा किया था कि वह बिहार की सड़कों को हेमा मालिनी के गालों की तरह चमका देंगे, लेकिन वह उस वादे को पूरा करने में विफल रहे।हालांकि, मैं आश्वासन देता हूं कि जिस तरह हमने ओखला और संगम विहार की सड़कों को बदल दिया है, हम कालकाजी की हर सड़क को भी प्रियंका गांधी के गालों की तरह चमका देंगे।

भाजपा घोर महिला विरोधीः कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने रमेश बिधूड़ी के विवादित बयान पर कहा कि भाजपा घोर महिला विरोधी है।रमेश बिधूड़ी का प्रियंका गांधी जी के संदर्भ में दिया गया बयान शर्मनाक ही नहीं उनकी औरतों के बारे में मानसिकता दिखाता है, लेकिन जिस आदमी ने सदन में अपने साथी सांसद को गंदी गालियां दी हों, और कोई सजा ना मिली हो उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है ? यही भाजपा का असली चेहरा है।

नजर मात्र 84 लोगों ने 4,283 वोट काटने के आवेदन दिए, लेकिन चुनाव आयोग में सुनवाई के दौरान कई आपत्तिकताओं ने कहा कि उन्होंने कोई आवेदन नहीं किया है - सीएम आतिशी

नई दिल्ली विधानसभा में बड़े पैमाने पर नाम जोड़ने और काटने का हो रहा फजीर्वाड़ा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में एक साजिश के तहत किए जा रहे वोट घोटाले को सोमवार को तथ्यों के साथ उजागर किया। दिल्ली की सीएम आतिशी, वरिष्ठ नेता संजय सिंह और राघव चड्ढा ने बताया कि कैसे भाजपा वोट कटवाने और जुड़वाने की साजिश कर रही है। इस सुनियोजित वोट घोटाले पर ह्लआपह्न के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में वोटरों के नाम जोड़ने और काटने के बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हो रही है। सीएम आतिशी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर इस फजीर्वाड़े को लेकर सबूत पेश किए हैं और उनसे मिलने का समय मांगा है। वहीं, सीएम आतिशी ने बताया कि नई दिल्ली में समरी रिवीजन के बाद 15 दिसंबर से 02 जनवरी तक 10,500 नए नाम जोड़ने और 6,167 वोट काटने के आवेदन आए हैं। मात्र 84 लोगों ने 4,283 वोट काटने के आवेदन दिए, लेकिन चुनाव आयोग में सुनवाई के दौरान कई आपत्तिकताओं ने कहा कि उन्होंने कोई आवेदन नहीं किया है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सपना देखा था कि भारत में रहने वाले हर नागरिक को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होगा। बाबा साहब अंबेडकर ने देश का संविधान लिखते वक्त हर भारतवासी के लिए एक सपना देखा था कि हम जिसे वोट डालेंगे, उस वोट के अधिकार के आधार पर प्रतिनिधि और सरकारें चुनी जाएंगी। वोट का अधिकार हमारे देश के लोकतंत्र और संविधान का मौलिक अधिकार है। जो एक आम व्यक्ति अपने प्रतिनिधि को चुनने के लिए वोट डालता

है, आज भाजपा उस वोट के अधिकार पर घोटाला कर रही है और इस देश के संविधान और लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा रही है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में बहुत बड़े स्तर पर वोट घोटाला देश के सामने आया है। देशभर में हर साल एक समरी रिवीजन होता है। एक इलेक्टोरल रोल बनता है। यह इस बात की जांच करता है कि किसी की मृत्यु तो नहीं हो गई। कोई व्यक्ति एक शहर छोड़कर दूसरे शहर में तो नहीं चला गया। कोई एक इलाका छोड़कर दूसरे इलाके में तो नहीं चला गया। यह वोटर लिस्ट की रिवीजन 29 नवंबर तक दिल्ली में चली। जहां इलेक्शन कमीशन की एक मशीनरी हर गली मोहल्ले में गए। वोटर समरी रिवीजन के बाद अचानक से नई दिल्ली विधानसभा में वोटर डिलीशन के लिए हजारों आवेदन आते हैं कि किसी की मृत्यु हो गई, कोई शिफ्ट हो गया या कोई अपने पते पर नहीं रहता है। साथ ही, समरी रिवीजन खत्म होने के बाद हजारों आवेदन नए वोटर जोड़ने के आ गए।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि नई दिल्ली विधानसभा में तकरीबन एक लाख वोटर हैं। इस विधानसभा में 15 दिसंबर और 2 जनवरी के बीच में 10,500 वोटर्स को जोड़ने के आवेदन आ गए। एक लाख वोटर में अगर दस हजार नए वोटर जोड़ दें तो यह नए वोटर पूरे चुनाव को उलट-पलट कर देंगे। यानि दस फीसदी अतिरिक्त वोटर जोड़ने के आवेदन 15 दिसंबर और 2 जनवरी के बीच में आए। 24 दिसंबर को 1103, 25 दिसंबर को 983, 27 दिसंबर को 547, 29 दिसंबर को 734, 30 दिसंबर को 789 आवेदन आए। यानि हर रोज 800 से हजार आवेदन नए वोटर जोड़ने के आए। ये लोग समरी रिवीजन के वक्त कहां थे ? अगर 29 नवंबर तक पूरी इलेक्शन मशीनरी एक-एक गली-मोहल्ले में जा रही थी, तो 29 नवंबर और 15 दिसंबर के बीच में यह दस हजार लोग कहां से आ गए ? इससे यह साफ है कि गलत तरीके से वोटर्स जोड़ने की साजिश हो रही है। मुख्यमंत्री आतिशी ने आगे कहा कि दूसरी ओर वोटर डिलीशन की भी बहुत बड़ी साजिश हो रही है। अगर वोटर डिलीशन का आंकड़ा देखें तो 29 अक्टूबर और 2 जनवरी के बीच में 6167 वोटर डिलीट करने के आवेदन आए। एक दिन में कभी 500 तो कभी 600 कभी हजार आवेदन आए। 19 दिसंबर को 1527, 21 दिसंबर को 700, 24 दिसंबर को 518 और 25 दिसंबर को 675 आवेदन आए। जब समरी रिवीजन हो रहा था, तब इन लोगों को अपने पते से जा चुके लोगों के बारे में क्यों नहीं पता चला ? यह साफ है कि गलत तरीके से वोट काटने की साजिश हो रही है। वोटर डिलीशन के लिए आए 6167 आवेदन नई दिल्ली के कुल 5.77 फीसदी वोट हैं। यानि पूरे चुनाव में दस फीसदी वोट को जोड़ने और साढ़े पांच फीसदी वोट को काटने की साजिश हो रही है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि जो वोटर डिलीशन के आवेदन आए हैं। इन 6167 आवेदनों में से 4283 आवेदन मात्र 84 लोगों ने डाले हैं।

संक्षिप्त खबरें

यूट्यूबर अंकुश बहुगुणा 40 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रहे

नई दिल्ली। यूट्यूबर अंकुश बहुगुणा को साइबर ठगों ने 40 घंटे तक डिजिटल अरेस्ट रखा। अंकुश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी है। यूट्यूबर ने कहा कि सदमे में हूं और मैंने पैसे के साथ मानसिक शांति खो दी है। अंकुश ने बताया कि उन्हें एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से कॉल आई। उन्हें बताया गया कि उनका कूरियर कैंसिल हो गया है। इसके बाद उन्हें एक दूसरी कॉल से जोड़ा गया और बताया कि कूरियर में अवैध चीज पाई गई है। इसलिए कस्टम विभाग ने कूरियर जब्त कर लिया है। इसके बाद वह बहुत घबरा गए। ठगों ने उनके आधार कार्ड आदि की जानकारी लेकर उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर लिया। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग तस्करी सहित कई कई गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद पुलिस की वर्दी पहने एक व्यक्ति से बात कराई। उसने इन सबसे बचने के लिए अंकुश से पैसे मांगे। पैसे ट्रांसफर करने के लिए बैंक भेजा। बैंक बंद होने की वजह से पैसा ट्रांसफर नहीं हो सका। फिर ठगों ने उनसे एक होटल में ठहरने को कहा। इस बीच अंकुश की एक दोस्त से मैसेज पर बात हुई। तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ और वह होटल से भाग निकले।

युवा कांग्रेस ने बिधूड़ी के खिलाफ प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को लेकर दिए गए बयान के विरोध में दिल्ली युवा कांग्रेस ने सोमवार दिन में पूर्व सांसद व कालकाजी विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनके बयान की जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। उधर, एनएसयूआई ने राजधानी सहित पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन किया। दिल्ली युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता सोमवार दिन में बिधूड़ी के आवास के सामने पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने गेट पर महिला विरोधी भी लिख दिया। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अजय लाकरा ने कहा कि भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा इस तरह के आपत्तिजनक बयान पहले भी दिए जाते रहे हैं। भाजपा हमेशा से ही महिला विरोधी रही है। दिल्ली और कालकाजी की जनता उन्हें कभी भी माफ नहीं करेगी। जनता की अदालत में उनका फैसला होगा। लाकरा ने कहा कि प्रियंका गांधी के संदर्भ में दिया गया बयान बेहद शर्मनाक है और इस घटिया सोच के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि ऐसे नेताओं को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। हम मांग करते हैं कि भाजपा तुरंत उनका टिकट रद्द करे और उन्हें पार्टी से निष्कासित करे।

ग्रामीण मुद्दों पर सार्वजनिक बहस करें केजरीवाल : बिधूड़ी

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर दिल्ली देहात के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लगाया है। दिल्ली देहात के मामले पर बिधूड़ी ने केजरीवाल को बहस की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार बनने पर केवल दो महीनों के भीतर इन समस्याओं का समाधान भाजपा करेगी। रामबीर सिंह बिधूड़ी ने कहा आप सरकार ने दिल्ली देहात और किसानों के हित में कोई काम नहीं किया है। यहां तक कि उन्होंने अपने किए गए वादे भी पूरे नहीं किए। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली देहात की विस्तारित आबादी को नियमित करने का प्रस्ताव शीला दीक्षित सरकार ने 2013 में पारित किया और इसे अधिसूचित कर दिया गया था।

विवाह के विवाद में छोटे भाई को मारी गोली, आरोपी फरार

नई दिल्ली। मधु विहार इलाके में सोमवार दोपहर अविवाहित बड़े भाई ने अपने छोटे भाई पर मामूली विवाद में गोली चला दी। शुरुआती जांच में पता चला कि नशा व अन्य बुरी आदतों के चलते बड़े भाई की शादी नहीं हुई है। इसे लेकर वह अपने छोटे भाई से काफी गुस्सा था और इसी के चलते विवाद बढ़ने पर उसने छोटे भाई पर गोली चला दी। फिलहाल आरोपी वारदात के बाद से ही मौके से फरार है। पुलिस कई टीमें बनाकर आरोपी की तलाश कर रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि मधु विहार थाने में सोमवार दोपहर 12.13 बजे गोलीबारी की एक पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने पुलिस को बताया कि मंडावली ऊंचे पार इलाके में बड़े भाई 35 वर्षीय आनंद मिश्रा ने अपने छोटे भाई 29 वर्षीय अनिरुद्ध मिश्रा को गोली मार दी है। सूचना के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और लोगों से पूछताछ शुरू की। गोली पीड़ित के बायें हाथ में कंधे की ओर लगी थी। उसे तत्काल उपचार के लिए लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया। फिलहाल वह खतरे से बाहर है।

इंटर्नशिप विद मनीष सिसोदिया के जरिए मेरे साथ काम करने के लिए जुड़े 100 युवा : मनीष सिसोदिया

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और जंगपुरा से प्रत्याशी मनीष सिसोदिया के साथ चुनावी कैंपेन में काम करने के लिए 100 युवा जुड़ गए हैं। यह युवा इंटर्नशिप विद मनीष सिसोदिया के जरिए ऑनलाइन आवेदन किए थे। इन बच्चों से मनीष सिसोदिया ने बात कर जाना कि वे क्या सोचकर उनके साथ जुड़े हैं ? मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दक्षिणी भारत के रहने वाले ये बच्चे बीटेक, मार्केटिंग, इतिहास और सोशल साइंस में पढ़ाई कर रहे हैं। यह बच्चे चुनावी कैंपेन के दौरान वॉर रूम, बैक रूम, रिसर्च रूम, फील्ड रिसर्च, कैंपेनिंग और लोगों से संवाद करने जैसे काम करेंगे। मेरे साथ अगले एक-डेढ़ महीने काम करके ये बच्चे चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र की बातें सीखकर जाएंगे। आम आदमी के वरिष्ठ नेता और जंगपुरा से प्रत्याशी मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए इंटर्नशिप विद मनीष सिसोदिया नाम से एक प्रोग्राम लॉन्च किया था और लिखा था कि मैं जंगपुरा

विधानसभा से चुनाव लड़ने जा रहा हूं। मुझे अच्छा लगेगा कि अगर देश के युवा मेरे साथ आकर काम करें। इसके पीछे मेरा मकसद यह था कि कॉलेज के युवा आएं और चुनावी प्रक्रिया, जो एक लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है, उसका हिस्सा बनें और देखें कि लीडर्स कैसे काम करते हैं, जनता कैसे सोचती है ? चुनावी प्रक्रिया में क्या-क्या बाधाएं हैं ? दुनिया भर के लोकतंत्र के लिए यह कैसे एक पॉवरफुल टूल है। उसको बहुत नजदीक से मॉनिटर करें, कुछ सीखें और उसमें कुछ अपना सहयोग करें। इसमें सैकड़ों युवाओं ने मेरे साथ काम करने के लिए आवेदन दिया था। इसमें से करीब 100 युवा अब तक हमें ज्वाइन कर चुके हैं और वे मेरे साथ काम करेंगे। आज मैं उनसे बातचीत कर रहा था और समझ रहा था कि वे क्या सोचकर हमारे साथ आए हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैं देख रहा हूं कि एक सोशल वर्कर में मास्टर्स करने वाले बच्चे से लेकर, युवा जो बीटेक कर रहे हैं, टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं, मार्केटिंग, इतिहास या राजनीतिक विज्ञान की पढ़ाई कर रहे हैं, इन सब बैकग्राउंड के दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दक्षिणी भारत से आने वाले बच्चे मेरे साथ आकर काम कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि ये लोग मेरे साथ अगले एक-डेढ़ महीने में काम करके लीडरशिप स्किल्स भी सीखेंगे। मुझे भी बहुत कुछ सिखाएंगे, मेरे बारे में अच्छी फीडबैक देंगे और सबसे बड़ी बात यह है कि चुनावी प्रक्रिया और डेमोक्रेसी की बातें सीखकर जाएंगे। मनीष सिसोदिया ने कहा कि ये लोग चुनावी कैंपेन में जो भी काम होते हैं, जैसे कि वॉर रूम, बैक रूम, रिसर्च रूम से लेकर फील्ड रिसर्च करना, कैंपेनिंग करना और लोगों से इंटरेक्शन करना। वे इस तरह के हर काम करेंगे। यह एक इंटर्नशिप प्रोग्राम है जो आगे चलकर इनके स्किल्स के लिए काफी काम आएगा। चाहे इनमें से आगे चलकर कुछ लोग पॉलिटिशियन, अधिकारी या उद्यमी बनें, जहां भी लोग लीडरशिप के रोल में रहेंगे, वहां इनको समाज, देश और लोकतंत्र की एक अच्छी समझ काम आएगी।

सीएम आतिशी होंगी गिरफ्तार, सिसोदिया के घर पर अगले कुछ दिनों में होगी सीबीआई रेड, अरविंद केजरीवाल का दावा

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने एक बार फिर पार्टी नेताओं के घर रेड होने की बात कही। उन्होंने ट्वीट किया- मैंने कुछ दिन पहले बोला था कि दिल्ली उट आतिशी जी को गिरफ्तार किया जाएगा और आप के कुछ नेताओं पर रेड होगी। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक मनीष सिसोदिया जी के घर अगले कुछ दिनों में सीबीआई रेड होगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी दिल्ली चुनाव हार रही है। ये गिरफ्तारियां और रेड उनकी बौखलाहट का नतीजा है। अभी तक इन्हें हमारे खिलाफ कुछ नहीं मिला, आगे भी कुछ नहीं मिलेगा। आप एक कट्टर ईमानदार पार्टी है। बता दें, हाल ही में अरविंद केजरीवाल ने सीएम आतिशी को फर्जी केस में गिरफ्तार करने का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने अपनी जांच

एजेंसियों को चुनाव से ठीक पहले आप नेताओं के यहां रेड करने और सीएम आतिशी को परिवहन विभाग में फर्जी केस बनाकर गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। वहीं परिवहन विभाग ने उनके इस दावे पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी और ऐसी किसी जांच से इनकार किया था।

पार्टी ने वोट घोटाला का लगाया आरोप: बता दें, आम आदमी पार्टी ने नई दिल्ली विधानसभा सीट को लेकर वोट घोटाला का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि नई दिल्ली सीट पर लगभग 1 लाख मतदाता हैं। इसमें वोटर लिस्ट की समरी रिवीजन प्रक्रिया के बाद 15 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच 10,500 नए वोट जोड़ने और 6,167 वोट काटने के आवेदन आए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मात्र 84 लोगों ने 4,283 वोट काटने के आवेदन दिए, लेकिन इनमें से कई ऑब्जेक्टरों को चुनाव आयोग ने सुनवाई के लिए बुलाया, तो सभी ने कहा कि उन्होंने ऐसी कोई एप्लीकेशन नहीं दी।

वोट काटने के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल का आरोप: पार्टी ने कहा कि यह साफ इशारा करता है कि नई दिल्ली विधानसभा में बड़े स्तर पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी हो रही है। वोट काटने के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल हो रहा है। इस पूरे मामले में चुनाव आयोग की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सभी सबूत सामने हैं, फिर भी अब तक जांच क्यों नहीं शुरू हुई ?

लोकसभा अध्यक्ष ने गांधी दर्शन राजघाट पर किया नई गांधी दर्शन आर्ट गैलरी का उद्घाटन

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को राजघाट स्थित गांधी दर्शन परिसर में नव विकसित ह्यगांधी दर्शन आर्ट गेलरीह्ल का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन कार्यक्रम में देशभर से आए लगभग 100 कलाकारों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय मंत्री और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के उपाध्यक्ष विजय गोयल ने की। इस अवसर पर उपस्थित कलाकारों और मूर्तिकारों को संबोधित करते हुए ओम बिरला ने गांधी दर्शन द्वारा कला की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करने की इस पहल की सराहना की। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी की अहम भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके सिद्धांतों ने वैश्विक स्तर पर अहिंसात्मक आंदोलनों को प्रेरित किया है। ओम बिरला ने यह भी कहा कि कलाकारों की अलग सोच और चिंतन उनके सृजन को आकार देता है

और समाज की सांस्कृतिक एवं बौद्धिक संरचना में योगदान करता है। उन्होंने युवाओं से 'विकसित भारत' में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान भी किया। अपने संबोधन में विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में कलाकारों के लिए अपने कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए अच्छे स्थानों की कमी है। ऐसे में यह आर्ट गेलरी इस कमी को पूरा करेगी। गोयल ने कहा कि आने वाले समय में गांधी दर्शन आर्ट गेलरी दिल्ली में एक प्रमुख सांस्कृतिक स्थल बनेगी, जो पेशेवर और उभरते कलाकारों को एक बड़ा मंच प्रदान करेगी। गोयल ने यह भी घोषणा की, कि आरंभिक सात प्रदर्शनियां निःशुल्क होंगी, और बाद में कलाकार और प्रदर्शक नाममात्र शुल्क का भुगतान करके दीर्घा बुक कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी दर्शन आर्ट गॅलरी में समय-समय पर प्रदर्शनियां, कार्यशालाएं, कला शिविर और सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, और इसमें कलाकारों और क्यूरेटरों को अपने प्रदर्शनियों को क्यूरेट करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। गोयल ने कहा की आने वाले दिनों में यह गैलरी कलाकारों के लिए बहुत ही मामूली शुल्क पर उपलब्ध होगी, जिससे रचनात्मकता को बढ़ावा मिलेगा ।कलाकारों के लिए यह गेलरी एक केंद्र के रूप में कार्य करेगी, जहां उन्हें न केवल अपनी कला प्रदर्शित करने का स्थान मिलेगा, बल्कि वे दर्शकों और अन्य रचनाकारों से जुड़ सकेंगे। गोयल ने कहा कि इसके माध्यम से गांधी दर्शन परिसर, जिसमें महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित चार संग्रहालय भी हैं, में आने वाले दर्शकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम में समिति के निदेशक डॉ ज्वाला प्रसाद ने अपने स्वागत सम्बोधन में अतिथियों का आभार प्रकट किया।

शीश महल पर कैग की रिपोर्ट के खुलासे से आप डर गई : विजेंद्र गुप्ता

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी द्वारा पत्रकार वार्ता नई दिल्ली में भाजपा पर पांच हजार वोट कटवाने और दस हजार वोट जुड़वाने के आरोप की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी अपनी नाकामियों और भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब आतिशी को पता चल चुका है कि उनकी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल अपने क्षेत्र में चुनाव हारने वाले हैं, इसीलिए उन्होंने अपना विक्टिम कार्ड खेलना शुरू कर दिया है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शीश महल के बारे में कैग की रिपोर्ट में बेतहाशा खर्च का खुलासा होने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) अब बौखला गई है और बैकफुट पर आ गई है, इसीलिए वोटर्स लिस्ट में हेराफेरी का आरोप भाजपा पर लगाकर शीश महल से लोगों का ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही हैं।

गुप्ता ने आतिशी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ नई दिल्ली विधानसभा सीट में ही, जहां से अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं, वोटर्स लिस्ट में गड़बड़ी का अंदेशा जताया, और दिल्ली के अन्य विधानसभा सीटों पर एक भी शब्द नहीं बोला। इसी से यह जाहिर हो रहा है कि आम आदमी पार्टी अपने मुखिया अरविंद केजरीवाल की हार को अभी से भांप चुकी है। गुप्ता ने कहा कि इलेक्टोरल रोल में हर साल अनेक नए वोटर्स जोड़े जाते हैं जो या तो 18 वर्ष के हो चुके हैं या फिर किसी एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे विधानसभा क्षेत्र में शिफ्ट हुए हैं। इसलिए ऐसे लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट में जोड़े या हटाये जाते हैं, जो कि एक सामान्य प्रक्रिया है और इसे ह्यसमरी रिवीजनह्ल कहा जाता है। ये सारी प्रक्रिया चुनाव आयोग के कर्मचारियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जाती है। इसलिए आतिशी के आरोप में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि आतिशी के इस बयान से ये निश्चित हो गया है कि दिल्ली से आम आदमी पार्टी की सत्ता अब चंद दिनों की ही रह गई है और अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने वाली है। उन्होंने कहा कि यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली वाले जब करोना की महामारी में अपनी जान गवां रहे थे, उस वक्त केजरीवाल अपने शीशमहल पर करोड़ों रुपये खर्च कर अपनी विलासिता के साधन जुटा रहे थे। केजरीवाल को दिल्ली की जनता सत्ता से बाहर बिठाने का मन बना चुकी है।

आप को विधानसभा चुनाव में हारने का डर सता रहा : भाजपा

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज कहा कि नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी की पत्रकार वार्ता से साफ हो गया है कि आप को विधानसभा में हारने का डर सता रहा है। वीरेन्द्र सचदेवा ने एक बयान में कहा कि आज जिस बौखलाहट में मुख्यमंत्री आतिशी और सांसद संजय सिंह एवं राघव चड्ढा ने नई दिल्ली क्षेत्र को लेकर पत्रकार वार्ता की, उससे यह स्थापित हो गया है कि अरविंद केजरीवाल हार रहे हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गत सप्ताह मैंने पत्रकार वार्ता के मध्यम से खुलासा किया था कि आप नेताओं संजय सिंह एवं राघव चड्ढा नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से जुड़े चुनाव अधिकारियों पर तीन वर्ष पहले सरोजनी नगर आदि क्षेत्रों से शिफ्ट किए गये झुग्गी क्लस्टरों के वोटरों के वोट वहीं बने रहने देने का दबाव डाल रहे हैं।

सचदेवा ने कहा कि गत सप्ताह मैंने कहा था कि नई दिल्ली विधानसभा से शिफ्ट हुए वोट एवं मृत लोगों के वोट कट जाने की जानकारी मिलने के बाद से अरविंद केजरीवाल राजनीतिक तनाव में हैं, क्योंकि यही झुग्गी क्लस्टर वोट उनका राजनीतिक आधार थे। तरुण चौटाला द्वारा अनेक नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने काटने की एप्लीकेशन लगाने की बात उठाई थी। आज आप नेताओं ने तरुण चौटाला और सुरेश कुमार के वजूद को भी स्वीकार कर लिया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की अधिकांश आर.डब्लू.ए. आज अपने कार्य क्षेत्रों में से नकली, फर्जी, शिफ्ट, मृत लोगों के वोट कटवाने में सक्रिय रोल निभा रहे हैं और अधिकांश सामाजिक संस्थाओं के लोग रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी मुसलमानों के वोट कटवाना चाह रहे हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को यह समझ लेना चाहिए कि आज दिल्ली की सिविल सोसाइटी दिल्ली को नये विकास के अवसर देना चाहती है और इसके लिए सबसे पहले वह दिल्ली को नकली फर्जी वोटर मुक्त करना चाहती है। जो राजनीतिक दल नकली वोट कटने का विरोध करेगा, जनता उसे दिल्ली से विदा कर देगी।

केसरी दस्तार सजाकर गृह मंत्री अमित शाह गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में हुए नतमस्तक

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह आज साहिब ए कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर केसरी दस्तार सजाकर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में नतमस्तक हुए। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलो, और पूर्व अध्यक्ष सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा सहित समिति के अन्य पदाधिकारियों ने श्री अमित शाह को सिरोपा देकर उनका सम्मान किया।

समागम को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलो ने कहा कि आज पूरी दुनिया में सिख संगतें साहिब ए कमाल श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी के प्रकाश पर्व को मना रही हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा समिति द्वारा भी यह प्रकाश दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ

मनाया जा रहा है और समिति के अधीन विभिन्न गुरुद्वारों में गुरुमति समागम हो रहे हैं, जबकि मुख्य समागम भाई लखी शाह वणजारा हाल, गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर में हो रहा है। उन्होंने कहा कि संगतों के लिए खुशी की बात है कि संगतों के साथ-साथ आज देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह भी केसरी दस्तार सजाकर गुरुद्वारा साहिब में नतमस्तक हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद 1984 के सिख दंगों के मामलों की नए सिरे से जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन हुआ, जिसकी बदौलत सज्जन कुमार और अन्य दोषी आज सलाखों के पिछे हैं, और जगदीश टाइटलर और कमलनाथ समेत अन्य दोषियों के खिलाफ मामले चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कभी भी समय की कांग्रेस सरकारों ने इन दोषियों को नहीं पकड़ा था, लेकिन एनडीए सरकार ने ही इन मामलों की नए सिरे से जांच करवाई और अब दोषी सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बाकी दोषी भी जल्द सलाखों के पीछे होंगे। इस मौके पर सरदार हरमीत सिंह कालका और सरदार जगदीप सिंह काहलो ने मांग की कि दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर रखा जाए। दोनों नेताओं ने कहा कि देश-विदेश से हजारों की संख्या में संगतें रोजाना दिल्ली पहुंचती हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सिखों का कत्लेआम करवाने वाली इंदिरा गांधी के नाम की जगह इस हवाई अड्डे का नाम गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर होना चाहिए, जिन्होंने देश के लिए शहादत दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नोएडा में बन रहे नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम भी गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर रखा जा सकता है। उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्र सरकार बंदी सिखों की रिहाई के बारे में जल्दी फैसला करे और गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर दिल्ली में विश्वविद्यालय स्थापित किया जाए।

आयोजन

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान अग्रसेन की प्रेरणा से अग्रवाल समाज ने हमेशा देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है।

नई दिल्ली में अग्र अलंकरण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

प्रात : किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन द्वारा नई दिल्ली में अग्र अलंकरण सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अग्रवाल समाज की 51 विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया। महामण्डलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित इस समारोह में भीलवाड़ा से सांसद दामोदर अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता सहित देश-विदेश से अग्रवाल समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान अग्रसेन की प्रेरणा से अग्रवाल समाज ने हमेशा देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में समाज के सामर्थ्यवान वर्ग का योगदान अहम होगा। उन्होंने कहा कि यह सम्मान समारोह न केवल समाज की गौरवशाली प्रतिभाओं का सम्मान है, बल्कि यह नई पीढ़ी को प्रेरणा प्रदान करता है। श्री बिरला ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो त्याग, समर्पण और सेवा की परंपरा स्थापित की, वही आज अग्रवाल समाज की पहचान और सम्मान का आधार है। हमें इस धरोहर को संभालते हुए अगली पीढ़ी को ऐसे संस्कार देने चाहिए कि जहां भी आपदा या संकट हो, हमारा हाथ सबसे पहले मदद के लिए बढ़े।

उन्होंने आगे कहा कि भगवान अग्रसेन जी ने सिखाया कि लक्ष्मी की कृपा का उपयोग समाज कल्याण के लिए होना चाहिए। हमें इसी भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। श्री बिरला ने यह भी कहा कि अग्रवाल समाज ने हमेशा भगवान अग्रसेन जी के विचारों से प्रेरणा लेकर देश के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका निभाई है। यह समाज न केवल समर्थ और सक्षम है, बल्कि इसमें अनेक अद्वितीय प्रतिभाएं भी हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से समाज और देश का गौरव बढ़ाया है। ओम बिरला ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल को मैं पिछले 40 वर्षों से जानता हूं। वे निरंतर समाज की प्रगति के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने वैश्य समाज को संगठित करने और समाज के लिए बहुत बड़ा काम किया है। आज का कार्यक्रम समाज के लिए उनकी निःस्वार्थ सेवा की एक झलक है। अपने आशीर्वचन में महामण्डलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि सम्मान व्यक्ति का नहीं परम्पराओं एवं कर्त्तव्यनिष्ठा का है। गीता में कहा गया है कि कर्तव्य के साथ जागरूक रहकर बिना परिणाम की चिंता किए, पूरी निष्ठा के साथ कर्म करना चाहिए। हमारा लक्ष्य अच्छा हो, भाव सच्चा हो और विश्वास पक्का हो। अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल ने कहा कि ह्यअग्र अलंकरण सम्मान समारोहह्ल न केवल समाज की उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित करने का अवसर है, बल्कि यह एकता और समर्पण के साथ समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प भी है। इसमें देश के अलावा विदेशों से भी विशिष्ट व्यक्ति अवॉर्ड लेने आए हैं। इससे न सिर्फ उन्हें आगे और भी अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी बल्कि, और भी लोग बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

आज हमने जिन स्पोर्ट्स से जुड़े जिन प्रतिभाओं को सम्मानित किया है उन्हें भारत सरकार ने भी पुरस्कार देने की घोषणा की है। श्री मित्तल ने संगठन के कार्यों एवं भावी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि संगठन समाज को एकता के सूत्र में पिरोकर समाज के उत्थान एवं सामाजिक कुप्रथाओं को दूर करने के लिए कार्य करती रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम को स्वच्छ बनाने में दें अपना योगदान: डा. बलप्रीत सिंह

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित सभी बड़े कचरा उत्पादकों अर्थात बीडब्ल्यूजी के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना अनिवार्य है। इसके तहत बीडब्ल्यूजी अपने परिसर में उत्पन्न कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी निभाएं। अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि नियम के तहत बीडब्ल्यूजी अपने यहां से निकलने वाले कचरे को गीले, सूखे व घरेलू हानिकारक श्रेणियों में अलग-अलग करें तथा अलग-अलग ही उसका निस्तारण सुनिश्चित करें। गीले कचरे से अपनी सुविधानुसार खाद या बायोगैस बनाएं तथा सूखा व हानिकारक कचरा संबंधित रिसायकलर्स के माध्यम से निस्तारित कराएं। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूजी कचरा प्रबंधन के लिए किसी भी एजेंसी की सहायता ले सकते हैं, बशर्ते वह एजेंसी ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 की पालना सुनिश्चित करती हो।

ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम द्वारा बीडब्ल्यूजी के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया हुआ है, जिस पर अभी तक 1049 बीडब्ल्यूजी अपना पंजीकरण करा चुके हैं। शेष बचे बीडब्ल्यूजी भी अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराएं। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गठित बीडब्ल्यूजी मॉनिटरिंग सेल के अधिकारी प्रतिदिन चारों जोन में बीडब्ल्यूजी के यहां दौरा करके जांच व निगरानी कर रहे हैं। इसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि बीडब्ल्यूजी ऑनलाईन पोर्टल पर पंजीकृत हो तथा नियमों की पालना सुनिश्चित करे। गैर-पंजीकृत तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले बीडब्ल्यूजी पर 25000 रुपए का जुर्माना लगाया जा रहा है। अतिरिक्त निगमायुक्त डा. बलप्रीत सिंह ने सभी बीडब्ल्यूजी को नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा समय पर पोर्टल पर पंजीकरण करने की हिदायत दी है। साथ ही सभी बीडब्ल्यूजी से आह्वान भी किया है कि वे पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता और जिम्मेदारी निभाने के लिए ठोस कचरा प्रबंधन नियमों की पालना करें।

नौकरी के लिए घर बुलाकर कोल्ड ड्रिंक में पिलाया नशीला पदार्थ, फिर दुष्कर्म कर बनाई वीडियो; विधवा ने सुनाई आपबीती

प्रातः किरण संवाददाता

यमुनानगर। हरियाणा के यमुनानगर में एक विधवा महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां विधवा महिला को नौकरी लगवाने का झांसा देकर ईश्वर सिंह नाम के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया है।

वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा आरोपित

इतना ही नहीं, आरोपित ने पीड़िता की अश्लील वीडियो भी बनाई है। आरोपित ने उसे खाने में नशीला पदार्थ दे दिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल में दाखिल करना पड़ा।

वहीं, अब पुलिस में शिकायत करने पर आरोपित वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की शिकायत पर शहर जगाधरी थाना पुलिस ने केस दर्ज किया।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस को दी शिकायत में 30 वर्षीय महिला ने बताया कि उसके दो बच्चे हैं। पति का बीमारी की वजह से निधन हो चुका है। वह छोटी-मोटी नौकरी कर बच्चों का पालन-पोषण कर रही है।

करीब छह माह पहले उसकी मुलाकात ग्रीन विहार कालोनी निवासी ईश्वर उर्फ लक्की से हुई थी। उसने नौकरी लगवाने का झांसा दिया। 14 अक्टूबर को उसने नौकरी की बात करने के लिए घर बुलाया।

कोल्ड ड्रिंक में मिलाया था नशीला पदार्थ

जब पीड़िता वहां पर गई, तो उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। जिसके पीते ही पीड़िता बेहोश हो गई। आरोपित ने बेहोशी का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

आरोपित ने इस दौरान अश्लील वीडियो भी बनाई। इसके बाद उसने दबाव बनाकर 31 दिसंबर को अपने घर पर पीड़िता को फिर से बुलाया और दुष्कर्म किया। वहीं, अब शिकायत करने पर अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दे रहा है।

छात्रा को ब्लैकमेल कर 5 साल तक दुष्कर्म करने का मामला

वहीं, एक दूसरे खबर की बात करें, तो हिसार में एक छात्रा ने अपने अध्यापक पर पांच साल तक ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। छात्रा के अनुसार उसका टीचर एक बार उसे बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया था। उस समय उसकी उम्र 17 साल थी।

आरोपित टीचर ने होटल में उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर इस दौरान की फोटो खींच ली और वीडियो बना ली। इसके बाद, आरोपित टीचर लगातार पांच सालों से उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता आ रहा है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहलवान की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम; कोहरे के कारण हुआ था हादसा

प्रातः किरण संवाददाता

सोहना। गुरुग्राम में सोहना-पलवल मार्ग स्थित सिलानी गांव के समीप घने कोहरे में रविवार रात सड़क पार कर रहे 19 वर्षीय पहलवान को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि युवक कुश्ती का पहलवान था और पलवल रोड पर स्थित एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा था। कोहरे के कारण जिले में तीन दिन में यह दूसरी मौत है।

पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। साथ ही वाहन चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खंड के सिलानी गांव निवासी विनोद ने पुलिस को बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे वह और उनके भतीजे विवेक खेत में फसल को पानी लगाकर पैदल घर लौट रहे थे।

घटना के बाद वाहन चालक हो गया फरार

सड़क पर घना कोहरा छाया हुआ था, इससे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इसी दौरान अचानक सड़क पार कर रहे विवेक को एक वाहन ने सीधी टक्कर मार दी थी। घटना के बाद वाहन चालक वाहन समेत फरार हो गया।

उपचार के दौरान युवक ने तोड़ दिया दम

कोहरा होने के कारण न तो वाहन का पता चल सका और न ही उसके नंबर दिखाई दिए। घायल विवेक को गंभीर हालत में गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल ले जाया गया। उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने विनोद की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अज्ञात वाहन को पहचानने में सीसीटीवी कैमरों की मदद ले रही है।

सीसीटीवी कैमरों से ली जा रही मदद

सोहना सदर थाना प्रभारी जगजीत सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक को पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जा रही है। चालक को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तीन दिन में दूसरी मौत, यातायात पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

शनिवार रात भी अज्ञात वाहन ने गुरुग्राम के सेक्टर 50 थाना क्षेत्र में वाटिका चौक अंडरपास में बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार विप्रो कंपनी में अकाउंटेंट की मौत हो गई थी। वह बादशाहपुर से बाइक से डीएलएफ फेस तीन जा रहा था। घने कोहरे को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी रविवार को वाहन चालकों की सुरक्षित यात्रा को लेकर एडवाइजरी जारी की है।

रातों-रात चल रहा बड़ा खेल, सच्चाई जान हर कोई हैरान

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का सेक्टर-78 है। यहां प्लॉटिंग हो चुकी है। लेकिन रातों-रात प्लॉटों की जगह से खनन कर मिट्टी चोरी हो रही है। पता चला है कि ग्रेटर फरीदाबाद में ही कहीं और चल रहे विकास कार्य में इस मिट्टी का प्रयोग हो रहा है, जबकि ठेकेदार को मिट्टी खरीदनी चाहिए थी।

इस करतूत की वजह से प्लाटधारक परेशान हैं। मामले की शिकायत हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी है। बता दें ऐसा ही हाल सेक्टर-77 का भी है। यहां प्लॉटों की जगह बने गहरे गड्ढों में अब टैंकरों से सीवर का पानी डाला जा रहा है।

जगह-जगह गंदे पानी के तालाब

इससे जगह-जगह गंदे पानी के तालाब दिखाई दे रहे हैं। इसका सीधा असर भूजल पर भी पड़ेगा। 10 से 20 फुट गड्ढे और अब इनमे सीवर का पानी भरा होने के बावजूद प्राधिकरण ने लोगों को प्लॉटों पर कब्जा लेने का ऑफर दिया है। इसे लेकर अब प्लॉट धारक हाई कोर्ट की शरण ले चुके हैं। इस मामले में अगली सुनवाई 29 जनवरी को है। प्राधिकरण के अधिकारी चोरी हुई मिट्टी की वजह से बने गड्ढों को भरवाने से भी पीछे हट रहे हैं। प्राधिकरण ने चार साल पहले सेक्टर-77 और 78 वाली साइट पर जहां 850 प्लॉट काटे थे, वहां अभी भी किसान खेती कर रहे हैं और गहरे गड्ढे हैं।

लगातार चोरी हो रही मिट्टी

आरडब्ल्यूए के प्रधान डा. आकाश तंवर ने बताया कि प्लॉटों की साइट से लगातार मिट्टी चोरी हो रही है। नियमानुसार यदि प्राधिकरण प्लॉट धारकों को तीन साल तक कब्जा नहीं दे पाता, तो प्लॉट धारकों को उनकी जमा की हुई रकम पर नौ प्रतिशत सालाना ब्याज देना होता है। इतना ही नहीं प्लॉट धारक बाकी किस्त देना भी बंद कर देगा। इस साइट पर प्राधिकरण को प्लॉट काटे तीन साल से अधिक हो गए, तो अधिकारियों ने आनन-फानन में ब्याज देने से बचने के लिए कब्जे का ऑफर कर दिया था। जबकि मौके पर कहीं गहरे गड्ढे हैं, तो कहीं खेती हो रही है। अब सेक्टर-78 में प्लॉट नंबर 544 से 561 तक की पाकेट में लगातार मिट्टी चोरी हो रही है।

उन्होंने शक जाहिर किया है कि यहां से मिट्टी उठाकर सेक्टर-80 में जा रही है। जहां प्राधिकरण का कुछ काम चल रहा है। यह काम देर रात किया जाता है।

प्राधिकरण के कनिष्ठ अभियंता आजाद सिंह का कहना है कि अधिकतर प्लाट पर कब्जा दिया जा चुका है। इसलिए प्लाट की रखवाली का काम प्लाट धारकों का है फिर भी इस मामले की शिकायत माइनिंग व बीपीटीपी थाने में दी जा चुकी है।

उर्जा संरक्षण के साथ ग्रामीण सशक्तिकरण का दिया संदेश

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस पर टाटा पावर-डीडीएल ने ग्रामीण समुदायों से जुड़कर उनके सशक्तिकरण का आह्वान किया। हाल ही में अपने विलेज कस्टमर ग्रुप यानी वीसीजी के साथ मिलकर बाहरी दिल्ली के तिगिपुर गांव में ग्रामीण उपभोक्ता बैठक का आयोजन किया और स्थानीय ग्रामीण उपभोक्ताओं के इस विषय में जानकारी प्रदान की। बैठक नरेला जिले के बख्तावरपुर, पल्ला, अकबरपुर माजरा, हिरनकी, कौशक, हामिदपुर, झिंगोला और तिगिपुर जैसे कई गांवों में हुई जिसमें लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर टाटा पावर डीडीएल के अधिकारी चीफ कमर्शियल सुश्री किरण गुप्ता,राहुल कुमार, प्रमुखझ्रस्पेशल कस्टमर ग्रुप के नेतृत्व में विलेज कस्टमर ग्रुप तथा कस्टमर काउंसलिंग ग्रुप, टाटा पावर-डीडीएल, सुश्री मनीषा वाधवा, प्रमुखझ्रएससीजी एवं वीसीजी, नितिन गोयल, डिस्ट्रिक्ट मैनेजर नरेला तथा टाटा पावर के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस मौके डिस्कॉम की नीतियों एवं योजनाओं के साथ उपभोक्ताओं की संतुष्टि बढ़ाने के बारे में जानकारी साझा किया।

इसके साथ ही विलेज कस्टमर मीट,ओपीडी हेल्थ चेक-अप, सोलर एनर्जी के विकल्प, उर्जा संरक्षण आदि से संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। टीपीडीडीएल के प्रवक्ता ने बताया कि 20 से ज्यादा लोगों ने सोलर एनर्जी में रुचि दिखायी जबकि 50 से अधिक छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में हिससा लिया। 186 ग्रामीणों को मोबाइल डिस्पेन्सरी का लाभ मिला और उपभोक्ताओं ने 300 से ज्यादा एलईडी प्रोडक्ट्स की खरीदारी की। ग्रामीणों ने टीम टाटा पावर-डीडीएल द्वारा स्थापित वीसीएम प्लेटफार्म स्थापित करने का स्वागत किया। इसके माध्यम से उनकी पूछताछ/समस्याओं का तत्काल निपटान करने में मदद मिलती है। गौरतलब है कि टाटा पावर-डीडीएल ने ग्रामीण समुदायों के साथ मेलजोल को मजबूत बनाने के इरादे से 2021 में विलेज कस्टर ग्रुप (वीसीजी) की स्थापना की थी। वीसीजी शहर के ग्रामीण एवं सेमी-अर्बन क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वसनीयता को बढ़ावा देने तथासस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस को और मजबूत बनाने, सीएसआर गतिविधियों को समर्थन देने के साथ-साथ उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि पर ध्यान देता है।

किरानाप्रो ने दिल्ली एनसीआर में क्रांतिकारी 10-मिनट की डिलीवरी शुरू की, जिससे लोगों के किराना सामान खरीदने का तरीका बदल गया

प्रातः किरण संवाददाता

तेजी से उभरते क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म किरानाप्रो ने दिल्ली एनसीआर में अपनी इनोवेटिव रिटेल बिजनेस वेबसाइट और ऐप लॉन्च की है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किरानाप्रो का विस्तार देश भर में पड़ोस के किराना स्टोर और सुपरमार्केट के माध्यम से तेजी से डिलीवरी सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। केवल 10 मिनट के भीतर आवश्यक वस्तुओं को वितरित करने के उद्देश्य से किरानाप्रो स्थानीय कॉमर्स को फिर से परिभाषित करने और उपभोक्ताओं के लिए खरीदारी के अनुभव को बढ़ाने के लिए तैयार है।

किरानाप्रो ने अपनी ऑपरेशन टीमों का विस्तार किया है और अपने टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाया है। यह अपनी ओएनडीसी-इनेबल्ड सेवाओं का विस्तार करने, नए शहरों में प्रवेश करने और अपने क्विक-कॉमर्स विजन को हकीकत बनाने के लिए रणनीतिक साझेदारी विकसित करने की योजना बना रहा है। रणनीतिक नियुक्तियों में निवेश और प्रोडक्ट एनहैंसमेंट को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने भारत के किराना स्टोर और सुपरमार्केट के लिए जाने-माने प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जिससे तेजी से डिलीवरी और एक सहज उपभोक्ता खरीदारी का अनुभव सुनिश्चित होता है। इससे पहले कंपनी ने प्री-सीड फंडिंग राउंड में 1.60 करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल की थी। प्री-सीड राउंड में टर्बोस्टार्ट, अनपॉपुलर वेंचर्स, ब्लूम फाउंडर्स फंड, स्नो लेपर्ड वेंचर्स और यतीश तलवाडिया (मिल्कबास्केट) और विकास तनेजा (बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप) जैसे प्रमुख एंजेल निवेशकों सहित शुरूआती चरण की उद्यम फर्मों से योगदान मिला। किरानाप्रो के विजन में उनका सामूहिक विश्वास इसके इनोवेटिव मॉडल की क्षमता और लोकल कॉमर्स को फिर से परिभाषित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

किरानाप्रो के सह-संस्थापक और सीईओ दीपक रवींद्रन ने कहा, दशकों से किराना स्टोर भारतीय ग्राहकों को आवश्यक सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं, लेकिन बदलते उपभोक्ता व्यवहार और तकनीकी प्रगति ने रिटेल इकोसिस्टम में किराना स्टोर की भूमिका पर नए सिरे से विचार करने की मांग की है। दिल्ली एनसीआर में किरानाप्रो के विस्तार के साथ हम पड़ोस के किराना स्टोर का एक नेटवर्क बनाने का सोचते हैं, जो उन्हें तेजी से प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में फलने-फूलने के लिए सशक्त बनाता है। यह इन वास्तविक व्यवसायों की सहायता करने के साथ-साथ भारत के क्विक-कॉमर्स इकोसिस्टम को नया रूप देने की हमारी क्षमता में हमारे विजन की ताकत को मान्य करता है।

किरानाप्रो के सह-संस्थापक और सीटीओ दीपांकर सरकार ने कहा, किरानाप्रो भारतीय रिटेल कारोबार की रीढ़- किराना स्टोर का समर्थन करने के लिए समर्पित है। हम पारंपरिक किराना इकोसिस्टम को पुनर्जीवित करने और इन स्टोरों को रिटेल परिदृश्य में अपना स्थान फिर से प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक आंदोलन शुरू कर रहे हैं। किरानाप्रो में हमारा मिशन देश भर में किराना स्टोरों के लिए एक विश्वसनीय भागीदार बनना है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाजार में विस्तार कर हमारा लक्ष्य पड़ोस के कारोबारों को प्रतिस्पर्धा के लिए एक स्थायी तरीका प्रदान करके आज के डिजिटल कॉमर्स लैंडस्केप में पनपने के लिए सशक्त बनाना है। अपनी शुरूआत से ही किरानाप्रो ने स्टोर मालिकों और उपभोक्ताओं दोनों के साथ भावनात्मक संबंध- आशा, विश्वास और विश्वसनीयता- बनाने को प्राथमिकता दी है। ऐप का इनोवेटिव रेवेन्यू मॉडल डेली रेट्स और प्रति-लीड फीस के बीच एक लचीला विकल्प प्रदान करता है। अल्ट्रा-फास्ट दस मिनट की डिलीवरी के लिए सुपरमार्केट में समर्पित काउंटर स्थापित कर किरानाप्रो स्थानीय व्यवसायों को प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाता है। दीपक रवींद्रन और दीपांकर सरकार द्वारा स्थापित, किरानाप्रो एक भारत-आधारित त्वरित वाणिज्य मंच है जो अत्याधुनिक तकनीक के साथ स्थानीय किराना स्टोर और सुपरमार्केट को सशक्त बनाने पर केंद्रित है।

हिसार में टीचर पर छात्रा को ब्लैकमेल कर लगातार 5 साल तक दुष्कर्म करने का आरोप

हिसार। हिसार से दुष्कर्म का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक छात्रा ने अपने अध्यापक पर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। छात्रा ने अपने ही अध्यापक पर उसे ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

अध्यापक पर ब्लैकमेल कर 5 साल तक दुष्कर्म करने का आरोप

छात्रा का आरोप है कि आरोपित अध्यापक पिछले पांच साल से फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर उसका शारीरिक शोषण कर रहा है। छात्रा ने पुलिस को बताया कि अध्यापक बहुत पहले उसे बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया था। उस समय उसकी उम्र 17 साल थी। आरोपित अध्यापक ने होटल में उससे संबंध बनाए और अश्लील फोटो खींच ली व वीडियो बना ली। अध्यापक आनंद उसे पांच साल ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुरुक्षेत्र में किशोरी के साथ दुष्कर्म का प्रयास

वहीं, एक दूसरे खबर की बात करें तो कुरुक्षेत्र के पूंडरी में एक गांव में शनिवार देर सायं दुकान से सामान लेकर लौट रही किशोरी से युवक ने दुष्कर्म का प्रयास किया। किशोरी ने विरोध किया तो युवक ने चाकू से हमला कर दिया। इससे किशोरी घायल हो गई। उसे कैथल के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने रविवार को युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपित युवक और उसका पिता फरार हैं। दुकान से सामान लेकर लौट रही थी किशोरी शनिवार देर सायं 16 वर्षीय किशोरी दुकान से लौट रही थी तो रास्ते में गांव का शिवम उसके साथ जबरदस्ती करने लगा। जब किशोरी ने विरोध किया तो युवक ने उस पर चाकू से पीठ पर वार कर दिया। इस हमले में युवती को चोटिल हो गई, जिसका कैथल के नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में पूंडरी थाना के इंस्पेक्टर बलबीर सिंह का कहना है कि सूचना मिलने पर दुर्गा शक्ति की टीम गांव में पहुंची थी। उस समय तक आरोपित युवक फरार हो चुका था। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। गांव से आरोपित युवक व उसका पिता दोनों फरार हैं। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है।

ऑनलाइन गेम के कर्ज से निकलने के लिए किडनैपिंग

सिरसा। गुरुग्राम से युवक का अपहरण कर सिरसा के होटल में रखने के मामले में गिरफ्तार दो आरोपितों फतेहाबाद निवासी रवि कुमार और दिल्ली के रोहिणी निवासी रोहित मदान का रिमांड खत्म होने के बाद शहर थाना पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हे जेल भिजवा दिया गया है। वहीं, जांच टीम ने उक्त मामले में गिरफ्तार तीसरे आरोपित दिल्ली निवासी राकेश को दो दिन के रिमांड पर लिया है। पूछताछ में मिले नए सुराग इस घटना में अपहरण की प्लानिंग बनाने वाले मुख्य आरोपित दिल्ली के रोहिणी निवासी सन्नी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दिल्ली रवाना हो चुकी है। शहर थाना प्रभारी सत्यवान के अनुसार पुलिस चारों आरोपितों की आपराधिक पृष्ठभूमि खोजने में जुटी है।

अवैध मलबा डालने वालों पर निगम का बड़ा एक्शन, 40 वाहनों को जब्त कर 14 पर दर्ज किया मामला

गुरुग्राम। सफाई व्यवस्था को लेकर निगम ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। निगम अधिकारी ने सफाई व्यवस्था, सीएंडडी वेस्ट, कचरा निस्तारण व बीडब्लयूजी की भूमिका सहित अन्य मामलों पर निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने बताया कि सीएंडडी की अवैध डंपिंग को रोकने के लिए निगम द्वारा सेनिटेशन सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया हुआ है, जो 24 घंटे सातों दिन क्षेत्र में निगरानी कर रही है। फोर्स द्वारा पिछले दो माह में 142 चालान किए गए हैं तथा 40 वाहनों को जब्त करने के साथ ही 14 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। निगम द्वारा 55 सीएंडडी बल्क वेस्ट जनरेटरों की पहचान करके उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं तथा बसई प्लांट की क्षमता 1000 टन प्रतिदिन करने की प्रक्रिया चल रही है।

निर्माण एवं तोडफोड़ गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले मलबे को लेकर बताया गया कि निगम क्षेत्र में प्रतिदिन 1000 से 1200 मिट्रिक टन मलबा उत्पन्न होता है तथा लगभग 11 लाख मिट्रिक लीगेसी मलबा विभिन्न स्थानों पर पड़ा हुआ है। नगर निगम गुरुग्राम के पास बसई में सीएंडडी वेस्ट निस्तारण प्लांट लगा हुआ है। इसके अलावा, 3 अन्य स्थानों पर सीएंडडी वेस्ट निस्तारण प्लांट लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बता दे कि निगम क्षेत्र में लगभग 1200 टन कचरा प्रतिदिन उत्पन्न होता है, जिसे घर-घर से एकत्रित करने, बंधवाड़ी प्लांट तक उसका परिवहन करने तथा प्लांट में कचरा निस्तारण के लिए अगस्त 2017 में इकोग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के साथ एग्रीमेंट किया गया था। एजेंसी का कार्य संतोषजनक ना पाए जाने पर जून 2024 में कंपनी को टर्मिनेशन नोटिस जारी किया गया।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा सडकों की सफाई के लिए मैकेनाइज्ड स्वीपिंग मशीनों के अलावा सफाई कर्मचारी भी लगाए हुए हैं तथा घर-घर से कचरा एकत्रित करने के लिए फर्म की सेवाएं ली जा रही हैं। इसके साथ सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों से कचरा उठाकर बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट में भिजवाया जाता है। प्लांट में अब तक 34.22 लाख मीट्रिक लीगेसी कचरे का निस्तारण किया जा चुका है तथा 14 लाख मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

नगर निगम गुरुग्राम द्वारा कचरा प्रबंधन के लिए एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के साथ समझौता किया गया है, जो कचरे से चारकोल बनाने का प्लांट स्थापित करेगी। इसके अलावा, 2 जटायु मशीन क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने में लगी हुई हैं। गार्बेज वर्नेबल प्वाइंटों पर गार्बेज ट्रॉली तथा डस्टबिन रखवाए गए हैं, ताकि जमीन पर कचरा ना फैले। पॉलीथीन मुक्त गुरुग्राम अभियान की दिशा में और आगे बढ़ते हुए 10 स्थानों पर क्लॉथ बैग वेंडिंग मशीन लगाई गई हैं। इसके अलावा, बेहतर स्वच्छ वार्ड प्रोत्साहन योजना भी शुरू की हुई है, जिसमें प्रथम वार्ड में एक करोड़ रूपए और द्वितीय वार्ड में 50 लाख रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य कराने की घोषणा है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

मोटी तोंद वाले पुलिसकर्मियों के लिए आई स्पेशल स्कीम, 10 दिन में ऐसे होगी पहचान

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने थानों में तैनात मोटे पुलिसकर्मियों को फिट करने के लिए एक विशेष योजना शुरू की है। इसके तहत 10 दिनों में मोटे पुलिसकर्मियों की पहचान की जाएगी और फिर उन्हें 40 दिनों के लिए एक विशेष फिटनेस प्लान पर रखा जाएगा। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने इसको लेकर डीसीपी हेडक्वार्टर को निर्देशित किया है।

पुलिसकर्मियों की शारीरिक फिटनेस पर होगा जोर

कई थानों में मोटे पुलिसकर्मी तैनात होने से न केवल कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि पुलिस की छवि भी प्रभावित होती है। यह एक गंभीर मुद्दा है। पुलिसकर्मियों की शारीरिक फिटनेस और स्वास्थ्य उनके काम की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को सीधे प्रभावित करते हैं।

मोटापे से ग्रस्त पुलिसकर्मी अपने काम में कम प्रभावी हो सकते हैं, जिससे अपराधियों को पकड़ने में परेशानी हो सकती है और पुलिस की छवि भी प्रभावित हो सकती है। पिछले साल भी थानों में तैनात मोटे पुलिसकर्मियों को चिह्नित करने की राज्य स्तर पर इस योजना के लिए पहल शुरू की गई थी, लेकिन यह सिरे नहीं चढ़ सकी।

इक्का-दुक्का पुलिसकर्मी ही फिट होने के लिए सिविल लाइन भेजे गए। इस साल की शुरूआत में ही पुलिस आयुक्त ने इसके लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत सिविल लाइन में पुलिसकर्मियों को सुबह-सुबह नियमित तौर पर फिटनेस प्लान के तहत दिनचर्या कराई जाएगी। योग, जिम, दौड़ आदि कराकर सभी को शारीरिक रूप से फिट किया जाएगा।

कामकाज हो सकता है प्रभावित

मोटापे से ग्रस्त पुलिसकर्मी शारीरिक रूप से कम सक्षम हो सकते हैं, जिससे उन्हें अपराधियों का पीछा करने या उन्हें पकड़ने में परेशानी हो सकती है। जल्दी से प्रतिक्रिया करने में भी असमर्थ हो सकते हैं, जिससे अपराधियों को भागने का मौका मिल सकता है।

मोटे पुलिसकर्मी पुलिस विभाग की सार्वजनिक छवि को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे लोगों का पुलिस में विश्वास कम हो सकता है।

मोटापे के कारण कई प्रकार की बीमारिया

मोटापा कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। मोटापा मधुमेह का एक प्रमुख कारक है। मोटे लोगों में मधुमेह का खतरा अधिक होता है। उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्राल, हृदय रोग, स्ट्रोक भी हो सकता है।

इन बीमारियों से बचने के लिए महत्वपूर्ण है कि एक स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने कहा कि हम योजना के तहत पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य और फिटनेस में सुधार करेंगे।

हरियाणा में कभी भी हो सकती है शहरी निकाय चुनाव की घोषणा

प्रातः किरण संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर सोमवार को मतदाता सूचियां फाइनल हो जाएंगी। जिन शहरी निकायों में चुनाव होने हैं, वहां के जिला उपायुक्तों की ओर से सोमवार को मतदाता सूचियों का फाइनल प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूचियों का प्रकाशन होने के बाद राज्य में चुनाव आयुक्त धनपत सिंह किसी भी समय चुनाव कार्यक्रम घोषित कर सकते हैं।

राज्य में निकाय चुनाव दो चरणों में होंगे। रविवार को अवकाश के बावजूद जिला निर्वाचन अधिकारी व कर्मचारी मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन करने की तैयारियों में जुटे रहे। माना जा रहा है कि इसी सप्ताह राज्य में चुनाव की घोषणा हो सकती है।

राज्य सरकार की ओर से सभी शहरी निकायों में मेयर और अध्यक्षों के साथ वार्डों के आरक्षण की घोषणा की जा चुकी है। राज्य निर्वाचन आयोग को चार फरवरी से पहले-पहले प्रथम चरण का चुनाव कराना था, लेकिन मतदाता सूचियों के प्रकाशन में देरी के चलते चुनाव आयोग की ओर से हाई कोर्ट में कुछ समय और मांगा गया है।

34 स्थानीय निकायों में होंगे चुनाव

प्रदेश में कुल 34 स्थानीय निकायों में चुनाव होने हैं। 24 निकायों में चुनाव पहले चरण में करवाए जाएंगे। राज्य चुनाव आयोग ने पांच नगर निगमों, तीन नगर परिषदों और 26 नगर पालिकाओं में मतदाता सूचियों को छह जनवरी तक फाइनल करने के निर्देश जारी कर रखे हैं।

प्रदेश में कुल 11 नगर निगम हैं, जिनमें फरीदाबाद नगर निगम का कार्यकाल फरवरी 2022, गुरुग्राम नगर निगम का कार्यकाल नवंबर 2022 में खत्म हो चुका है, जबकि करनाल, पानीपत, रोहतक, यमुनानगर और हिसार नगर निगम का कार्यकाल इस साल जनवरी में खत्म हो चुका है।

निगम गठित होने के बाद अभी तक मानेसर में नहीं हुए चुनाव

मानेसर निगम गठित होने के बाद अभी तक चुनाव ही नहीं हुए। इसी तरह सोनीपत और अंबाला के मेयर विधानसभा के लिए निर्वाचित होने के कारण दोनों नगर निगमों में मेयर का पद खाली है। पहले चरण में अंबाला, फरीदाबाद, गुरुग्राम, मानेसर और सोनीपत नगर निगम के चुनाव कराए जाएंगे। 17 दिसंबर को मतदाता सूची का प्रारंभिक ड्राफ्ट जारी करने के बाद लोगों से मतदाता सूची में अपना नाम, पता, फोटो आदि संशोधन करवाने, नए वोट बनवाने तथा कटवाने के लिए 23 दिसंबर तक आवेदन मांगे गए थे। 27 दिसंबर तक दावे और आपत्तियों का निपटारा किया जा चुका है।

मतदाताओं को जिला उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अंतिम दावे के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था। प्रदेश से आई अंतिम आपत्तियों का भी तीन जनवरी को निपटारा कर दिया गया है।

भाजपा का डॉ.आम्बेडकर के बाद महिलाओं पर हमला

अगर लगा कि बिधूड़ी की प्रियंका गांधी के खिलाफ इस निम्नतम स्तर की टिप्पणी से भाजपा कालकाजी में मुकाबले से बाहर हो जाएगी तो उनकी उम्मीदवारी छीनी भी जा सकती है। अभी तक माना जा रहा था कि कालकाजी में मुकाबला ओपन है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार मुख्यमंत्री हैं। इसलिए टक्कर उन्हीं से होगी। लेकिन किस की होगी भाजपा की या कांग्रेस की यह संशय था। दिल्ली का विधानसभा चुनाव किस घटिया स्तर पर जाएगा यह भाजपा के कालका जी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रमेश बिधुड़ी ने बता दिया। शनिवार को टिकट मिलते ही उन्होंने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी पर जो शर्मनाक टिप्पणी की वह बता रही है कि इस चुनाव में फिर भाजपा रामजादे हरामजादे और गोली मारो सालों को, के स्तर पर ले जा रही है। भाजपा उपयोग करती है मगर फिर फेंक देती है। संसद में अपशब्द कहने वाले रमेश बिधूड़ी की टिकट लोकसभा में काट दी थी, अब दिल्ली विधानसभा में दी है। ऐसे ही सोनिया गांधी माफी मांगों कहने वाली स्मृति ईरानी आज कहीं नहीं दिखतीं। चुनाव हारना कोई वजह नहीं होती। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी विधानसभा चुनाव हारे थे मगर भाजपा ने फिर भी मुख्यमंत्री बनाया। मगर स्मृति ईरानी जो दस साल तक लगातार नंबर टू नंबर थ्री कभी-कभी तो नंबर एक जैसा व्यवहार करने वाली मंत्री रहीं आज कहीं नहीं हैं। बहुत सारे नाम हैं। उमा भारती, विनय कटियार और इनकी क्या बात करें भाजपा संगठन के सबसे बड़े नेता आडवानी को एक मिनट में किनारे कर दिया गया था। मुरली मनोहर जोशी, तोगड़िया बहुत सारे नाम हैं। तो अगर लगा कि बिधूड़ी की प्रियंका गांधी के खिलाफ इस निम्नतम स्तर की टिप्पणी से भाजपा कालकाजी में मुकाबले से बाहर हो जाएगी तो उनकी उम्मीदवारी छीनी भी जा सकती है। अभी तक माना जा रहा था कि कालकाजी में मुकाबला ओपन है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार मुख्यमंत्री हैं। इसलिए टक्कर उन्हीं से होगी। लेकिन किस की होगी भाजपा की या कांग्रेस की यह संशय था। मगर अब वहां भाजपा ने जिस को टिकट दिया और अगर चुनाव तक वहीं रहा तो निश्चित रूप से ही कांग्रेस की उम्मीदवार अलका लांबा जो वहां से चुनाव लड़ने से बचना चाह रही थीं उनका फायदा हो जाएगा। भाजपा अपने आप तीसरे नंबर पर और अगर कोई और निर्दलीय या किसी और पार्टी से कोई बड़ा चेहरा आ या तो फिर और नीचे चली जाएगी। जहां से दो महिलाएं चुनाव लड़ रही हों वहां एक राष्ट्रीय महिला नेता पर इस तरह की शर्मनाक टिप्पणी करने के बाद भाजपा कुल वोटों के आधे वोटों, महिला वोटों से तो वैसे ही वंचित रह जाएगी। महिलाएं ऐसे आदमी को कैसे वोट दे सकती हैं जो महिलाओं पर ऐसी घटिया टिप्पणी करे। और यह असर केवल कालकाजी विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर इसका असर होगा। संभव है भाजपा रमेश बिधूड़ी की वहां से उम्मीदवारी वापस ले ले और किसी महिला को वहां से टिकट दे दे। जो भी हो रमेश बिधूड़ी की राजनीति यहां से खत्म हो जाएगी। लोकसभा में गालियां देने के बाद दुनिया भर में उन्होंने भारत की संसदीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा धूमिल कर दी थी। नतीजा भाजपा को उनका लोकसभा का टिकट काटना पड़ा। लोकसभा हारने वाले को तो विधानसभा का टिकट दिया जाता है मगर लोकसभा का टिकट गलत व्यवहार के कारण काटने वाले को विधानसभा का नहीं। भाजपा लोकनिंदा से तो डरती है। मगर अंदर खाने ऐसे लोगों को बढ़ावा देती है। इसलिए विधानसभा दे दिया। लेकिन टिकट मिलने वाले दिन ही बिधूड़ी ने फिर गुल खिला दिया। भाजपा के नेताओं को इस बात का भी डर लगता है कि दूसरी पार्टियों की महिला नेता के बारे में टिप्पणी करने की कभी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। कोई वहां से उनके यहां के मामलों पर भी टिप्पणी कर सकता है। अभी 2024 लोकसभा चुनाव के पहले तक मोदीजी और पार्टी की स्थिति मजबूत थी। अगर कोई कुछ कहता तो उसका असर नहीं होता। व्यक्ति और पार्टी जब शिखर पर होते हैं। चढ़ता सूरज होते हैं तो आलोचनाएं चिपकती नहीं हैं। उलटे बूमरेंग कर जाती हैं। मणिशंकर अय्यर को सस्पेंड होना पड़ा था। मगर अब 240 पर रुकने के बाद मोदी जी और बीजेपी की वह आलोचनाओं से परे स्थिति नहीं है। अब अगर सवाल होंगे तो वह जवाब मांगेंगे। इसलिए बहुत संभव है कि विधानसभा लड़ने हारने से पहले ही बिधूड़ी की राजनीति खत्म हो जाए।

पत्रकार की हत्या से उठते सवाल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में कार्यरत पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की नृशंस हत्या से एक ओर तो राज्य सहित पूरा देश स्तब्ध है, तो वहीं इस घटना ने फिर से साबित कर दिया है कि भारत में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा हो गया है। अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज-बीन शुरू की। समझा जाता है कि उन्हें बीजापुर के ही एक बड़े ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर के परिवार के किसी सदस्य का उन्हें फोन आया था जो मुकेश से मिलने के इच्छुक थे। कुछ ही दिन पहले मुकेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर सुरेश चन्द्राकर द्वारा बनवाई जा रही मिरतूर-गंगालूर सड़क में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विस्फोटक खबर चलाई थी। अनुमान लग रहे हैं कि इसके चलते मुकेश की हत्या की गयी है। उनका शव 3 जनवरी की शाम को चन्द्राकर के परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट के नीचे सेप्टिक टैंक में मिला। यह भी बताया जाता है कि पुलिस इस टैंक को तोड़ने के पक्ष में नहीं थी लेकिन अन्य पत्रकारों के जोर देने पर उसे तोड़ा गया। इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दुनिया भर में लड़ाइयों, गृह युद्धों, आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में पत्रकार अपना उत्तरदायित्व निभाते हुए प्राण गंवाते हैं। वैसे ही अब भारत में पूंजीपतियों व कारोबारियों के खिलाफ लिखना भी खतरनाक हो गया है। यदि ऐसे धन्ना सेठों का गठजोड़ राजनेताओं से, विशेषकर सत्ता पक्ष से है तो समझिये कि उनके खिलाफ या उनके व्यवसायिक हितों पर चोट करने वाली कोई भी खबर लिखनी या दिखानी खुद को संकट में डालने जैसा हो गया है। हाल के वर्षों में एक तरह से व्यवसायियों और नेताओं के बीच अघोषित सी संधि बनी हुई है जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष परस्पर हितों का संरक्षण करते हैं। कारोबारी सियासतदानों को चुनाव के वक्त और जरूरी मौकों पर आर्थिक मदद देते हैं। इसके बदले में नेता यदि सत्ता में हों तो उनके व्यापार को संरक्षण देने और उनके मार्ग में आने वाले अवरोधों को खत्म करने का काम करते हैं विपक्ष में रहकर भी राजनीतिक व्यक्ति व दल अन्य तरीकों से उनकी मदद करते हैं। इनमें प्रमुख तो यही है कि विरोधी दल उन्हें बख्श दें। यानी उनके कामों पर उंगलियां न उठायें। बहरहाल, नये भारत में, यानी 2014 के बाद से सत्ता पक्ष और अखबारनवीसी के रिश्ते भी बदले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से संवाद के तरीकों में कुछ ऐसा परिवर्तन किया है कि उसमें मीडिया को अनिवार्यतः सत्ता पक्ष का एक तरह से सक्रिय सहयोगी बना दिया गया है। यहां सत्ताधारी दल से तात्पर्य भारतीय जनता पार्टी से है। उसने प्रकारान्तर से मीडिया पर पूर्णतः अधिकार सा कर लिया है। मीडिया सत्ता ही नहीं, भाजपा की भाषा बोलने में भी पारंगत हो गया है। सरकार के नजदीकी व्यवसाय समूहों ने मीडिया को खरीदकर खुद और सत्ता की सेवा के काम में लगा रखा है। स्वाभाविक है कि इसका उद्देश्य विरोध के स्वर को खत्म करना है, फिर चाहे वह सरकार का विरोध हो या फिर कारोबारियों का। मुख्यधारा का मीडिया आज ज्यादातर इन दो समूहों के एजेंडे को पूरा करने में व्यस्त है- सरकार व सत्ता पक्ष के राजनीतिक एजेंडे तथा कारोबारियों के व्यवसायिक हितों को संरक्षित और संवर्धित करने के। पूरी दुनिया की ही तरह भारत में एक समांतर मीडिया भी खड़ा हो गया है जो किसी के एजेंडे को चलाने या उस पर चलने के बजाये स्वतंत्र चेतना व विवेक रखता है, लेकिन उसे एक बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। फिर वह कोई समूह हो या पत्रकार। मुकेश पत्रकारिता की उसी धारा के तहत काम करते थे। कुछ मीडिया समूहों में काम करने के बाद उन्होंने अपना स्वतंत्र प्लेटफॉर्म बनाया तथा बस्तर के बुनियादी मुद्दों से वे जूझ रहे थे। माओवाद की भीतरी कंदराओं से लेकर विकास के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार, कारोबारियों को बचाने वाले तत्वों तथा ऐसा हर वह मसला उनकी पत्रकारिता का विषय था जिसका सरोकार आमजन से है।

सुधार के बावजूद संकटों से घिरा भारतीय विमानन क्षेत्र

विमानन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिये सरकार को विमानन नीति में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है। विमानन क्षेत्र में दीर्घकालीन ढाँचागत सुधार किये बिना कुछ हासिल नहीं हो सकता। इसके लिये सरकार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, बैंकों और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा ऐसे कदम उठाना आवश्यक है जिनसे विमानन कंपनियाँ घाटे के दुष्चक्र से बाहर निकल सकें। उड़ान योजना ने सब्सिडी और प्रोत्साहन के माध्यम से क्षेत्रीय हवाई यात्रा को सुलभ बनाया। बार-बार होने वाली विमानन सुरक्षा घटनाओं की चुनौतियों में रनवे भ्रम सबसे पहले है। पायलटों को अक्सर टैक्सीवे और रनवे के बीच अंतर करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे गलत सतहों पर टेकऑफ या लैंडिंग होती है।

प्रियंका सौरभ
(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार)

भारत का विमानन क्षेत्र, जो वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के तहत एक मजबूत नियामक ढांचे के बावजूद, कोझीकोड (2020) में एयर इंडिया एक्सप्रेस दुर्घटना जैसी बार-बार होने वाली घटनाएँ विमानन सुरक्षा में प्रणालीगत चुनौतियों को उजागर करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने और यात्रियों का भरोसा सुनिश्चित करने के लिए इन मुद्दों पर विचार करना महत्त्वपूर्ण है। चिंतनीय स्थिति यह है कि अभी चाहे इंडिगो, स्पाइसजेट और गोएयर जैसी प्राइवेट कंपनियाँ हों या एयर इंडिया जैसी सरकारी कंपनी, लगभग सभी एयरलाइंस वित्तीय मोर्चे पर लगातार संघर्ष कर रही हैं। बोइंग 737 मैक्स विमानों को परिचालन से हटा दिये जाने के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। भारतीय विमानन बाजार में विमान किराए तेजी से बढ़ रहे हैं। इस कारण मध्यम वर्ग के यात्री जो इकोनॉमी क्लास में यात्रा करते थे, वे अब ट्रेन से यात्रा को तरजीह दे रहे हैं। भारत का विमानन बाजार वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले बाजारों में से एक है, जिसमें हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ रही है और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है। दिल्ली के टर्मिनल 3 और बैंगलोर के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसे आधुनिक हवाई अड्डों का निर्माण मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास को दशार्ता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ऑपरेटरों और विमानों के लिए सुरक्षा अनुपालन और प्रमाणन सुनिश्चित करता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट एयरलाइनों और हवाई अड्डों के परिचालन मानकों का मूल्यांकन करती है। भारत अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन अनुलग्नक 13 पर हस्ताक्षरकर्ता है, जो दुर्घटनाओं की जांच और वैश्विक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करता है। कोझिकोड दुर्घटना (2020) के बाद, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन-अनुरूप सुरक्षा ऑडिट किया और सुधारात्मक दिशा-निर्देश जारी किए। प्रमुख भारतीय वाहकों ने सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं वाले आधुनिक विमानों को अपनाते हुए अपने बेड़े का विस्तार किया है। इंडिगो एयरलाइंस एयरबस ए320नियो का संचालन करती है, जो ईंधन दक्षता और सुरक्षा उन्नयन के लिए जानी जाती है। 2016 की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति विकास, क्षेत्रीय संपर्क और विमानन बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उड़ान योजना ने सब्सिडी और प्रोत्साहन के माध्यम से क्षेत्रीय हवाई यात्रा को सुलभ बनाया। बार-बार होने वाली विमानन सुरक्षा घटनाओं की चुनौतियों में रनवे भ्रम सबसे पहले है। पायलटों को अक्सर टैक्सीवे और रनवे के बीच अंतर करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे गलत सतहों पर टेकऑफ या लैंडिंग होती है। मोपा घटना (2024) और सुलूर एयर बेस घटना (1993) बार-बार होने वाले रनवे भ्रम को उजागर करती हैं। उड़ान और ड्यूटी समय विनियमों के अपर्याप्त कार्यान्वयन से चालक दल थक जाता है, जिससे निर्णय लेने और परिचालन सुरक्षा से समझौता होता है। कोझिकोड दुर्घटना में पायलट थका हुआ था, जिसके कारण कैप्टन पर बाद की उड़ानों को संचालित करने का दबाव था। एयरलाइंस रनवे मार्किंग और एप्रोच प्रोटोकॉल पर पर्याप्त पायलट प्रशिक्षण प्रदान करने में विफल रही, जिसके कारण बार-बार गलतियाँ हुईं। स्पाइसजेट विमान (2020) को रनवे एप्रोच तकनीकों के अनुचित ज्ञान के कारण कठिन लैंडिंग का सामना करना पड़ा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के ऑडिट अक्सर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे और संचालन में महत्त्वपूर्ण सुरक्षा अंतराल की पहचान करने या उन्हें सम्बोधित करने में विफल रहते हैं। मुंबई (2019) और हुबली (2015) जैसे हवाई अड्डों पर ओवररन अपर्याप्त सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप हुए। ऑन-टाइम परफॉरमेंस पर अत्यधिक जोर पायलटों को सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी करते हुए जोखिम भरे निर्णय लेने के लिए मजबूर करता है। मंगलुरु दुर्घटना (2010) दबाव के कारण हुई, जिसमें पायलट ने गो-अराउंड चेतावनियों को खारिज कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ सरेखित करने के लिए व्यापक सुधार पायलट प्रशिक्षण में वृद्धि, एयरलाइंस को रनवे भ्रम और स्थिर दृष्टिकोण जैसे परिदृश्यों के लिए सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण में सुधार करना चाहिए। सिंगापुर एयरलाइंस ने ताइवान दुर्घटना (2000) के बाद पायलट प्रशिक्षण को संशोधित किया, ताकि इसी तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। चालक दल की ड्यूटी सीमा के लिए वैश्विक मानकों को लागू करें और बिना किसी समझौते के अनुपालन को लागू करें। यू.एस. संघीय उड्डयन प्रशासन ने उड़ान चालक दल के लिए सख्त विश्राम अवधि अनिवार्य की है, जिससे थकान से होने वाली गलतियाँ कम होती हैं। पारदर्शिता और सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दुर्घटना की जाँच के लिए एक स्वतंत्र निकाय की स्थापना करें। यू.एस. में राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड विमानन घटनाओं की निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित करता है। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठनमानकों को पूरा करने के लिए रनवे मार्किंग, नेविगेशन एड्स और लाइटिंग सिस्टम सहित हवाई अड्डे के बुनियादी ढाँचे को अपग्रेड करें। सिंगापुर और दुबई में आधुनिक हवाई अड्डे (इंजीनियर्ड मैटेरियल अरेस्टिंग सिस्टम) जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। पायलटों को दोष देने से हटकर न्यायपूर्ण संस्कृति को बढ़ावा देना, प्रतिशोध के डर के बिना त्रुटि रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन की वैश्विक विमानन सुरक्षा योजना एक प्रमुख प्राथमिकता के रूप में सुरक्षा संस्कृति पर जोर देती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विमानन सुरक्षा वैश्विक मानकों के अनुरूप हो, भारत को एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, नियामक निरीक्षण को बढ़ाना, उन्नत तकनीक में निवेश करना और कौशल विकास को प्राथमिकता देना, घटना रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत करना, सुरक्षा-प्रथम संस्कृति का निर्माण करना और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करना इस क्षेत्र को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगा, यात्रियों का विश्वास, परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करेगा और वैश्विक विमानन सुरक्षा मानकों में भारत का नेतृत्व सुनिश्चित करेगा।

नेताओं का सॉफ्ट टारगेट क्यों होती हैं महिलाएं?

भाजपा तो छोड़िये, भाजपा को बनाने वाला राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पिछले सौ साल में एक भी महिला को संघ का सर संघ चालक नहीं बना पाया, क्योंकि भाजपा की सनातन सियासी संस्कृति में -नारी सर्वत्र वर्जते सिखाया जाता है। मनु स्मृति की शिक्षा -यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ।यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः रमेश बिधूडियों को नहीं दी जाती। ये सिर्फ एक नारा है जो मंचों से लगाया जाता है। अन्यथा सभी दल और सभी दलों के नेता नारी को द्रोपदी समझते है। सभी में द्रोपदी के चीरहरण की होड़ लगी है।

राकेश अचल
(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)

दुनिया की राजनीति में महिलाएं ही सॉफ्ट टारगेट क्यों होती हैं? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर कोई दे नहीं पाया है, यहां तक कि खुद महिलाएं भी। महिलाएं नेताओं की बदजुबानी का रोज शिकार बनतीं हैं लेकिन वे इसका प्रतिरोध नहीं कर पातीं क्योंकि महिलाएं भी एकजुट नहीं हैं। उनका इस्तेमाल शो पीस से ज्यादा नहीं है। इस मामले में भारत के तमाम राजनीतिक दल एक से बढ़कर एक हैं। आजकल देश की सबसे ज्यादा संस्कारवान पार्टी महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने में सबसे आगे हैं। महिलाओं के सम्मान और अपमान के बारे में सभी राजनीतिक दल समाजवादी हैं, यानि उनकी धारणा लगभग एक जैसी है। जो बात बरसों पहले आरजेडी के लालू प्रसाद यादव ने कही थी वो ही बात आज भाजपा के महाभद्र नेता रमेश बिधूड़ी ने कही है, इसलिए मुझे न कोई हैरानी हुई और न रंज। लालू प्रसाद यादव ने पटना की सड़कों को भाजपा सांसद और स्वप्न सुंदरी रह चुकी हेमामालिनी के गालों जैसा बनाने की बात कही थी। रमेश बिधूड़ी ने इसी काम के लिए प्रियंका वाड्रा का इस्तेमाल किया है। बिधूड़ी ने कहा कि यदि भाजपा दिल्ली विधानसभा के चुनावों में सत्ता में आयी तो काका जी की सड़कों को प्रियंका के गलों जैसा खूबसूरत बना देगी। अब ये बात अलग है कि क्या नौ मन तेल होगा और क्या राधा नाचेगी? रमेश बिधूड़ी को आपने संसद में सुभाषित भाषा में भाषण देते सुना ही होगा, उन्होंने बसपा सांसदडेनिश अली को क्या कह कर अपमानित किया था? वो शायद ही कोई भूला हो। रमेश बिधूड़ी अनाड़ी नहीं हैं। पढ़े-लिखे हैं। स्नातक हैं, विधि स्नातक भी हैं, तीन बच्चों के बाप हैं और तीन बार के विधायक भी। सांसद तो हैं ही इसलिए उनके अनुभव पर मै क्या, कोई भी ऊँगली नहीं उठा सकता। उन्होंने दिल्ली विश्व विद्यालय और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से कौन सी भाषा सीखी है इसका प्रमाण देने की भी जरूरत नहीं है। कांग्रेस स्वाभाविक रूप से बिधूड़ी के ब्यान पर उखड़ी हुई है किन्तु मुझे बिधूड़ी पर दया आती है। दया आती है भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर जो बिधूड़ी को झेल रही है, हालाँकि भाजपा ही वो पार्टी है जो लोकसभा में नारी शक्ति बंदन विधेयक लाती है। देश की सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसीं बनें या प्रियंका के गलों जैसीं, इसका निर्धारण तो भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर सकते है। प्रदेशों में ये काम लोक निर्माण मंत्रियों का है लेकिन इस बारे में कभी किसी सरकार ने कोई नीति निर्धारित नहीं की है, इसलिए मुझे संदेह है कि रमेश बिधूड़ी का सपना पूरा होगा। लालू यादव का सपना पूरा नहीं हुआ। देश की और डबल इंजिन की कोई भी सरकार सड़कों को किसी हीरोइन या नेता के गालों जैसा बनवा ही नहीं सकती। क्योंकि ये असम्भव काम है। सड़कों की तुलना महिलाओं के गालों से करने वाले महिलाओं का कितना सम्मान और बंदना करते हैं ये बताने की जरूरत नहीं। महिलाओं को लेकर हमारे भाग्यविधाताओं के क्या ख्याल हैं ये जानना हो तो अतीत को खंगालिए। कोई महिलाओं को एक करोड़ की बार वाला कहता है तो कोई जर्सी गाय। कोई राक्षसी कहता है तो कोई कुछ और। कांग्रेस के जमाने में महिलाओं को तंदूरी रोटी की तरह जला दिया गया था तो भाजपा के राज में वे हनी ट्रेप के लिए इस्तेमाल की गयीं। महिलाओं को लेकर कबूतरबाजी करने वाले हमारे देश के ही संसद हैं। महिलाओं को अग्नि के सामने सात फेरे लेकर जिंदगी भर भटकने के लिए छोड़ देने वाले नेता भी हमारे अपने देश के हैं, वे इंग्लैंड या अमेरिका से नहीं आये।

हकीकत ये है कि एक तो महिलाएं राजनीति में अल्पसंख्यक हैं दूसरे उनका कोई माई-बाप नहीं है। कांग्रेस में श्रीमती इंदिरा गाँधी कैसे प्रधानमंत्री बन गयीं ये हैरानी का विषय है लेकिन किसी दूसरे राजनीतिक दल ने भले ही वो दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल ही क्यों न हो किसी महिला को न प्रधानमंत्री बनने दिया और और न अपनी पार्टी का अध्यक्ष । बहन मायावती और बहन ममता बनर्जी इसका अपवाद हैं क्योंकि वे स्वयंभू है। वे अपने दलों की सुप्रीमो हैं, ये भी दूसरे दलों के नेताओं को नहीं पचता। भाजपा तो हाथ धोकर इन दोनों बहनों को मिटटी में मिलने की कोशिश कर रहीं हैं। मेरा मूल प्रश्न था कि भारत में महिलाएं राजनीति के क्षेत्र में सॉफ्ट टारगेट क्यों हैं? इसका उत्तर खोजिये। मिल जाये तो मुझे भी बताइये, क्योंकि मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा। मुझे कोई महिला नेत्री भी इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे रही। राजनीति में महिलाएं पहले भी खिलौना थीं और आज भी खिलौना ही है। मुमकिन है कि मेरे इस आलेख के बाद तमाम नारीवादी छद्म नेता, लेखक, पत्रकार मेरे ऊपर राशन-पानी लेकर पिल पड़ें , लेकिन मै अपनी धारणा बदलने वाला नहीं हूं, क्योंकि मुझे हर राजनीतिक दल में एक न एक बिधूड़ी नजर आ रहा है। किसी दल में ये संख्या कम है तो किसी में ज्यादा। महिलाओं का सम्मान करते हुए जेल यात्रा कर चुके अमरमणि त्रिपाठीआज किस दल में हैं आप खुद पता लगाइये। महिलाओं के सम्मान के बारे में भाजपा कांग्रेस की नकल करने में नहीं हिचकती । कांग्रेस ने एक महिला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाया था सो भाजपा ने भी बना दिय। कांग्रेस ने एक महिला को राष्ट्रपति बनाया था सो भाजपा ने भी बना दिया। लेकिन भाजपा किसी महिला को प्रधानमंत्री नहीं बना पा रही । किसी को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना पा रही ।

स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास और रोजगार के क्षेत्र में होगी परिवर्तन

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

वर्ष 2025 में आम जनता को सरकार के माध्यम से ज्यादातर सरकारी लाभ मिल सके इसके लिए सरकार कई तरह की योजनाओं में बदलाव करने पर विचार कर रही है और इसे तकनीकी युग का पुनर्जागरण वर्ष मानेगी। सरकार आम लोगों सुख सुविधाओं के साधन के साथ साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, और रोजगार के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन करेगी। सरकार जीरो कोलैटरल यानि बिना गारंटी के 20 लाख रुपए तक का होम लोन देने की योजना तैयार कर रही है। वहीं शहरी आवास के लिए सस्ती दरों पर लोन की सुविधा के लिए ब्याज सब्सिडी योजना लाने पर भी विचार कर रही है, जिसकी घोषणा वर्ष 2024 के आम बजट में की गई थी। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार उच्च शिक्षा का वैश्वीकरण की दिशा में भारतीय विश्वविद्यालय वैश्विक भागीदारी बढ़ाने और दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है, ऐसा करने से भारतीय शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। वहीं कौशल आधारित शिक्षा से उद्योगों की मांग के अनुरूप पाठक्रमों पर जोड़ होगा, जिससे ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और प्रमाण पत्र जैसे कोर्स में बदलाव करेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सरकार पढ़ाने और पढ़ने में तकनीकों के इस्तेमाल पर जोर देगी ताकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल क्लासरूम औन इंटरेक्टिव सामग्री से पढ़ाई के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान रखा जा सके। सरकार हाइब्रिड लर्निंग को अपनाने पर जोर देगी, जिससे शिक्षार्थियों की सुविधा और ग्रामीण एव कस्बाई छात्रों तक संसाधनों के इस्तेमाल से शिक्षा की सुलभता मिलेगी। सरकार अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए वैश्विक रैंकिंग को बढ़ाने हेतु शोध पर नये सिरे से ध्यान केंद्रित करेगी और नवाचार केन्द्रों की स्थापना और शोध के लिए बजट बढ़ाकर देश को ज्ञान केन्द्र बनाने का प्रयास करेगी। सरकार का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसानों की भावनाओं को समझने में सक्षम हो सकता है। इससे एलेक्सा, सिरी जैसे वॉयस असिस्टेंट सिर्फ आदेश का पालन नहीं करेंगे, बल्कि इंसानों के सुख, दुख, गुस्से को भी समझेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से ऐसे अंग विकसित हो सकेंगे जो इंसानी अंगों की तरह ही काम करेंगे। इतना ही नहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मस्तिष्क के संकेतों को समझ कर भी काम कर सकेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बगैर इंटरनेट के चैटबॉट्स आ सकते हैं, जो इंटरनेट नहीं होने पर भी काम करेंगा, जिससे टिकट बुकिंग, ट्रैफिक मैनेजमेंट, कचरा प्रबंधन, बिजली सप्लाई और रूटीन काम हो सकेगा। वहीं, इसके सहयोग से सुविधाजनक रेल यात्रा भी होगी। सरकार वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का परिचालन इस वर्ष शुरू करेगी और नमो भारत रैपिड रेल (वंदे मेट्रो), अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेने और 136 बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेने भी शुरू करेगी। सूत्रों की माने तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तीन नई घरेलु उड़ान सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है,इसके लिए तीन नई घरेलू विमानन कम्पनियों के जहाज उड़ान भरेंगे, इसके लिए एयरकेरला और अलहिंद एयर के साथ यूपी की शंख एयर को मंत्रालय से एनओसी मिल चुका है। सरकार घर का सपना पूरा करने के लिए पांच लाख से ज्यादा नए मकान बनाने पर विचार कर रही है। इनमें से 50 फीसदी से अधिक लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट होंगे, जिनकी कीमत कम से कम एक करोड़ रुपए होगी। मकान की कीमतें 10 फीसदी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। वहीं सरकार पीएम आवास योजना के तहत 60 लाख से अधिक मकानों का निर्माण करा सकती है। पीएम आवास योजना के तहत इस वर्ष केन्द्र सरकार ने अगले पांच वर्ष में शहरी और ग्रामीण इलाकों में तीन करोड़ अतिरिक्त मकान के निर्माण की मंजूरी दी है। सरकार घर के नक्शा और मॉडल बनाने में बड़े पैमाने पर एआइ को पूरा यूटिलाइज करेगी। सरकारी नौकरियां के लिए केन्द्र सरकार उससे जुड़े संस्थानों में दो लाख और राज्यों के स्तर पर 10 लाख से ज्यादा नौकरियों में भर्ती होगी की रास्ता खोलेगी। रेलवे, सड़क और शहरी आवास की सरकारी योजनाओं में रोजगार के आठ फीसदी अवसर बढ़ेगी। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में लॉजिस्टिक्स सेक्टर में 14% वर्कफोर्स बढने का अनुमान है इसके लिए एआइ सक्षम लॉजिस्टिक्स और ग्रीन सप्लाई चेन में तकनीकी का अक्सर मिलेगा। ई-कॉमर्स और स्टार्ट - अप में उछाल आने की संभावना बढ़ेगी और ई-कॉमर्स फर्मों के कर्मचारियों की 9% बढ़ोतरी हो सकेगी। क्लाउड आर्किटेक्ट, ईआइ उत्पाद प्रबंधक और फुल-स्टैक डेवलपर्स जैसी प्रमुख भूमिकाओं में भर्ती हो सकती है। अक्षय ऊजा और ईवी में रोजगार का मौका मिलेगा। इस क्षेत्र में 12% भर्तियां हो सकती है। इसमें सौर ऊर्जा परियोजनाओं, स्मार्ट ग्रिड विकास और इवी बुनियादी ढांचे के विकास में अवसर मिल सकता है। यात्रा और आतिथ्य में मिलेंगे अवसर। इस क्षेत्र में 8.2% की वृद्धि होने की संभावना है। कंपनियों में प्रबंधन, डिजिटल परिवर्तन और आइटी से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के मौके मिलेंगे।

योगी ने गिनाई यूपी की उपलब्धियां, तंत्र वही है, बस सरकार का चेहरा बदला है

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शहीद का बलिदान कौम की जिंदगी होती है। देश, धर्म के लिए बलिदान होने वाली लंबी श्रृंखला सदैव से समाज को नया जीवन देती रही है।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर पीएम मोदी ने आगामी 25 वर्ष का लक्ष्य रखते हुए कहा कि देश को 2047 तक विकसित भारत बनाना है। उन्होंने पंच प्रण की बात कही। इसमें मुख्यतः गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करना, महापुरुषों पर गौरव की अनुभूति, सुरक्षा बलों के जवानों का सम्मान करना है। उन्होंने सोमवार को होटल ताज में आयोजित शौर्य सम्मान-2025 कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने शहीदों के परिजनों सहित उत्तर प्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि जवान सर्दी, गर्मी, बरसात की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस समय भी जब माइनस 20, 25, 10 तापमान है, तब देश की सीमाओं पर भारत मां के जवान दिन-रात खड़े होकर, पुलिस बल के जवान निरंतर पेट्रोलिंग में रहकर आमजन के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करते हैं। यदि समाज आर्मी, पैरामिलिट्री, पुलिस बल के जवानों का सम्मान नहीं करेगा या शहीदि परिवारों के बारे में नहीं सोचेगा तो इसका मतलब हम राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यहां 1965-1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध में भागीदार, शहीदों के परिजनों, भारतीय सेना के जवानों, देश के अंदर विभिन्न ऑपरेशन में भाग लेने वाले स्मृतिशेष जवानों के परिजनों का सम्मान हुआ। सुरक्षा के बिना सभ्य समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। स्वतंत्रता का अहसास हो, लेकिन हमारी स्वतंत्रता दूसरे की स्वतंत्रता में बाधा न बने। बाबा साहेब ने जो संविधान दिया, उसके अनुसार सुरक्षा की पहली शर्त सुशासन है। सुशासन की स्थापना के लिए जो जवान दिन-रात लगे रहते हैं, उन्हें सम्मान देना राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन जैसा है।

सीएम योगी ने 2017 के पहले और अब के उत्तर प्रदेश का अंतर बताते हुए कहा कि 2017 के पहले कोई सुरक्षित नहीं था। नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ होता था। उनके पास नौकरी और रोजगार नहीं था। यूपी की पहचान दंगाग्रस्त और अराजक प्रदेश के रूप में थी। आज उत्तर प्रदेश सुरक्षित है। स्वतःस्फूर्त भाव के साथ प्रदेश में सभी कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। तंत्र वही है, बस सरकार का चेहरा बदल गया। यह वही प्रदेश है, जहां पहले कोई निवेश नहीं करता था। 2017 के पहले हर परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होते थे। प्रत्येक सप्ताह दो से तीन बड़े दंगे होते थे, लेकिन आज प्रदेश दंगामुक्त है। सर्वाधिक निवेश को आमंत्रित करने वाला प्रदेश है। बिना भेदभाव के योग्यता के आधार पर सरकारी-निजी क्षेत्र में नौकरी और रोजगार की गारंटी देने वाला प्रदेश है।

सीएम योगी ने कहा कि जिस प्रदेश में 40 हजार करोड़ का निवेश नहीं आता था, उस प्रदेश में आज 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 1.25 करोड़ नौकरी की गारंटी मिली। बदली परिस्थितियों की नींव में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति है। इसके लिए हमने अपने जवान भी खोए हैं। 2017 में प्रदेश सरकार ने पॉलिसी बनाई कि कोई जवान (सेना, अर्धसेना, पुलिस बल) शहीद होता है तो उसके परिवार की जिम्मेदारी सरकार की होगी। हमने 1.50 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों के खाली पदों को भरा।

उन्होंने कहा कि 2017 के पहले पुलिस भागती थी, अपराधी दौड़ाता था। आज अपराधी हांफते-हांफते मर रहा है। पुलिस, अपराधी और उनके आकाओं को सही जगह पहुंचा रही है। यह नए भारत के नए उत्तर प्रदेश का बदला स्वरूप है। यहां सुरक्षा, सम्मान, पहचान भी है। इस साल के अंत तक जब गंगा एक्सप्रेसवे बन जाएगा तो देश का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे यूपी के पास होगा। सबसे अधिक रेलवे नेटवर्क, एयरपोर्ट, मेट्रो सर्वाधिक, सर्वाधिक नगर निकाय, आस्था को गौरव के साथ आगे बढ़ाने वाला प्रदेश उत्तर प्रदेश होगा।

सीएम ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज की धरती पर महाकुंभ-2025 होने जा रहा है। यह मुहूर्त 144 वर्ष बाद आया है। महाकुंभ के बहाने प्रयागराज और आसपास के शहरों का भी कायाकल्प हुआ है। 200 से अधिक सड़कों को सिंगल से डबल, डबल से फोरलेन, फोरलेन से सिक्सलेन बनाया गया। एक वर्ष में एक शहर में 14 नए फ्लाईओवर बनकर तैयार हुए। रेलवे स्टेशनों का पुनरुद्धार हुआ, एयरपोर्ट नए सिरे से देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि अक्षयवट, सरस्वती देवी, बड़े हनुमान, महर्षि भारद्वाज, श्रृंगवेरपुर, पातालपुरी कॉरिडोर आदि पहली बार देखने को मिलेंगे। दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी के बराबर श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। एक दिन में 10 करोड़ श्रद्धालु भी आ गए तो आसानी से स्नान कर पुण्य प्राप्त करेंगे। ह्यस्वच्छ महाकुंभह्ल के लिए जीरो लिक्विड डिस्चार्ज की व्यवस्था है। 1.50 लाख से अधिक शौचालय बनाए गए हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में इस सदी का महाकुंभ ह्यडिजिटल महाकुंभह्ल के रूप में जाना जाएगा। प्रयागराज महाकुंभ आस्था और आधुनिकता का संगम होगा। अयोध्या, काशी, मां विंध्यवासिनी धाम, चित्रकूट, लखनऊ, श्रृंगवेरपुर आदि आध्यात्मिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने भारतीय संस्कृति के समागम में सभी को आमंत्रित किया।

संभल हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव करने के आरोप में महिला गिरफ्तार

संभल। संभल में पिछले वर्ष नवंबर माह में हुई हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों पर पथराव करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कृष्ण कुमार ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 24 नवंबर को हुई हिंसा के दौरान दोपहर करीब 12 बजे जब पुलिस दंगाइयों को खदेड़ रही थी, तभी हिंदू पुरा खेड़ा इलाके में छत से एक महिला ने पुलिस टीम पर भारी पथराव किया था। इसके बाद एक वीडियो से उसकी पहचान हुई। कुमार ने बताया कि आरोपी महिला जिगरा (40) को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने बताया, यह महिला एक महीने से फरार थी। उसे पुलिस ने संभल जिले के असमोली थाना क्षेत्र में उसके एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपी महिलाओं की भी पहचान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि संभल हिंसा के सिलसिले में अब तक 54 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। संभल में 24 नवंबर, 2024 को भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी और सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य घायल हो गए थे।

सहपाठी को फंसाने के लिए उसका फर्जी इंस्टाग्राम एकाउंट बनाया, महाकुम्भ में विस्फोट की धमकी दी

महाकुम्भ नगर। मेला पुलिस ने महाकुम्भ मेले में बम धमाका करने की धमकी देने के आरोपी छात्र से पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि उसने अपने सहपाठी को फंसाने के लिए उसका फर्जी इंस्टाग्राम एकाउंट बनाया और महाकुम्भ में विस्फोट की धमकी का संदेश पोस्ट कर दिया। आरोपी छात्र को पुलिस ने शनिवार को बिहार के पूर्णिया में हिरासत में ले लिया और रविवार को उसे प्रयागराज लाकर पूछताछ की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (कुम्भ) राजेश द्विवेदी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी किशोर कक्षा 11वीं का छात्र है और उसने किसी बात को लेकर अपने सहपाठी को फंसाने के लिए उसके नाम का फर्जी इंस्टाग्राम एकाउंट बनाकर यह धमकी भरा संदेश वायरल किया।

उन्होंने बताया कि आरोपी छात्र ने अपने दोस्त के नाम पर फर्जी अकाउंट बनाकर उसके जरिए अपमानजनक और भड़काऊ पोस्ट साझा की जिसमें महाकुम्भ में 1000 लोगों को मारने की धमकी दी गई थी। द्विवेदी ने बताया कि इस मामले में मेला कोतवाली थाना में बीएनएस और आईटी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था और तीन टीमों को इस मामले की जांच में लगाया गया था। उन्होंने बताया कि रविवार को आरोपी नाबालिग छात्र को संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया।

गंगा स्नान के दौरान एक ही परिवार के चार लोग डूबे, एक की मौत, दो लापता

कौशांबी। जिले के कड़ा धाम थाना क्षेत्र में गंगा स्नान के दौरान सोमवार को एक ही परिवार के चार लोग नदी में डूब गए जिनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा अस्पताल में भर्ती है जबकि दो लापता हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, लापता व्यक्तियों की गोताखोरों की मदद से तलाश की जा रही है। अब तक तक उनका पता नहीं चला है। थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने बताया कि दारानगर निवासी जेके मिश्रा अपने परिवार के साथ 10 दिन पूर्व दिवंगत हुए अपने पिता मनमोहन मिश्रा का दसवां श्राद्ध करने थाना क्षेत्र के कड़ा घाट पर सोमवार को आए थे। जेके मिश्रा (50) के साथ उनके छोटे भाई जनार्दन मिश्रा (45), बेटे शिखर (28) और भतीजे ऋषभ मिश्रा (20) भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि मुंडन संस्कार करवाने के बाद चारों गंगा स्नान करने लगे और तभी स्नान करते समय गहरे पानी में जाने से चारों डूब गए। सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों ने गोताखोरों की सहायता से जेके मिश्रा व उनके बेटे शिखर मिश्रा को नदी से बाहर निकाल लिया तथा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां इलाज के दौरान जेके मिश्रा की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जनार्दन मिश्रा और उनके बेटे ऋषभ का पता नहीं चला है। सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। दोनों लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए गोताखोरों द्वारा बचाव अभियान जारी है।

उप्र : महिला के लापता होने के बाद दो समुदायों के बीच झड़प, दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ शिकायत की

गोरखपुर। कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में एक महिला के लापता होने के बाद अलग-अलग समुदायों के दो परिवारों के बीच विवाद झड़प में बदल गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामला लौकरिया गांव (कुशीनगर जिले में) के निवासी जय कुमार से जुड़ा है, जिनकी बेटी का विवाह गोरखपुर के गुलरिहा क्षेत्र में हुआ था। वह 28 दिसंबर, 2024 को लापता हो गई थी।

जय कुमार की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, गोरखपुर पुलिस उसी गांव के निवासी अली हसन के घर दो जनवरी को पूछताछ करने आयी थी। जय कुमार ने अली हसन के पुत्र रोज मोहम्मद पर अपनी बेटी का अपहरण करने का आरोप लगाया, जिसके कारण परिवारों के बीच तनाव बढ़ गया और झड़प हो गई।

झड़प के बाद, जय कुमार के पिता बाडू उर्फ रमई पासवान ने चार लोगों के खिलाफ गोरखपुर के गुलरिहा पुलिस स्टेशन में तहत शिकायत दर्ज कराई। यह मामला दो जनवरी को रोज मोहम्मद सहित चार लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था।

पुलिस के मुताबिक, इसके बाद रोज मोहम्मद की मां, ऐरुन्निसा ने जय कुमार के परिवार के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई।

नेबुआ नौरंगिया थाने (कुशीनगर) में पांच जनवरी को सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

खड्डा के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) उमेश चंद भट्ट ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और आगे की जांच चल रही है।

उप्र : कोहरे के कारण बस ट्रैक्टर से टकराई, 10 घायल

शाहजहांपुर । उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में नेपाल से चंडीगढ़ जा रही एक निजी बस घने कोहरे के कारण आगे चल रहे ट्रैक्टर से टकरा गई, जिससे 10 लोग घायल हो गए। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश एस ने सोमवार को बताया की थाना खुटार अंतर्गत नेपाल से सवारियां भरकर चंडीगढ़ जा रही एक बस जब आसाम रोड पर तिकुनिया पर पहुंची तभी कोहरे के कारण वह सामने चल रहे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे में 10 लोगों को चोटें आई। इनमें से बस का चालक विशाल (44) एवं एक महिला सीता (28) तथा उसका तीन वर्ष का बेटा सुशील गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी लोगों को हल्की चोटें होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे की सूचना के तत्काल बाद पुलिस मौके पर पहुंची, बस तथा ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया एवं घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरु गोबिंद सिंह सिखों के 10वें गुरु थे। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, महान संत, सिखों के दशम गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें कोटि-कोटि नमन ! उन्होंने कहा, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए समर्पित उनका पराक्रमी जीवन हम सभी को सत्य, सेवा और त्याग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है।

संक्षिप्त खबरें

पतंग लूटने के चक्कर में बालक जलनिगम की खुली पानी टंकी में गिरा, मौत

वाराणसी। आदमपुर थाना क्षेत्र के भदऊं चुंगी के पास सोमवार शाम पतंग लूटने के चक्कर में एक 11 वर्षीय बालक जल निगम की खुली पानी टंकी में गिर गया। जब तक निकाला जाता पानी में दम घुटने से उसकी मौत हो गई। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार भदऊ चुंगी के जल निगम के पानी टंकी पर कुछ बच्चे पतंग उड़ा रहे थे। इस दौरान एक कटी पतंग को लूटने के लिए बाबू नाम का बालक दौड़ा । बालक पतंग का मांझा पकड़ कर उतार रहा था, इसी दौरान असंतुलित होकर पानी की खुली टंकी में गिर गया। यह देख वहां मौजूद बच्चों ने गिरे बालक के परिजनों को जानकारी दी। परिजन भागे–भागे वहां पहुंचे। तब तक सूचना पाकर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। टीम ने बालक को पानी की टंकी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बावजूद परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने भी उसे मृत घोषित कर दिया। क्षेत्रीय लोगों ने इस दौरान आरोप लगाया कि जल निगम की पानी टंकी का ढक्कन खुला था इसलिए हादसा हो गया।

हिमाचल प्रदेश कैडर की आईपीएस इल्मा ने खुद ही मांगा था स्थानांतरण

मुरादाबाद । मुरादाबाद के थाना कुंदरकी की मूल निवासी एसपी इल्मा अफरोज की तत्काल नियुक्ति के लिए हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर दो दिन पहले सुनवाई हुई थी। सरकार की ओर से कोर्ट में बताया गया कि आईपीएस अधिकारी इल्मा अफरोज ने खुद अपना स्थानांतरण मांगा था, जिसके आधार पर उन्हें हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय में तैनाती दी गई है। आईपीएस इल्मा अफरोज ने वहां पर ज्वॉइनिंग भी कर ली है। अदालत में राज्य के गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक की ओर से दायर जवाब में यह बात कही गई। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया था कि इल्मा अफरोज एक अच्छी और निडर अधिकारी हैं। एसपी रहते हुए उन्होंने नालागढ़ व बरोटीवाला क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाया।

महापौर ने दशकों से बंद पड़े तीन और शिव मंदिरों को खुलवाया

कानपुर । महापौर प्रमिला पांडेय का मुस्लिम क्षेत्र में बंद पड़े मंदिरों को खुलवाने का अभियान अभी भी जारी है। सोमवार की सुबह महापौर भारी पुलिस बल के साथ मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्र बेकनगंज पहुंची। यहां हीरामनपुरवा इलाके में दशकों से बंद पड़े तीन मंदिरों को खुलवाया जिनकी वर्तमान में स्थिति बेहद ही जर्जर अवस्था में मिली। महापौर ने कहा कि अब इन मंदिरों में रोजाना पूजन पाठ होगा। मुस्लिम बहुल इलाकों में बंद पड़े मन्दिरों को खुलवाने के अभियान के तहत महापौर प्रमिला पाण्डेय सोमवार को पांच थानों की पुलिस और पीएसी बल के साथ बेकनगंज पहुंची। यहां पर उन्होंने हीरामनपुरवा इलाके में दशकों से बंद पड़े तीन शिव मंदिरों को खुलवाया। इन मुस्लिम आबादी वाले क्षेत्रों में ऊंचे ऊंचे मकान बन जाने की वजह से केवल मंदिरों के गुंबद ही दिख रहे थे। इसलिए मंदिर तक पहुंचने में काफी समस्या भी हो रही थी। जैसे-तैसे महापौर बारी-बारी से मंदिरों तक पहुंची। एक मंदिर के आगे शटर लगाकर उसमें अवैध कब्जा किया गया था। जब महापौर ने शटर उठाया तो मंदिर के अंदर मूर्तियां खंडित पाई गयीं। शिवलिंग भी अपनी जगह से नदारत था।

पद यात्रा के बाद गुस्साए किसानो ने जलाई गन्ने की होली

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। भाकियू ने अपनी मांगों के मद्देनजर स्योहारा में किसानों को साथ लेकर पद यात्रा निकाली और गन्ने की होली जलाई। भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी गजेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन ने किसानों व मजदूरों की समस्याओं के समाधान को लेकर पद यात्रा निकाली। पद यात्रा ब्लाक कार्यालय से सुरू होकर थाना चोराह से मुरादाबाद रोड होकर स्टेशन रोड से होते हुए थाने चौराहे पर गन्ने की होली जलाकर जिलाधिकारी के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार धामपुर को सोपा । स्योहारा क्षेत्र के किसानों की जुड़ी समस्याएं शुगर मिल की ओर से प्रेसमेंट खाद के 10 प्रति कुंतल बढ़ाए गए हैं जो गलत है गन्ने का रेट अभी तक नहीं बढ़ा। तो खाद के रेट गत वर्ष की भांति रहे दूसरी ओर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से घरेलू बिलों को जमा करने के लिए ओटीएस योजना चल रही है जिसके अंतर्गत गांव गांव जाकर किसानों के मजदूरों को जागरूक करें लेकिन बिजली विभाग के कर्मचारी किसानों के मीटर ही उखाड़ कर ले जा रहे हैं जब मीटर ही नहीं रहेंगे तो बिल कैसे ठीक होंगे क्योंकि अधिकतर बिल गलत आ रहे हैं साथ ही किसानों ने छुट्टा पशुओं को पड़कर गौशाला भेजने की भी मांग उठाई

शुगर मिल की ओर से किसानों को नई वैरायटी का बीज सरकार द्वारा घोषित मूल्य पर ही मिले शुगर मिल चले हुए 2 महीने से ज्यादा हो गए लेकिन सरकार ने गन्ने के रेट की घोषणा नहीं की किसानो की मांग 500 प्रति कुंतल गन्ने के मुल्य की घोषणा जल्द हो। भारतीय किसान यूनियन ने चेताया अगर किसानो की ब्लाक स्तरीय मांगो का निस्तारण 19 जनवरी तक नहीं हुआ। तो भारतीय किसान यूनियन आगे बड़ा आंदोलन करेगी। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी इस अवसर पर पृथ्वी सिंह, गजराम सिंह, यशपाल सिंह, भूपेंद्र सिंह, इस्लामुद्दीन, अजीम खान, हिवजुर रहमान ,योगेश ठाकुर, बडी संख्य मे किसान मौजूद रहे।

अंतर्राज्यीय सॉल्वर गैंग के मुख्य आरोपी समेत चार गिरफ्तार, 6 फरार

आजमगढ़। शहर कोतवाली व एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को बाग लखराव पुल के पास से प्रतियोगी परीक्षाओं के अंतर्राज्यीय सॉल्वर गैंग के मुख्य आरोपित समेत कुल चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपितों के पास से एक कार, छह मोबाइल, एक कूटरचित आधार कार्ड, तीन एडमिट कार्ड व एक प्रश्न पुस्तिका बरामद की है, वहीं फरार 6 आरोपितों की पुलिस तलाश कर रही है। सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने बताया कि पकड़े गए आरोपी रामप्रवेश यादव निवासी चितावन पट्टी थाना जमानिया जनपद गाजीपुर ने बताया कि दुर्गेश तिवारी बिहार के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के स्थान पर बैठने के लिए सॉल्वर की व्यवस्था कराता है। इसमें विक्की कुमार की सहायता से परीक्षार्थियों के आधार कार्ड में फोटो परिवर्तित कराकर सॉल्वर को बैठने के लिए भेजता है। राम प्रवेश यादव ने यह भी बताया कि वर्ष 2021 के पूर्व से ही नौकरी दिलाने के लिए लोगों को फंसाता था और उनसे डील करके उनके स्थान पर सॉल्वर को बैठाकर परीक्षा दिलवाता था। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाकर फर्जी तरीके से नौकरी दिलाने का कार्य ये लोग करते हैं । उन्होंने बताया कि उनका एक संगठित गिरोह है। अपने संगठित गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर पूर्व से ही फर्जी तरीके से प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थी के स्थान पर सॉल्वर को बैठाकर यह कार्य सभी मिल कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थी के स्थान पर सॉल्वर को बैठाने के नाम पर लगभग 5 से 10 लाख रुपये में डील तय होती थी। इसमें से दो लाख रुपये परीक्षा देने से पहले व शेष रुपये परीक्षा देने के बाद लिए जाते थे। उक्त कार्य में दुर्गेश तिवारी मुख्य भूमिका अदा करता था। दुर्गेश तिवारी बिहार से सॉल्वर व फर्जी आधार कार्ड तैयार कराकर प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए सॉल्वर की व्यवस्था करता है। बताया कि उत्तर प्रदेश में वह, सुनील कन्नौजिया, बबलू यादव, श्रवण कुमार यादव, सूर्यकांत कुशवाहा उर्फ पिंटू प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए परीक्षार्थियों व कंडीडेट की तलाश कर उनके साथ डील कर फर्जी तरीके से परीक्षार्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाने का कार्य किया जाता है। पुलिस ने बताया कि चार जनवरी को बिहार के कदम कुआं पटना थाना क्षेत्र के असनिया कुआं निवासी सॉल्वर विकास कुमार उर्फ राकेश कुमार बिहार को गिरफ्तार किया गया। पांच जनवरी को गाजीपुर जनपद के नंदगंज थाना क्षेत्र के मऊपारा देवकली गांव निवासी अनुप सागर को गिरफ्तार किया गया जो परीक्षार्थी है। वहीं, छह जनवरी को गाजीपुर जनपद के जमानिया थाना क्षेत्र के चितावन पट्टी गांव निवासी रामप्रवेश यादव, गाजीपुर के शहर कोतवाली चौकिया निवासी सुनील कन्नौजिया, बिहार के इस्लामपुर थाना क्षेत्र के इस्लामपुर निवासी सॉल्वर अंकित गुप्ता व गाजीपुर जनपद के सादात थाना क्षेत्र के डोरा गांव निवासी अमित कुमार कन्नौजिया को गिरफ्तार किया। इस तरह से खुला राज

जिले के प्रतिष्ठित शिब्ली नेशनल डिग्री कॉलेज के केंद्राध्यक्ष प्रोफेसर अफसर अली ने तहरीर दी थी। बताया कि शिब्ली नेशनल कॉलेज परीक्षा केंद्र में यूपीसीसीएससीआर 2024-25 की परीक्षा संचालित की जा रही थी। इसमें चार जनवरी 2025 को प्रथम पाली की परीक्षा में कक्ष संख्या-103 में अनूप सागर पुत्र निवासी मऊपारा, देवकली गाजीपुर सामिलित हुआ। उस अभ्यर्थी का आधार वेरिफिकेशन प्रक्रिया में केवाईसी अपडेट न हो पाने के कारण डाटा का मिलान नहीं हो पा रहा था। संदेहवश जब पूछा गया तो पहले स्वीकार करने से मना कर दिया एवं स्वयं को अनूप सागर बताया लेकिन जब परीक्षा केंद्र पर तैनात पुलिस बल की सहायता से सख्ती से पूछताछ की गई तो उक्त सम्मिलित अभ्यर्थी ने अपना सही नाम विकास कुमार निवासी असनिया कुआं, थाना कदम कुआं, पटना, बिहार बताया। अनूप सागर के स्थान पर फर्जी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा में शामिल विकास कुमार ने यह भी बताया कि कुछ पैसों के बदले उसने यह काम किया है। पुलिस ने इसी के

पांच सौ वर्ष से अधिक पुराने मंदिर और कुएं पर अतिक्रमण: आचार्य धीरशांत

मुरादाबाद। भारतीय संस्कृति रक्षा समिति के संस्थापक अध्यक्ष व विहिप मन्दिर-अर्चक-पुरोहित विभाग के प्रांत प्रमुख आचार्य धीरशांत दास अर्द्धमौनी ने सोमवार को अपने आवास पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि पुरातात्विक महत्व के धर्मस्थलों में नागफनी थाने के नजदीक पांच सौ वर्ष से भी अधिक पुराने देवनदास ठाकुर जी मंदिर एवं प्राचीन कुएं पर लोगों ने अतिक्रमण किया है। प्रशासन को शीघ्र ही इसके संरक्षण के लिए तत्पर होना चाहिए। कुछ असामाजिक तत्व लगातार अति महत्व की प्राचीन धरोहरों को नष्ट करने का कुकृत्य विगत कई दशकों से कर रहे हैं। आचार्य धीरशांत दास अर्द्धमौनी ने बताया कि उन्होंने समिति के पदाधिकारियों के साथ रविवार को मुरादाबाद के थाना सदर कोतवाली और थाना नागफनी क्षेत्र के मोहल्ला बारादरी, मोहल्ला किसरौल, शुक्लों का कुआं, नागफनी एवं दौलत बाग का सर्वेक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान हमें पता चला कि पुरातत्व महत्व के धर्मस्थलों में नागफनी थाने के नजदीक देवन दास ठाकुर जी मंदिर एवं प्राचीन कुआं 500 साल से भी अधिक पुराना है, लेकिन कुछ लोगों ने यहां अतिक्रमण कर लिया है। आचार्य का कहना है कि देवन दास ठाकुर जी मंदिर मलूकपीठ संप्रदाय के प्राचीन संतों की इस संस्कृति और धरोहर को अतिक्रमण कर अवैध कब्जा कर लिया गया है। यहां प्राचीन कुआं है। इस मंदिर में हनुमान की मूर्ति स्थापित थी। उस मूर्ति को मंदिर प्रांगण में सुरक्षित रखा गया है। सैकड़ों साल पुराना ऐतिहासिक शिलालेख का पत्थर इस कुएं में मिट्टी डालकर कर दबा दिया गया है। इस धर्मस्थल का वर्तमान क्षेत्रफल एक एकड़ है, जो अतिक्रमण एवं उदासीनता से जर्जर हो रहा है। आचार्य धीरशांत दास अर्द्धमौनी के अनुसार देवन दास विराजमान ठाकुर जी मंदिर की जमीन पांच सौ बीघा हो सकती है। प्रशासन को शीघ्र ही इसके संरक्षण के लिए तत्पर होना चाहिए। कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार अति महत्व की धरोहरों को नष्ट करने का कुकृत्य विगत कई दशकों से चल रहा है। वर्तमान में योगी आदित्य नाथ एवं नरेंद्र मोदी की सरकार में सभी धार्मिक स्थलों एवं तीर्थों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसी शृंखला में पुरातत्व महत्व के इस दिव्य स्थान को अतिक्रमण एवं कब्जों से छुटकारा दिलाकर, धर्मावलंबियों की श्रद्धा और भक्ति को संरक्षित करना चाहिए।

संदिग्ध परिस्थिति में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़ । महराजगंज थाना क्षेत्र के कोलहटा कमाल गांव में एक विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थिति में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह लोगों को घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य को जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

महराजगंज थाना क्षेत्र के कोलहटा कमाल गांव निवासी मोनू मौर्य की पत्नी अनुप्रिया मौर्या (35) रविवार की रात को भोजन कर अपने कमरे में सोने के लिए चली गयी। रात में कमरे में संदिग्ध परिस्थिति में फांसी लगाकर उसने आत्महत्या कर ली। शीतलहर के कारण सोमवार सुबह काफी देर बाद भी जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिवार के लोग उसे बुलाने के लिए पहुंचे। कई बार आवाज देने के बाद भी जब अंदर से कोई हरकत नहीं हुई तो सशंकित होकर परिजनों ने खिड़की से अंदर झांका। कमरे में अनुप्रिया का शव फंदे से लटका देख परिजनों ने शोर मचाया। पड़ोसियों ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कॉलेजों में पढ़ने वालों विद्यार्थियों को युवा मित्र बनाएगी पुलिस

प्रात: किरण संवाददाता

बलिया। स्टूडेंट पुलिस एक्सपेरिमेंटल लर्निंग प्रोग्राम के तहत कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं को पुलिस विभाग की बारीकियां सिखाई जाएंगी। ताकि वे पुलिस मित्र के रूप में आवश्यकता पड़ने पर पुलिस का सहयोग कर सकें। इसके लिए पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के नेतृत्व में रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार में सोमवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा स्पेल कार्यक्रम सभी राज्यों के पुलिस विभाग के सहयोग से स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए संचालित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य है छात्रों को पुलिस विभाग के अनुभवों का लाभ मिले। इसकी अवधारणा यह है कि यदि विद्यार्थी अपनी शैक्षिक संस्था के बाहर किसी व्यावसायिक संस्था में विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं तो यह विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक कौशल में वृद्धि तो करता ही है, साथ ही साथ लोगों से प्रभावी संवाद और संपर्क स्थापित करने की क्षमता में भी गुणात्मक सुधार करता है। विद्यार्थी समाज के साथ क्रियाशील तरीके से जुड़ते हैं और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों की व्यावहारिक समझ बढ़ने से उनको प्राप्त होने वाली अकादमिक शिक्षा पुष्ट होती है और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान निकालने की संभावनाएं बढ़ती हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्नातक स्तर के छात्र-छात्राओं को पुलिस थाने और अन्य पुलिस प्रतिष्ठानों में तीस दिवसीय ट्रेनिंग दी जाएगी। जिससे कि छात्र-छात्राओं में संज्ञानात्मक कौशल व लोक कौशल में सुधार हो और साथ ही साथ वे कानून और आपराधिक प्रक्रिया, आपराधिक अनुसंधान, यातायात नियंत्रण, साइबर क्राइम, मानव तस्फरी, कानून व्यवस्था, इत्यादि जैसे विषयों पर प्रशिक्षण इन्टर्न के रूप में प्राप्त कर सकें। इस कार्यक्रम से जहां एक ओर विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा, तो दूसरी तरफ पुलिस के लिए भी यह एक ऐसा अवसर है कि वे युवा पीढ़ी में पुलिस मित्र बना सकें। पुलिस के ये युवा मित्र स्वयं तो लाभान्वित तो होंगे ही, साथ ही पुलिस को नए सुझाव दे सकते हैं। सोशल मीडिया पर पुलिस के लिए सकारात्मक विचार प्रसारित करेंगे। पुलिस के ये युवा मित्र भविष्य में पुलिसके ब्रांड एम्बेसडर भी बनेंगे। यही विद्यार्थी पुलिस विभाग में अपना करियर भी चुन सकते हैं। इसके लिए आने वाले दिनों में विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से आपराधिक कानूनों और प्रक्रियाओं का आधारभूत ज्ञान दिया जाएगा। आपराधिक अन्वेषण, यातायात प्रबंधन, कानून-व्यवस्था और सामान्य पुलिसिंग सम्बन्धी आधारभूत ज्ञान दिया जाएगा। इस प्रोग्राम के तहत स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को क्रेडिट प्वाइन्ट मिलेंगे और इसका उल्लेख इनकी मार्कशीट में भी होगा। अपर पुलिस अधीक्षक या पुलिस उपाधीक्षक इस कार्यक्रम हेतु नोडल अधिकारी होंगे। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा एक ऑनलाइन पोर्टल ढ्ढ१३.ह्ल५.ल्ल विकसित किया गया है। जिले के नोडल अधिकारी व एसएचओ का इस पोर्टल में रजिस्ट्रेशन होना है। छात्रों को पंजीकरण के लिए पोर्टल पर जाकर खुद को युवा के रूप में पंजीकृत करना होगा। चयनित थानों पर एक उपनिरीक्षक या मुख्य आरक्षी को नोडल अधिकारी बनाया जायेगा। प्रत्येक छात्र एक महीने तक प्रतिदिन चार घंटे तक कार्य करेगा, जो कुल मिलाकर 120 घंटे की अनुभवात्मक शिक्षा होगी। चार क्रेडिट पॉइंट्स पाने के लिए 120 घण्टे पूर्ण करना होगा। हालांकि, जिन छात्रों का अकादमिक रिकार्ड अच्छा है और उनके संस्थानों की युवा सम्बन्धी गतिविधियों में पृष्ठभूमि है, उन्हें अनुभवात्मक शिक्षा के लिए प्राथमिकता दी जायेगी।

संक्षिप्त खबरें

युवती ने फंदा लगाकर खुदकुशी की

नोएडा, । छलेरा गांव में रहने वाली एक 28 वर्षीय युवती ने मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। अत्यंत गंभीर हालत में उसके घर वालों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक सेक्टर-39 थाने की पुलिस को सूचना मिली कि छलेरा गांव निवासी 28 वर्षीय फरहा ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोग ही उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए पर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। युवती के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सोसाइटी के बाहर कूड़ा डालने का विरोध

ग्रेटर नोएडा, । ऐस एस्पायर सोसाइटी के बाहर अवैध रूप से कूड़ा डंप करने का लोगों ने विरोध जताया। उनका आरोप है कि प्राधिकरण के कर्मचारियों के यहां कूड़ा डालने से ढेर लग गया है। निवासियों ने बताया कि सोसाइटी के सामने ग्रीन बेल्ट से लगा हुआ एक खाली मैदान है। इसमें पिछले कई दिनों से प्राधिकरण के कर्मचारी आकर कूड़े को डालकर चले जा रहे हैं। इससे कचरे का ढेर बढ़ता जा रहा है, लेकिन कर्मचारी इसे उठाने का नाम नहीं ले रहे। लगातार प्राधिकरण से शिकायत भी की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। लोगों को आते जाते समय बदबू का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही संक्रमित बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।

कार सवारों पर मारपीट करने का आरोप

ग्रेटर नोएडा, । कार सवारों ने सेक्टर अल्फा-2 स्थित ऑफिस में घुसकर तीन लोगों के साथ मारपीट की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस के मुताबिक घोड़ी बछेड़ा गांव के रहने वाले विष्णु रावल का सेक्टर अल्फा-2 में ऑफिस है। विष्णु रावल ने पुलिस को बताया कि वह शनिवार को अपने चचेरे भाई अभय और सौरभ के साथ ऑफिस में बैठकर काम कर रहे थे। इस बीच कार सवार कुछ अज्ञात लोग ऑफिस में घुस आए। आरोपियों ने बिना वजह गली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़ित विष्णु की शिकायत पर पुलिस ने कार सवार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नशे में धुत व्यक्ति मेट्रो पिलर से टकाराया, अस्पताल में मौत

नोएडा, । नोएडा में मेट्रो के पिलर से टकरा कर घायल हुए व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रविवार रात सेक्टर-63 पुलिस थाना क्षेत्र में छिजारसी कॉलोनी के पास की है जब नशे की हालत में एक व्यक्ति मेट्रो के पिलर से कथित तौर पर टकरा गया था। थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि इस घटना में उसके नाक और मुंह पर गंभीर चोटें आईं और मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है और शव को मुर्दाघर में रखवा दिया गया है।

पायनियर क्रिकेट क्लब 38 रन से जीता

नोएडा, ।एसएन दुबे और सीता दुबे मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को पायनियर क्रिकेट क्लब ने बीसीए स्टार्स को 38 रन से हरा दिया। सेक्टर-127 स्थित क्रिकेट ग्राउंड पर हुए मुकाबले में पायनियर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए। पायनियर की ओर से रिषभ ने 55 और अक्षय दुबे ने 42 रन की पारी खेली। बीसीए स्टार्स के आर्यन चौधरी ने तीन विकेट झटके। अधिकांश भारद्वाज ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीसीए स्टार्स की टीम 128 रन ही बना सकी। वेदांश चौहान ने सर्वाधिक 42 रनों की पारी खेली। तुषार त्यागी ने 22 रन बनाए। पायनियर के जय शर्मा, कबीर और रौनक सिंह ने दो-दो विकेट लिए।

प्रकाश पर्व पर उट योगी ने गुरु ग्रंथ के समक्ष टेका मत्था, बोले- 350वें शहीदी दिवस को बड़े पैमाने पर करें आयोजति

प्रात: किरण, संवाददाता

सोमवार को डीएवी कालेज परिसर में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरु ग्रंथ के समक्ष उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदत्यिनाथ ने मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह को दशमेश पिता बताते हुए समझाया कि गुरु तेग बहादुर ने देश व धर्म के लिए बलिदान होने के लिए प्रेरित किया ताकि विधर्मी बेनकाब हों। उट योगी आदत्यिनाथ ने प्रकाश पर्व के मौके पर टेका मत्था। गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरु ग्रंथ के समक्ष मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं ने अपना शीश देकर भारत के शीश जम्मू-कश्मीर को बचाया। गुरु गोविंद सिंह शहीद पिता के पुत्र और शहीद पुत्रों के पिता हैं। प्रकाश पर्व पर सभी को नई पीढ़ी पर यह उपकार करना चाहिए कि सिख गुरुओं का इतिहास उन्हें बताएं कि कैसे विधर्मियों ने जुल्म व अत्याचार किये लेकिन, सिख गुरु उनके आगे झुके नहीं। आपको बता दें कि सोमवार को डीएवी कालेज परिसर में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर गुरु ग्रंथ के समक्ष उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदत्यिनाथ ने मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह को दशमेश पिता बताते हुए समझाया कि गुरु तेग बहादुर ने देश व धर्म के लिए बलिदान होने के लिए प्रेरित किया ताकि विधर्मी बेनकाब हों। आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं गुरु गोविंद सिंह के कार्य उनके कार्य हमें ऊर्जा व आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ ने कहा कि देश में जाति को मिटाने व धर्म को बचाने के लिए उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी। गुरु गोविंद सिंह लखनऊ के यहियागंज गुरुद्वारे में आए थे। हम सबका यह दायित्व है कि 350वें शहीदी दिवस पर्व को बड़े पैमाने पर आयोजित करें। समाज को गुरुओं से प्रेरणा लेकर कार्य करने की जरूरत इसके अलावा उत्तर प्रदेश के डप्टिी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह ने सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। वहीं मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि समाज को गुरुओं से प्रेरणा लेकर कार्य करने की जरूरत है। इस मौके पर अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह ने कहा कि 350वें शहीदी पर्व पर शाहजहांपुर जिले व लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे का नाम बदला जाए। यहियागंज गुरुद्वारे के प्रधान गुरुमीत सिंह ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट किया और अमरजीत सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

फरीदाबाद : चार साल से फरार अपहरण व हत्या का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, । अपहरण व हत्या के मामले में चार साल से फरार चल रहे आरोपी को थाना बीपीटीपी की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपी गिननाम वासी गांव अलीपुर बुजुर्ग जिला सम्भल उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस टीम ने आरोपी को गांव अलीपुर बुजुर्ग से गिरफ्तार किया है। इस मामले में चार आरोपी वीरपाल, रमेश, राम बहादुर और बुला को वर्ष 2020 में ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 में थाना बीपीटीपी में वीरेन्द्र वासी गांव नगरिया नादिर शाह जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश की शिकायत पर उसकी पत्नी गीता का परिवारजन (गीता के) द्वारा 16 मई 2019 को अपहरण करने पर संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया गया था। गीता के परिवारजन द्वारा अपहरण के उपरांत गीता की हत्या कर दी गई थी। मामले में कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस द्वारा आरोपी वीरपाल (मृतक लडकी गीता पिता), रमेश, राम बहादुर व बुला को वर्ष 2020 में ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपियो की पूछताछ में गिननाम का गीता की हत्या करने में शामिल होना पाया गया। आरोपी गिननाम पिछले 4 वर्ष से अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था। जिसको थाना बीपीटीपी की टीम के द्वारा गिरफ्तार करके अदालत में पेश करके जेल भेजा गया।

फरीदाबाद : अंशुल ने ऑल इंडिया बॉक्सिंग में जीता गोल्ड

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद के मुक्केबाज अंशुल सरोहा ने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में स्वर्णिम पंच लगा कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्थित द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब के बॉक्सर अंशुल सरोहा ने 24 दिसंबर से 05 जनवरी तक गुरु काशी यूनिवर्सिटी, भटिंडा में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी 49 से 51 किलोग्राम वजन वर्ग के फाइनल मैच में अंशुल ने देश भगत यूनिवर्सिटी के कृष्ण को 5-0 स्कोर से हराया। अंशुल ने जीत का श्रेय पिता मुकेश व अपने कोच ओलंपियन बॉक्सर व हरियाणा पुलिस में कार्यरत डीएसपी जय भगवान व अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर डॉ. राजीव गोदारा को दिया है। अंशुल सरोहा की माता का नाम अनिल कुमारी है और यह फरीदाबाद में सेक्टर 12 के पर्वतीय कॉलोनी में रहते हैं। अंशुल ने बॉक्सिंग की शुरूआत अपने बड़े भाई दिनेश महाजन के साथ की थी। फिर बॉक्सिंग कोच अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर राजीव गोदारा की देखरेख में अभ्यास कर पंच मजबूत किए और अब ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में गोल्ड जीतकर ना सिर्फ फरीदाबाद जिले का अपितु अपने राज्य का भी नाम रोशन किया। अंशुल राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगिताओं में पदक हासिल कर चुके हैं। पिछले साल 2024 में आयोजित आरएसी नेशनल गेम्स में रजत पदक हासिल किया था और 2024 में आयोजित आरएसी जोनल गेम्स स्वर्ण पदक हासिल किया था। इसी के साथ साथ 2019 में आयोजित स्कूल नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रजत पदक, 2020 में गुवाहाटी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रतिभागी रहे। 2018 में गुवाहाटी में हुए स्कूल नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2019 में पानीपत में डीएवी नेशनल यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2018 में चंडीगढ़ में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। उनके कोच ने बताया कि अंशुल गुरु काशी यूनिवर्सिटी बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन में स्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र हैं और स्वर्ण पदक जीतने के बाद इनका सिलेक्शन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में हो गया है। द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब की स्थापना ओलंपियन व अर्जुन अवॉर्ड हरियाणा पुलिस में कार्यरत डीएसपी जय भगवान व अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर डॉ. राजीव गोदारा के द्वारा 2013 में की गई थी। इस क्लब ने हर्ष गिल, अनुपमा, हिम्मत सिंह, हर्ष गहलोत, हर्ष शर्मा, तनीषा लांबा, माही सिवाच, अमनदीप जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सर निकाले हैं। इसी क्लब के बच्चे हरियाणा पुलिस, रेलवे तथा आर्मी मे गवर्नमेंट जॉब में हैं। इन्हीं अचीवमेंट्स को देखते हुए हरियाणा सरकार के द्वारा द्रोणाचार्य बॉक्सिंग क्लब को सरकारी खेल नर्सरी दी गई और इसी नर्सरी के कई बच्चे राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फरीदाबाद जिले का नाम रोशन कर चुके हैं।

फरीदाबाद : गर्म चाय गिरने से झुलसी बच्ची, अपस्पताल में हुई मौत

लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने दर्ज कराया केस

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद, । फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में नौ महीने की बच्ची की डाक्टरों की लापरवाही से मौत हो गई। यह आरोप बच्ची के पिता ने निजी अस्पताल पर लगाए हैं। दयालपुर के रहने वाले अर्जुन के अनुसार उनकी नौ महीने की बेटी वाकर से 30 दिसंबर को घर में खेल रही थी। बेटी वाकर को चलाकर किचन तक पहुंच गई। जहां पर चाय बन रही थी। चाय बच्ची के ऊपर गिर गई। इसके चलते चाय से बच्ची के पांव बुरी तरह जल गए। इसके बाद उसे पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनकी बेटी का डॉक्टर ने इलाज शुरू किया। इलाज करने वाले डॉक्टर कमल, सिद्दीकी और जीके शर्मा सहित अन्य डॉक्टर स्टाफ उनकी बच्ची के इलाज में 30 दिसंबर से लगे हुए थे, लेकिन लगातार उनकी बेटी की तबीयत बिगड़ रही थी और डॉक्टर उन्हें झूठी तसल्ली दे रहे थे। अर्जुन ने बताया कि उसने बार-बार डॉक्टर से बेटी को डिस्चार्ज करने और किसी अन्य अस्पताल में भेजने के लिए कहा, लेकिन डॉक्टर उन्हें यह आश्वासन देते रहे कि आप बेफिक्र रहें, आपकी बेटी सही है। जल्दी ठीक हो जाएगी। सोमवार सुबह उनकी बेटी की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। इसके बाद उनकी बेटी को बिना पूछे आईसीयू में भेज दिया। जब उन्होंने अपनी बेटी की तबीयत के बारे में पूछा तो डॉक्टर कमल और सिद्दीकी ने कहा आप घबराइए नहीं आपकी बेटी ठीक हो जाएगी। अर्जुन ने बताया कि डॉक्टर ने एक लाख जमा कराने की बात कही। इसके चलते उन्होंने अपनी बेटी को डिस्चार्ज करने की डॉक्टर से जिद की। डॉक्टर कमल और सिद्दीकी ने कहा कि आप एक लाख रुपये जमा कर दीजिए। इसके बाद उसने जबरदस्ती बेटी को निकाला। यहां से वह सर्वोदय अस्पताल ले गए। अस्पताल के डॉक्टरों ने दाखिल करने से मना कर दिया। वह ग्रेटर फरीदाबाद स्थित अमृता अस्पताल लेकर गए, जहां पर उनकी बेटी ने दम तोड़ दिया। थाना आदर्श नगर प्रभारी हरिकिशन का कहना है कि बच्ची का पोस्टमार्टम करा दिया है और पिता अर्जुन की शिकायत पर तीनों डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लाल डोरा में बसी आबादी को मालिकाना हक देने की प्रक्रिया हुई तेज, बनाई गई 10 अतिरिक्त टीमें

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम ने गांव के लाल डोर की आबादी को मालिकाना हक देने के लिए सेल्फ सर्टिफिकेट की प्रक्रिया तेज कर दी गई। अतिरिक्त आयुक्त स्वप्निल पाटिल की ओर से 10 टीम अतिरिक्त बनाई गई है। निगम की टीम गांव-गांव जाकर सर्वे कर रही है। गांव के नंबरदार की रिपोर्ट पर लाल डोरे की जमीन पर बसे लोगों के मकान की रजिस्ट्री एक रुपये में करवाई जाएगी। निगम की ओर से इनको मालिकाना सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया जाएगा। 31 मार्च तक लोगों को दिया जाएगा मालिकाना सर्टिफिकेट प्रदेश सरकार की स्वामित्व योजना के तहत मार्च तक इन लोगों को निगम की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इसके बाद कलेक्टर रेट पर ही इनकी रजिस्ट्री हो सकेगी। गांव के लाल डोरे में बसे लोगों के पास अभी तक सिर्फ घरों पर कब्जे हैं। उनके पास अपने घर, दुकान के मालिकाना हक का कोई दस्तावेज नहीं है। घर-घर जा रही नगर निगम की टीमें इसी के मद्देनजर नगर निगम द्वारा लोगों को लाभ देने की योजना बनाई गई है। इस योजना को सिरे चढ़ाने के लिए नगर निगम द्वारा प्रत्येक जोन में टीम गठित कर घर-घर भेजा जा रहा है। नगर निगम अधिकारी के अनुसार इस अभियान के जरिए लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है कि लोग अपनी संपत्ति के मालिकाना हक का सर्टिफिकेट लेने के लिए आगे आ सकें।

शराब के नशे में चालक ने दूसरी कार में टक्कर मारी

नोएडा, । थाना फेज-तीन में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि शराब के नशे में एक कार चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज का पुलिस मामले की जांच कर रही है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित निराला एस्टेट में रहने वाले संदीप भट्ट ने पुलिस को बताया कि वह शनिवार रात करीब सवा दस बजे पर्थला चौक से चार मूर्ति की ओर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में नोएडा नंबर की कार तेजी से आई और चालक ने कार से संदीप की गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में संदीप घायल हो गए और कार क्षतिग्रस्त हो गई। लोगों ने कार चालक को रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन आरोपी चालक नशे में था और ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। आरोपी चालक मौके से कार लेकर भाग गया। लोगों ने संदीप को नजदीक के अस्पताल पहुंचाया और उपचार कराया।

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच कोल्ड डे का अलर्ट, पश्चिमी यूपी में बूंदाबांदी के आसार

प्रात: किरण, संवाददाता

उत्तर प्रदेश में शीतलहर जारी है और कई जिलों में शीत दिवस की चेतावनी जारी की गई है। रविवार को बाराबंकी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा जबकि हमीरपुर के बाद लखनऊ तीसरा सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि छह जनवरी को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति बनी रह सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने की संभावना जताई छह जनवरी को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित है। रविवार को बाराबंकी प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जबकि हमीरपुर के बाद लखनऊ तीसरा सबसे ठंडा शहर रहा। पूरे दिन शीत दिवस (कोल्ड डे) की स्थिति रही, और घने कोहरे के कारण कई जिलों में सूरज की किरणें तक नहीं पहुंच सकीं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि छह जनवरी को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीत दिवस की स्थिति बनी रह सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। फिलहाल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में ठंड से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। प्रदेश कई जिलों में अभी शीतदिवस की चेतावनी, पुरवा हवा से लखनऊ में तापमान बढ़ेगा रविवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से 6.6 डिग्री कम, यानी 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस कारण पूरे दिन ठिठुरन बनी रही। रात का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बाराबंकी में दिन का अधिकतम तापमान सबसे कम 13 डिग्री सेल्सियस रहा। हमीरपुर में अधिकतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि इटावा की रात प्रदेश में सबसे अधिक सर्द रही। यहां न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग का ये है पूवार्नुमान आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को लखनऊ में कोहरे में कमी दर्ज की गई है। पछुआ हवाओं के स्थान पर दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ और बादल छाने के कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। सोमवार को लखनऊ में पुरवा हवाओं के कारण दिन और रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। अगले दो दिन कोल्ड डे रहेगा छह और सात जनवरी को वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं और आसपास क्षेत्रों में शीत दिवस रहेगा। वहीं, कुछ जिलों में घना कोहरा छाने से धूप बेअसर रह सकती है।

फरीदाबाद : दुकान का शटर उखाड़ सौ किलो कॉपर चोरी

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में दुकान से 100 किलो कॉपर का पाइप चोरी हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें तीन बदमाश बाइक पर आते दिख रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खेड़ी थाना क्षेत्र की न्यू भारत कॉलोनी के दुकानदार परविंदर कौर ने बताया कि रविवार शाम उन्होंने रोज की तरह दुकान बंद की और घर चले गए। सोमवार की सुबह जब दुकान पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। परविंदर कौर ने कहा कि दुकान का एक शटर उखड़ा हुआ था और गल्ले से 800 रुपए भी गायब थे। अंदर घुसकर देखा, तो काफी सामान बिखरा हुआ था और 100 किलो कॉपर पाइप गायब थी। सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर बाइक पर आते हुए दिखाई दिए, जो शटर तोडकर दुकान में दाखिल हुए और फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

फरीदाबाद : क्रशर जोन से चार बैट्रियां व नगदी ले उड़े चोर

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में क्रशर जोन से चार बैट्रियां और गल्ले में रखे 59 हजार रुपए चोरी हो गए। सीसीटीवी की डीवीआर को भी चोरों ने चुरा लिया। कैंटर ड्राइवर वहीं सोता रहा, मगर उसे भनक भी नहीं लगी। मालिक ने कहा कि आरोपी पहले कई दिनों रेकी कर रहे थे। घटना सूरजकुंड रोड के पास से क्रेशर जोन की है। ड्राइवर संतोष ने बताया कि वह रात को थका हुआ था और सो रहा था। सोमवार सुबह लगभग 5 बजे के आसपास उठा भी था, तब सब कुछ सामान्य था। लेकिन 5 के बाद जब नींद से उठा, तो वहां से इन्वर्टर की चार बैट्रियां और मुंशी के गले में रखे 59 हजार रुपए गायब थे। इसकी जानकारी उसने अपने मालिक राजू भड़ाना को दी। राजू भड़ाना के मुताबिक इस इलाके में एक मारुति कई दिनों से लगातार घूम रही थी। उन्हें लगता है कि इलाके की पहले रेकी की गई है, फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

2.78 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी को अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद पुलिस का फरीदाबाद को नशा मुक्त बनाने के लिए नशा तस्करों पर लगातार प्रहार जारी है। इसी क्रम में अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम को सचिन के पास हेरोइन होने की सूचना प्राप्त हुई सूचना के अनुसार आरोपी सचिन वासी भारत कॉलोनी खेडीपुल को आगरा कैनाल नियर सेक्टर 17 पुल फरीदाबाद से काबू किया है। आरोपी से मौके पर 2.78 हेरोइन बरामद हुई है। सचिन के विरुद्ध थाना खेडीपुल में नशा तस्करी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि हेरोइन को फरीदाबाद में किसी व्यक्ति से 5000/-र में खरीद कर लाया था। जिसमें से कुछ प्रयोग कर लिया व कुछ बेच दिया। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

देसी कट्टा सहित आरोपी को अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने किया गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों पर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में कार्रवाई करते हुए 05 जनवरी को अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने आरोपी आशिष वासी नंगला एनक्लेव फरीदाबाद को सेक्टर-48 हुड्डा ग्राउड के पास से काबू किया है। आरोपी से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। जिसके खिलाफ थाना एसजीएम नगर फरीदाबाद में अवैध हथियार रखने की धारा में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि देसी कट्टा को किसी अंजान व्यक्ति से लेकर लाया था। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

हल्के वाहनों की नई सीरीज जारी

नोएडा, । हल्के वाहनों की नई सीरीज यूपी16ईयू सोमवार को जारी कर दी गई है। लोग सीरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को पंजीकरण करा सकते हैं। इसके लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट www.privhf.gov.if पर जाना होगा। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार निजी वाहनों की पंजीकरण सीरीज यूपी16 ईएस पूरी होने के बाद ब्लॉक कर दी गई है। वहीं, नई सीरीज यूपी 16 ईयू जारी कर दी गई है। लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट www.privhf.gov.if पर नीलामी में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण करा सकते हैं। तीन दिन पंजीकरण के बाद अगले तीन दिन नंबरों की बोली लगेगी। लोग परिवहन विभाग की वेबसाइट पर बोली खत्म होने के अगले दिन शाम छह बजे नीलामी के नतीजे देख सकेंगे। इसके बाद जितने नंबर बचेंगे, उनके लिए फिर से नीलामी की प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं सामान्य पसंदीदा नंबर भी लोग बुक कर सकते हैं। इसमें दोपहिया वाहन के लिए एक हजार रुपये और चार पहिया वाहन के लिए पांच हजार रुपये शुल्क निर्धारित है।

पड़ोसियों ने मां-बेटे पर बेल्ट से वार किए

नोएडा, । सेक्टर-121 क्षेत्र स्थित बलवंत नगर में रविवार दोपहर पड़ोसियों में विवाद हो गया। आरोपी पड़ोसियों ने महिला और उसके पुत्र को बेल्ट से पीटा। पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर दो लोगों के खिलाफ शांतिभंग की धाराओं में कार्रवाई की। पीड़िता सीमा देवी ने पुलिस को बताया कि वह मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करती हैं। आरोप है कि उनके पड़ोसी मनोज, पवन और उनके परिवार के लोग उनसे रंजिश मानते हैं। आए दिन गाली-गलौज करते हैं। कुछ दिन पहले मोहल्ले में ढोल बजाने वाले आए थे। पवन ने उनसे ढोल वालों को रुपये देने के लिए कहा। सीमा देवी ने रुपये देने से इनकार कर दिया। इस पर पवन नाराज हो गया और महिला से ही ढोल बजाने के लिए कहने लगा। इस पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। बीते शनिवार को आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट। उस समय पुलिस में शिकायत नहीं की। आरोप है कि रविवार दोपहर करीब तीन बजे मनोज और पवन ने एक बार फिर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो आरोपियों ने बेल्ट से मारपीट की। बचाने आए महिला के पुत्र आकाश के साथ भी मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि पिटाई से वह बेहोश हो गईं और पुत्र को गंभीर चोट आई। थाना प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शिकायत पर एनसीआर दर्ज कर ली है। दो आरोपियों का शांतिभंग की धारा में चालान किया गया है।

पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया

नोएडा, । कृष्णनगर मंडल के नए अध्यक्ष मनीष तिवारी की सम्मान में यूसुफपुर चकशाहबेरी में समारोह आयोजित किया गया। कार्यकताओं ने मनीष तिवारी को शॉल ओढ़ाकर और फूलमाला पहनाकर सम्मान किया। साथ ही संकल्प लिया कि क्षेत्र में पार्टी को और मजबूत करने के लिए कार्य किया जाएगा। मनीष तिवारी ने कहा कि पार्टी ने उन्हें मंडल अध्यक्ष बनाकर क्षेत्र के कार्यकताओं का मान बढ़ाया है। वह कार्यकताओं और पार्टी के हित में काम कर भाजपा को सबसे मजबूत पार्टी बनाएंगे।

जन्मदिन (06 जनवरी) पर विशेषः ए.आर.रहमान ने दिलाई भारतीय सिनेमा संगीत को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान

प्रातः किरण,/ एजेसी

भारतीय सिनेमा संगीत को अंतराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाने वाले ए.आर.रहमान आज 58 वर्ष के हो गये। 06 जनवरी 1967 को तमिलनाडु में जन्में रहमान का रूझान बचपन के दिनों से हीं संगीत की ओर था। उनके पिता आर.के.शेखर मलयालम फिल्मों के लिये संगीत दिया करते थे। रहमान भी अपने पिता की तरह ही संगीतकार बनना चाहते थे। संगीत के प्रति रहमान के बढ़ते रूझान को देख उनके पिता ने उन्हे इस राह पर चलने के लिये प्रेरित किया और उन्हें संगीत की शिक्षा देने लगे। सिंथेसाइजर और हारमोनियम पर संगीत का रियाज करने वाले रहमान की ह्यकी बोर्डह्ल पर उंगलियां ऐसा कमाल करती तो सुनने वाले मुग्ध रह जाते कि इतना छोटा बच्चा इतनी मधुर धुन कैसे बना सकता है। उस समय रहमान की उम्र महज छह वर्ष की थी। एक बार रहमान के घर में उनके पिता के एक मित्र आये और जब उन्होंने रहमान की बनायी धुन सुनी तो सहसा उन्हे विश्वास नही हुआ उनकी परीक्षा लेने के लिये उन्होंने हारमोनियम के ऊपर कपडा रख दिया और रहमान से धुन निकालने के लिये कहा। हारमोनियम पर रखे कपड़े के बावजूद रहमान की उंगलियां बोर्ड पर थिरक उठी और उस धुन को सुन वह चकित रह गये। कुछ दिनो के बाद रहमान ने एक बैंड की नींव रखी जिसका नाम था नेमेसीस एवेन्यू.. वह इस बैंड में सिंथेसाइजर. पियानो. गिटार. हारमोनियम बजाते थे। अपने संगीत के शुरूआती दौर से ही रहमान को सिंथेसाइजर ज्यादा अच्छा लगता था। उनका मानना था कि वह एक ऐसा वाद्य यंत्र है जिसमें संगीत और तकनीक का बेजोड मेल देखने को मिलता है। रहमान अभी संगीत सीख हीं रहे थे तो उनके सर से पिता का साया उठ गया लेकिन रहमान ने हिम्मत नही हारी और संगीत का रियाज सीखना जारी रखा। वर्ष 1989 की बात है रहमान की छोटी बहन काफी बीमार पड गयी और सभी चिकित्सको ने यहां तक कह दिया कि उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं है। रहमान ने अपनी छोटी बहन के जीवन की खातिर मंदिर..मस्जिदों में दुआयें मांगी जल्द हीं उनकी दुआ रंग लाई और उनकी बहन चमत्कारिक रूप से एकदम स्वस्थ हो गयी। इस चमत्कार को देख रहमान ने इस्लाम कबूल कर लिया और इसके बाद उनका नाम ए.एस. दिलीप कुमार से अल्लाह रखा रहमान यानी ए.आर.रहमानः हो गया। इस बीच रहमान ने मास्टर धनराज से संगीत की शिक्षा हासिल की और दक्षिण फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार इल्लय राजा के समूह के लिये ह्यकी बोर्डह्ल बजाना शुरू कर दिया उस समय रहमान की उम्र महज 11 वर्ष थी। इस दौरान रहमान ने कई बड़े एवं नामी संगीतकारों के साथ काम किया इसके बाद रहमान ने लंदन के ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ म्यूजिक में स्कॉलरशिप का मौका मिला जहां से उन्होंने वेस्टर्न क्लासिकल म्यूजिक की स्नातक की डिग्री भी हासिल की। स्नातक की डिग्री लेने के बाद रहमान घर आ गये और उन्होंने अपने घर में हीं एक म्यूजिक स्टूडियों खोला और उसका नाम पंचाथम रिकार्ड इन रखा। इस दौरान रहमान ने लगभग एक साल तक फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिये संघर्ष करते रहे और टीवी के लिये छोटे मोटे संगीत देने और रेडियो जिंगल बनाने का काम करते रहे। वर्ष 1992 रहमान के सिने कैरियर का महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। अचानक उनकी मुलाकात फिल्म निर्देशक मणि रत्नम से हुयी। मणि उन दिनो फिल्म रोजा के निर्माण में व्यस्त थे और अपनी फिल्म के लिये संगीतकार की तलाश में थे। उन्होंने रहमान को अपनी फिल्म में संगीत देने की पेशकश की। कश्मीर आतंकवाद के विषय पर आधारित इस फिल्म में रहमान ने अपने सुपरहिट संगीत से श्रोताओं का दिल जीत लिया और इसके साथ हीं वह सर्वश्रेष्ठ संगीतकार के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किये गये। इसके बाद रहमान ने पीछे मुड़कर कभी नहीं देखा और फिल्मों में अपने एक से बढकर एक एवं बेमिसाल संगीत से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद रहमान ने तिरूड़ा तिरूड़ा, बांबे, जैंटलमैन, इंडियन और कादलन आदि फिल्मों में भी सुपरहिट संगीत दिया और संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बना ली। रहमान ने कर्नाटक संगीत, शास्त्रीय संगीत और आधुनिक संगीत का मिश्रणकर श्रोताओं को एक अलग संगीत देने का प्रयास किया। अपनी इन्हीं खूबियों के कारण वह श्रोताओं में बहुत लोकप्रिय हो गए। इसके बाद रहमान निमार्ता..निर्देशको की पहली पसंद बन गये और वे रहमान को अपनी फिल्म में संगीत देने के लिये पेशकश करने लगे। वर्ष 1997 में भारतीय स्वतंत्रता की 50 वीं वर्षगांठ पर उन्होंने स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के साथ मिलकर वंदे मातरम यानी मां तुझे सलाम का निर्माण किया। इसके बाद वर्ष 1999 में रहमान ने कॉरियोग्राफर शोभना, प्रभुदेवा और उनके डांसिंग समूह के साथ मिलकर माइकल जैक्सन के माइकल जैक्सन एंड फ्रैंड्स टूर के लिये म्यूनिख, जर्मनी में कार्यक्रम पेश किया। इसके बाद रहमान को म्यूजिक कान्सर्ट में भाग लेने के लिये विदेशो से भी प्रस्ताव आने लगे। उन्होंने पाश्चात्य संगीत के साथ साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत के मिश्रण को लोगों के सामने रखना शुरू कर दिया था। ए.आर रहमान को बतौर संगीतकार अब तक दस बार फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इन सबके साथ ही अपने उत्कृठ संगीत के लिये ए.आर .रहमान को चार बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा जा चुका है। इन सबके साथ ही विश्व संगीत में महत्वपूर्ण योगदान के लिये वर्ष 2006 में उन्हें स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में सम्मानित किया गया। रहमान के सिने कैरियर में एक नया अध्याय उस समय जुड गया जब ए आर रहमान ने फिल्म स्लमडाग मिलिनेयर के लिए दो आस्कर पुरस्कार जीतकर नया इतिहास रच दिया। रहमान को 81वें एकादमी अवार्ड समारोह में इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। रहमान आज भी उसी जोशो खरोश के साथ संगीत जगत को अपने जादुई संगीत से सुशोभित कर रहे है।

रॉकिंग स्टार यश ने टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का पोस्टर रिलीज किया

मुंबई, । रॉकिंग स्टार यश, ने अपनी आगामी फिल्म, टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का एक पोस्टर रिलीज किया है। यश ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा किया और कैप्शन दिया, ह्लअनलीशिंग हिम...ह्ल, पोस्टर उत्सुकता को जन्म देता है और इस फिल्म में क्या शामिल है, इसके बारे में अटकलें लगाता है और 8-1-25 की तारीख और 10:25 बजे के समय पर ध्यान आकर्षित करता है। जैसे-जैसे यश का जन्मदिन नजदीक आ रहा है, प्रशंसक 2025 के सबसे बड़े सिनेमाई खुलासों में से एक के लिए तैयार हो रहे हैं। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के तहत वेंकट के. नारायण और यश द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित, टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है, जो एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित फिल्म निमार्ता हैं।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी का नया ट्रेलर रिलीज

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। जी स्टूडियोज और मणिकर्णिका फि ल्म्स निर्मित, इमरजेंसी की कहानी वर्ष 1975 पर आधारित है, जब भारत में इमरजेंसी लागू हुई थी। इस फिल्म में कंगना रनौत, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आयेंगी। कंगना रनौत ने कहा,यह कहानी केवल एक विवादास्पद नेता के बारे में नहीं है; यह आज भी प्रासंगिक विषयों में गहराई से जाती है। फिल्म इमरजेंसी में कंगना रनौत के अलावा अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन,श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। कंगना ने इमरजेंसी में अभिनय करने के साथ ही फिल्म का निर्माण और निर्देशन भी किया है। इमरजेंसी में अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण,श्रेयस तलपड़े अटल बिहारी वाजपेयी, मिलिंद सोमन फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ,महिमा चौधरी पुपुल जयकर, विशाक नायर संजय गांधी,और दिवंगत सतीश कौशिक जगजीवन राम के किरदार में नजर आयेंगे। यह फिल्म 17 जनवरी को रिलीज होगी।

सलमान खान और महेश बाबू ने सोनू सूद की फिल्म फतेह का दूसरा ट्रेलर लॉन्च किया

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड स्टार सलमान खान और दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार महेश बाबू ने सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का दूसरा ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। सोनू सूद की बतौर निर्देशक पहली फिल्म फतेह का दूसरा ट्रेलर सलमान खान और महेश बाबू ने रिलीज किया है। इन सिनेमाई दिग्गजों ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म फतेह की एक और झलक दिखाई, जिसने इंटरनेट पर उत्साह जगा दिया। सोनू सूद और महेश बाबू, जिन्होंने आखिरी बार 2005 की तेलुगु एक्शन हिट अथाडू में साथ काम किया था, अपने प्रशंसकों के लिए यह शानदार ट्रेलर पेश करने के लिए फिर से साथ आए हैं। इसी तरह, दबंग में सलमान खान और सोनू सूद की प्रतिष्ठित प्रतिद्वंद्विता इस रोमांचक रिलीज में एक पुरानी यादों को ताजा करती है। सोनू सूद ने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा,मैं सुपरस्टार सलमान खान और सुपरस्टार महेश बाबू का ट्रेलर लॉन्च करके फतेह का समर्थन करने के लिए वास्तव में आभारी हूं। उनकी उपस्थिति और समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है, और मैं इस ट्रेलर को दर्शकों तक पहुंचाने के लिए इससे बेहतर भागीदारों की उम्मीद नहीं कर सकता था। मैं मुझ पर और इस फिल्म के विजन पर उनके विश्वास के लिए बहुत आभारी हूं। शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद, जी स्टूडियो के उमेश केआर बंसल और अजय धामा सह-निर्मित, फतेह साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह की भी अहम भूमिका है यह फिल्म 10 जनवरी को रिलीज होगी।

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 द रूल ने भारतीय बाजार में 1200 करोड़ की कमाई की

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने भारत बाजार में 1200 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। सुकुमार के निर्देशन में बनी पुष्पा 2 : द रूल 05 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी थी। फिल्म पुष्पा 2 : द रूल की रिलीज को 32 दिन हो गये हैं, इसके बाद भी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। पुष्पा 2 द रूल ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में काफी धांसू कमाई कर रही है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार पुष्पा 2 : द रूल भारत की पहली फिल्म बन गई है, जिसने 1200 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। फिल्म ने 32 दिनों में 1206 करोड़ रुपए का कारोबार कर लिया है। पुष्पा 2 : रूल ने हिंदी में 791.2 करोड़, तेलगु में 334.76 करोड़, तमिल में 58.16 करोड़, कन्नड़ में 7.73 करोड़ और मलयालम में 14.15 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। पुष्पाः द राइज के सीक्वल पुष्पा 2: द रूल का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स ने किया है।

आर्यन खान का फैशन लेबल डी यावोल 12 जनवरी को पेश करेगा नया एक्स-3 कलेक्शन : शाहरुख खान

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनके बेटे आर्यन खान का फैशन लेबल डी यावोल 12 जनवरी को अपना नया एक्स-3 कलेक्शन लॉन्च करेगा। इस रोमांचक अपडेट को शेयर करते हुए अभिनेता ने अपने एक्स हैंडल पर अपने बेटे के ब्रांड को बढ़ावा देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, एक नई कृति। एक्स3। 12 जनवरी को आ रही है। आर्यन खान, बंटी सिंह और लेटी ब्लागोएवा द्वारा स्थापित हाई-एंड स्ट्रीटवियर ब्रांड डी यावोल ने सितंबर 2024 में न्यूयॉर्क फैशन वीक में अपनी वैश्विक शुरूआत की। न्यूयॉर्क के द पियरे होटल में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को ब्रांड के आगामी एक्स-3 कैप्सूल संग्रह की एक झलक देखने को मिली। संग्रह के बारे में बात करते हुए आर्यन खान ने बताया कि यह प्रयोग के सार को दशार्ता है, जबकि सामग्री और सिलाई में उत्कृष्टता के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता के प्रति सच्चा है। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान एक गौरवान्वित पिता, डी यावोल ब्रांड को बढ़ावा देकर आर्यन की उद्यमशीलता की यात्रा में सक्रिय रूप से उनका समर्थन कर रहे हैं। इस बीच, अभिनेता ने हाल ही में अलीबाग में छुट्टियां मनाने के बाद अपने परिवार के साथ मुंबई लौटने के बाद नए साल का जश्न मनाने के लिए एक अज्ञात स्थान पर जाने के बाद सुर्खियां बटोरीं। पेशेवर मोर्चे पर शाहरुख खान को हाल ही में राजकुमार हिरानी की डंकी में देखा गया था, जो एक कॉमेडी-ड्रामा है जो विवादास्पद अवैध आव्रजन पद्धति गधा उड़ान से प्रेरित है। फिल्म में तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल भी हैं। अभिनेता अगली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ किंग में नजर आएंगे। बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर का निर्देशन सुजॉय घोष करेंगे। किंग सुहाना खान की नाट्य शुरूआत होगी, जोया अख्तर की आने वाली उम्र की पीरियड ड्रामा द आर्चीज में उनकी भूमिका के बाद होगी, जिसका प्रीमियर 2023 में नेटफ्लिक्स पर हुआ था। इसके अलावा, इस प्रोजेक्ट में अभिषेक बच्चन, शाहरुख खान और सुजॉय घोष फिर से साथ आ रहे हैं, जिन्होंने पहले 2021 की थ्रिलर बॉब बिस्वास में साथ काम किया था।

वेपुल अमृतलाल शाह ने सनशाइन पिक्चर्स का आईपीओ लॉन्च किया

मुंबई, । बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार वेपुल अमृतशाह ने अपनी कंपनी सनशाइन पेक्चर्स लिमिटेड का आईपीओ लांच किया है। विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री की तेजी से बदलती गतिशीलता में सार्वजनिक होना सनशाइन पिक्चर्स के लिए सबसे बेहतर विकल्प प्रतीत होता है।आज का सिनेमा बहुत गतिशील हो गया है और यह एक बड़ा अवसर है। पहले से बेहतर अवसर है और अधिक से अधिक प्रभावशाली फिल्में बनाने के लिए आपको अपने दृष्टिकोण में भी बदलाव लाने की आवश्यकता है, और यह कदम उसी दिशा में है। विपुल अमृतलाल शाह और उनकी कंपनी सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए प्राप्त धनराशि का उपयोग भविष्य में कंपनी की वृद्धि और संचालन के लिए दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और अन्य सामान्य कॉपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। विपुल अमृतलाल शाह जल्द हीं अपनी अगली फिल्म हिसाब के साथ आ रहे हैं। यह फिल्म सनशाइन पिक्चर्स और जियो स्टूडियो के सहयोग से निर्मित है। इस फिल्म का निर्देशन और निर्माण विपुल अमृतलाल शाह ने किया है, जबकि सह-निमार्ता आशीष ए शाह हैं।

ऋतिक रोशन ने बताया साल 2025 में क्या है उनका प्लान

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । साल 2025 को लेकर फिल्म जगत के सितारों के बीच एक अलग ही उत्साह है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि साल 2025 में उनका क्या प्लान है। अभिनेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट पोस्ट को अक्सर फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। ऐसे में बात नए साल के प्लान की हो तो वह भला कैसे पीछे रह सकते हैं। रोशन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर को शेयर करते हुए बताया कि मजबूत दिखने और मजबूत होने में बहुत अंतर होता है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा,मजबूत होने और मजबूत दिखने में बहुत अंतर है। इस साल मैं असली चीज के लिए तैयार हो रहा हूं ह्ल शेयर की गई तस्वीर में अभिनेता अपनी बॉडी को फ्लॉन्ट करते नजर आए। सोशल मीडिया पर सक्रिय ऋतिक रोशन हाल ही में एक पोस्ट साझा कर वह अपनी खास दोस्त सबा आजाद का हौसला बढ़ाते नजर आए थे। उन्होंने सबा का एक खूबसूरत वीडियो साझा किया, जिसमें वह गाती नजर आई थीं। इस पोस्ट। के साथ रोशन ने कैप्शन में लिखा था, किलिंग इट। यह पहली बार नहीं है जब ऋतिक ने सबा आजाद की तारीफ की हो। वह अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें प्यार भरे संदेश देते हैं। पिछले महीने, फाइटर अभिनेता ने सबा के जन्मदिन पर एक पोस्ट शेयर की थी। जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक्टर ने कई शानदार तस्वीरें साझा की थी। ऋतिक रोशन के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता जल्द ही अयान मुखर्जी के निर्देशन में तैयार एक्शन-ड्रामा वॉर 2 के साथ धमाल मचाने को तैयार हैं। अभिनेता इस फिल्मव में कबीर के रूप में अपनी भूमिका को दोहराएंगे। आगामी एक्शन-थ्रिलर में ऋतिक रोशन के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आमिर खान को पसंद आयी फिल्म लवयापा

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड के मिस्टर परफेशनिस्ट आमिर खान को अपने बेटे जुनैद खान और बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर की आने वाली फिल्म लवयापा बेहद पसंद आयी है। जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे लोग पसंद कर रहे हैं।आमिर खान और उनके बेटे जुनैद खान को हाल ही में पृथ्वी थिएटर में स्पॉट किया गया। फिल्म लवयापा के बारे में बात करते हुए जुनैद खान ने कहा, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। यह एक बहुत ही एक्साइटिंग फिल्म है। मेरे लिए यह रोल बिल्कुल नया है,महाराज से काफी अलग इसलिए मेरे लिए एक एक्टर के तौर पर चैलेंजिंग भी है। और हां, यह मेरी पहली थिएट्रिकल रिलीज है। आमिर खान ने फिल्म लवयापा पर अपनी पहली राय बताते हुए कहा, मैंने इसका रफ कट देखा है और सच कहूं तो मुझे ये फिल्म काफी पसंद आई। ये बहुत मजेदार और एंटरटेनिंग है। आजकल हमारी जिंदगी मोबाइल फोन्स की वजह से काफी बदल गई है,और उससे जुड़ी जो मजेदार बातें होती हैं, वो इसमें दिखाई गई है। सभी एक्टर्स ने बढ़िया काम किया है। जब मैंने फिल्म देखी और खुशी को स्क्रीन पर देखा, तो ऐसा लगा जैसे मैं श्रीदेवी को देख रहा हूं। वही एनर्जी, वही फील स्क्रीन पर झलक रही थी। मैं खुद श्रीदेवी का बहुत बड़ा फैन हूं। फैंटम स्टूडियोज और एजीएस एंटरटेनमेंट निर्मित प्रोड्यूस और अद्वैत चंदन निर्देशित फिल्म लवयापा 07 फरवरी को रिलीज होगी।

हॉरर एडवेंचर फिल्म किंग्सटन में मुख्य भूमिका निभाएंगे जीवी प्रकाश कुमार

मुंबई, । दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता जीवी प्रकाश कुमार हॉरर एडवेंचर फिल्म, किंग्स्टन में काम करते नजर आयेंगे। जी. वी. प्रकाश कुमार पहली सी हॉरर एडवेंचर फिल्म, किंग्स्टन के लिए तैयार हैं, जो तमिल, तेलुगु और हिंदी में रिलीज होगी। यह फिल्म हॉलीवुड फिल्मों ह्यपाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन, इंडियाना जोन्स और हैरी पॉटर श्रृंखला का अनुसरण करेगी। जी. वी. प्रकाश ने साझा किया कि वह इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर ले जाना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि इस फिल्म का कथानक प्राचीन किंवदंतियों और अलौकिक शक्तियों का मिश्रण होगा। कहानी का उद्देश्य दर्शकों को गहरे समुद्र के रोमांच की दुनिया में ले जाना है, जिससे गहरे समुद्र के रहस्यों का पता चलता है। फिल्म किंग्स्टन में जी. वी. प्रकाश कुमार के अपोजिट दिव्या भारती नजर आएंगी। कमल प्रकाश निर्देशित यह फिल्म मार्च में तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में वैश्विक स्तर पर रिलीज होने वाली है।

शाहिद कपूर ने देवा को अपने करियर की सबसे चैलेंजिंग मूवी बताया

मुंबई, । एक्टर शाहिद कपूर ने अपनी आगामी फिल्म ह्यदेवाह्ल को अपने करियर की सबसे चैलेंजिंग मूवी बताया है। एक्टर ने बताया कि यह फिल्म उन्हें ऐसे तरीके से आगे ले जाती है, जिसका उन्होंने पहले कभी अनुभव नहीं किया। शाहिद ने यह भी बताया कि यह फिल्म एक ही किरदार के दोहरेपन को गहराई से दशार्ती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शाहिद ने कहा,मुंबई के देवा का पागलपन मुंबई के पागलपन को दशार्ता है। किरदार का नाम देव है, लेकिन इसमें एक ए भी है, जो उसे देवा बनाता है। हम सभी के अंदर दो पहलू होते हैं- एक देव और एक असुर। यह फिल्म एक किरदार के द्वंद्व को दशार्ता है। मुंबई काफी हद तक ऐसी ही है- इसमें खूबसूरती है, लेकिन इसमें एक अलग पहलू भी है। यही विरोधाभास मुंबई को उसका अनूठा आकर्षण देता है। उन्होंने कहा,यह फिल्म लोगों के लिए है। हमने इसे दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाया है, जो उनके जीवन और अनुभवों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह एक ऐसी कहानी है जो सभी को पसंद आएगी। उन्होंने आगे कहा, सालों से लोग मुझसे एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए कह रहे हैं, जो लोगों को जोड़े। यह मेरी यात्रा का अगला चरण है- लोगों के लिए गढ़ा गया एक किरदार। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक रहा है, कई स्तरों पर अविश्वसनीय रूप से चुनौतीपूर्ण। लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता। इसे 31 जनवरी को देखें, और आप देखेंगे कि हम सभी में एक देव है। यह एक दिल को छू लेने वाली, खूबसूरत फिल्म है, और मैं वादा कर सकता हूं कि दर्शक इसे देखने का पूरा आनंद लेंगे। जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा निर्मित देवा का बहुप्रतीक्षित टीजर रविवार को रिलीज किया गया। बिना किसी संवाद के टीजर में शाहिद की खास शैली को दिखाया गया है, साथ ही एक्शन और डांस सीक्वेंस में उनके प्रभावशाली कौशल को भी दशार्या गया है। मलयालम फिल्म निमार्ता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित देवा 31 जनवरी को रिलीज होगी।

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने बताया, क्यों हैं वह ड्रीमर

प्रातः किरण,/ एजेसी

मुंबई, । बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने खुलासा किया है कि वह एक ड्रीमर हैं, और उनका कॉफी मग भी इस बात को बताता है। वास्तव में कॉफी मग ह्यउनका सार है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने बड़े व्हाइट कॉफी मग की तस्वीर शेयर की, जिस पर ड्रीमर लिखा हुआ है। इसके बाद उन्होंने कैप्शन में एक पोल जोड़ते हुए लिखा,क्या आपका कप आपको सब कुछ बता सकता है? अभिनेत्री ने लिखा,हां! मेरा भी बताता है। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। वह हाल ही में नए साल की छुट्टियों से वापस आई हैं। इस महीने की शुरूआत में अभिनेत्री ने अपने परिवार के साथ छुट्टियों की कई तस्वीरें शेयर की थीं। तस्वीरों में वह अपने पति और अभिनेता रणबीर, बेटी राहा कपूर, मां सोनी राजदान, निर्देशक अयान मुखर्जी, सास नीतू कपूर और ननद रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ नजर आईं। तस्वीरों को साझा करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था,2025 जहां प्यार ले जाता है और बाकी सब बस उसके पीछे चलता है! सभी को नया साल मुबारक। आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अगली बार अल्फा में दिखाई देंगी। इसका निर्देशन शिव रवैल ने किया है, जो स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन के लिए जाने जाते हैं, जिसका निर्माण यशराज फिल्म्स ने किया था। अल्फा जासूसी जगत की पहली महिला प्रधान फिल्म है। इसमें आलिया भट्ट के साथ शरवरी वाघ और अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म के निमार्ताओं ने हाल ही में एक स्पेशल वीडियो साझा कर फिल्म के टाइटल को पेश किया था।

संक्षिप्त खबरें

इन्फोसिस ने वार्षिक वेतन बढ़ोतरी को टाला

नई दिल्ली, । देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इन्फोसिस ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में भी वार्षिक वेतन बढ़ोतरी को टाल दिया है। यह जानकारी सोमवार को रिपोर्ट्स में दी गई। रिपोर्ट्स में बताया गया कि आमतौर पर साल के शुरूआत में लागू होने वाली वेतन वृद्धि में देरी इस बात का संकेत है कि आईटी सेक्टर अभी भी अनिश्चितता का सामना कर रहा है और इस दबाव की वजह वैश्विक अस्थिरता के चलते क्लाइंट्स द्वारा अपने आईटी खर्च में बढ़ोतरी न करना है। इन्फोसिस ने आखिरी बार वेतन बढ़ोतरी नवंबर 2023 में लागू की थी।इन्फोसिस ही नहीं दूसरी अन्य बड़ी आईटी कंपनियों जैसे एचसीएल टेक, एलटीआईमाइंडट्री और एलएंडटी टेक सर्विसेज ने भी दूसरी तिमाही में लागत और मुनाफे को मैनेज करने के लिए वेतन बढ़ोतरी नहीं की थी। इन्फोसिस को लेकर मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने अपने प्री-अर्निंग नोट में कहा था कि इन्फोसिस का मार्जिन दिसंबर तिमाही में कम हो सकता है।

सीईएस 2025: सैमसंग के एआई-कनेक्टेड घरेलू उपकरणों, 8के क्यूएलईडी टीवी पर खास फोकस

लास वेगास, । दक्षिण कोरिया की दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका के लास वेगास में सीईएस 2025 में ह्लहोम एआईह्व नाम की एक अत्याधुनिक तकनीक पेश करेगी। यह तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाकर एक बेहद निजी और शानदार अनुभव प्रदान करेगी। सैमसंग 3,368 वर्ग मीटर का सबसे बड़ा शो रूम लगाएगा, जहां ह्लएआई फॉर ऑलह्व थीम के तहत कंपनी की नई तकनीकें और स्मार्ट होम सॉल्यूशन्स को दिखाया जाएगा। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, सैमसंग की होम एआई तकनीक स्मार्टथिंग्स प्लेटफॉर्म के जरिए डिवाइस डेटा को एनालाइज करती है। यह प्लेटफॉर्म वॉशिंग मशीन, टीवी, लैपटॉप और स्मार्टफोन जैसे कई सैमसंग प्रोडक्ट्स में इंटीग्रेट किया गया है। यह तकनीक परिवारों के लिए उनकी जीवनशैली के हिसाब से घर को और सुविधाजनक और व्यक्तिगत बनाती है।सैमसंग का यह कनेक्टेड अनुभव सिर्फ घरों तक सीमित नहीं रहेगा। इसे गाड़ियों, जहाजों और व्यापारिक जगहों जैसे अपार्टमेंट, ऑफिस और होटलों तक भी बढ़ाया जाएगा।कंपनी ने अपने टीवी में स्पोकन सबटाइटल्स फीचर को अपग्रेड किया है, जो खासकर दृष्टिहीन लोगों के लिए कंटेंट को और स्पष्ट करता है।

2025 में बेहतर स्थिति में भारतीय आईटी सेक्टर, डॉलर की मजबूती से मिलेगा बल : रिपोर्ट

नई दिल्ली, । भारतीय आईटी सेक्टर के लिए मैक्रो इकोनॉमिक माहौल पिछले दो वर्षों की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में है, जिससे 2025 में इस सेक्टर के पुनरुद्धार होने की उम्मीद की जा रही है। सोमवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बीएनपी पारिबा इंडिया की इंडिया आईटी सर्विसेज 2025 रिपोर्ट में कहा गया है कि ह्यफेड की ब्याज दरों में कटौती अब एक उम्मीद नहीं रह गई है, बल्कि यह अच्छी तरह से चल रही है। मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और अमेरिकी चुनाव पीछे छूट गए हैं। साथ ही नए प्रशासन को व्यापार के अनुकूल माना जा रहा है। आईटी और ऑटो के विश्लेषक कुमार राकेश ने कहा, बीएनपीपीई इक्विटी स्ट्रैटेजी टीम द्वारा 2025 के लिए हाइलाइट किए गए कुछ विषय, जो हमें लगता है कि भारतीय आईटी सर्विस सेक्टर की मदद करेंगे, उनमें डॉलर की मजबूती, इन्वेंट्री रीस्टॉकिंग और रिटेल कंज्यूमर फ्रेंडली थीम शामिल हैं। फेड ऐसे समय में दरों में कटौती कर रहा है, जब बाजार पहले से ही उच्च स्तर पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐतिहासिक रूप से यह बाजार के लिए तेजी का संकेत रहा है। साथ ही, रिपब्लिकन की जीत के साथ, आगे राजकोषीय सहजता की संभावना है। ह्यअमेरिकी उपभोक्ता विश्वास लचीला रहा है और एंटरप्राइज कैपेक्स आउटलुक में सुधार हो रहा है। कुमार ने कहा, हम इन सभी बातों को भारतीय आईटी सर्विस के लिए सकारात्मक मानते हैं। हमने शायद ही कभी निफ्टी आईटी को ऐसे वर्ष में कमजोर प्रदर्शन करते देखा है, जब आय वृद्धि और मार्जिन दोनों में सुधार हुआ हो, जो 2025 में संभावित परिणाम होगा।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । घरेलू सराफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,850 रुपये से लेकर 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये से लेकर 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी की कीमत में भी आज गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 91,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,700

रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 78,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सीमित दायरे में सेंसेक्स और निफ्टी की चाल

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान लगातार उतार चढ़ाव होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर गए। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजी और इन्फोसिस के शेयर 1.59 प्रतिशत से लेकर 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा, बीपीसीएल, कोल इंडिया और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर 2.12 प्रतिशत से लेकर 1.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,418 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 650 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,768 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 19 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 18 शेयर हरे निशान में और 32 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 58.54 अंक की मजबूती के साथ 79,281.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 79,004.93 अंक तक पहुंच गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 103.90 अंक की तेजी के साथ 79,327.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 41.05 अंक की बढ़त के साथ 24,045.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में 23,911.45 अंक तक गोता लगा दिया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद बाजार में खरीदारी का जोर बनता हुआ नजर आया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 10.90 अंक की मजबूती के साथ 24,015.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 720.60 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,223.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 183.90 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,004.75 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

ओयो ने लागू की पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । प्रमुख कंपनी ओयो ने अपने पार्टनर होटलों के लिए नई चेक-इन नीति लागू की है। इस नीति के तहत अब अविवाहित जोड़ों को ओयो होटलों में चेक-इन करने की अनुमति नहीं होगी। यह बदलाव कंपनी ने मेरठ शहर से शुरू किया है और इसका उद्देश्य स्थानीय समाज की सामाजिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए एक सुरक्षित और जिम्मेदार आतिथ्य अनुभव प्रदान करना है। नई नीति के अनुसार, जोड़ों को अब होटल में चेक-इन करते समय अपने रिश्ते का वैध प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग भी शामिल है। ओयो ने यह निर्णय अपने पार्टनर होटलों को विवेक के आधार पर जोड़ों की बुकिंग अस्वीकार करने का अधिकार प्रदान करके लिया है। यह बदलाव मुख्य रूप से मेरठ में लागू किया गया है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यदि भविष्य में आवश्यकता पाई जाती है तो इसे अन्य शहरों में भी लागू किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य ओयो ब्रांड को एक सुरक्षित, जिम्मेदार और सम्मानजनक आतिथ्य अनुभव प्रदान करने वाला ब्रांड बनाना है। ओयो के अनुसार, यह कदम नागरिक समाज समूहों के दबाव में उठाया गया है, जिन्होंने अविवाहित जोड़ों को होटलों में चेक-इन करने की अनुमति देने पर विरोध जताया था। ओयो का मानना है कि इस कदम से परिवारों, छात्रों, व्यवसायियों और धार्मिक यात्रियों के लिए एक सुरक्षित और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान किया जा सकेगा। इसके अलावा, ओयो ने घोषणा की है कि वह समय-समय पर इस नीति का मूल्यांकन करेगी और यदि जरूरत पड़ी तो इसे अन्य शहरों में भी लागू कर सकती है। कंपनी ने अपने पार्टनर होटलों और पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षित आतिथ्य प्रथाओं पर सेमिनार आयोजित करने की योजना बनाई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनैतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले होटलों को ब्लैकलिस्ट करना और ओयो ब्रांड को बेहतर और सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाना है।

रुपया 85.79 प्रति डॉलर पर स्थिर

रुपया शुक्रवार को 85.79 पर बंद हुआ था

प्रात: किरण/एजेंसी

मुंबई, । रुपया सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरूआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर स्थिर रहा। विदेशी पूंजी की सतत निकासी और अमेरिकी मुद्रा के सकारात्मक रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बढ़त से स्थानीय मुद्रा को बल नहीं मिल पाया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण भारतीय मुद्रा को कुछ समर्थन मिला, लेकिन उच्च डॉलर सूचकांक ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.77 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 85.79 पर फिसल गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 108.74 पर रहा।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । ग्लोबल मार्केट से आज अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में आज गिरावट नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,942.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 338.38 अंक यानी 1.75 प्रतिशत उछल कर 19,619.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 108.57 अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,624.55 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,223.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 111.54 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 7,282.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 118.58 अंक यानी 0.60 प्रतिशत फिसल कर 19,906.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ।एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,812.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं ताइवान वेटेड इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 604.43 अंक यानी 2.64 प्रतिशत उछल कर 23,512.73 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,480.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,017 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.28 प्रतिशत फिसल कर 19704.90 अंक तक गिर गया है। निक्केई इंडेक्स में आज जोरदार गिरावट नजर आ रही है फिलहाल ये सूचकांक 623.41 अंक यानी 1.56 प्रतिशत गिर कर 39,271.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 1,383.32 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,110.56 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,206.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारत के सर्विस सेक्टर की वृद्धि दर दिसंबर में चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची : रिपोर्ट

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, । भारत के सर्विस सेक्टर की वृद्धि दर दिसंबर में चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुए एक सर्वे में दी गई। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स (सर्विसेज पीएमआई), जिसे एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित किया जाता है, में कहा गया कि भारत के सर्विस सेक्टर का पीएमआई दिसंबर में 59.3 रहा है, जो कि नवंबर में 58.4 पर था। यह अगस्त 2024 के बाद सर्विसेज पीएमआई का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। सर्वे में कंपनियों ने बताया है कि सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में उछाल की वजह मजबूत मांग का होना है। सर्वे में कई कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्षमता विस्तार ने उन्हें अत्याधिक काम स्वीकार करने की अनुमति दी है। सर्वे के मुताबिक, सकारात्मक सेंटीमेंट अपने लंबी अवधि के औसत से ऊपर बना हुआ है। सर्विसेज प्रोवाइडर्स को विश्वास है कि आने वाले 12 महीने में आउटपुट बढ़ेगा। क्षमता विस्तार, नए ग्राहकों द्वारा पूछताछ और मार्केटिंग के लिए बजट आवंटन बढ़ना कई ऐसे कारण थे, जिन्होंने वृद्धि दर को बढ़ावा दिया है। दिसंबर में सर्विसेज कंपनियों के कारोबारी खर्च में बढ़ोतरी जारी रही, लेकिन महंगाई दर नवंबर के 15 महीने के उच्चतम स्तर से नीचे आई है। इनपुट लागत में वृद्धि के चलते दिसंबर में सर्विस प्रोवाइडर्स ने फिर से अपनी फीस बढ़ा दी। सर्वे में बताया गया कि दिसंबर के दौरान सर्विस प्रोवाइडर को मिले अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में ठोस वृद्धि हुई, जो आने वाले महीनों में रोजगार और विकास के लिए अच्छा संकेत है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा,नए कारोबार और भविष्य की गतिविधियों जैसे दूरगामी संकेतकों से पता चलता है कि निकट भविष्य में भी मजबूत प्रदर्शन जारी रहेगा। सर्विसेज सेक्टर की गतिविधियों में मजबूत वृद्धि ने मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में वृद्धि में गिरावट की भरपाई की है और इस कारण कुल कंपोजिट पीएमआई दिसंबर में बढ़कर 59.2 हो गया है, जो कि नवंबर में 58.6 था।

क्रूड में तेजी से कई शहरों में पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा

ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्लीट, । वै श्विक बाजार में कच्चै तेल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ने लगी है। ब्रेंट क्रूड का भाव तो 77 डॉलर तक हो गया है जिसका असर सोमवार सुबह देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर भी दिखा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी ताजा भाव में सोमवार को कई शहरों में तेल के खुदरा दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं. हालांकि, देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 10 पैसे सस्तार होकर 94.77 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे गिरा और 87.89 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 20 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये लीटर तो डीजल 23 पैसे बढ़कर 87.67 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 105.41 रुपये लीटर तो डीजल 16 पैसे टूटकर 92.26 रुपये लीटर बिक रहा है।कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में बढ़त दिख रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव चढ़कर 76.44 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्यूं म टीआई का भाव भी बढ़त के साथ 73.95 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.70 रुपये और डीजल 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नोएडा में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.41 रुपये और डीजल 92.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

हुंडई ने क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च

नई दिल्ली, । कार निमार्ता कंपनी हुंडई ने क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च कर दिया है। नई क्रेटा इलेक्ट्रिक का बाहरी लुक पेट्रोल और डीजल वेरिएंट जैसा ही है, लेकिन इसे इलेक्ट्रिक व्हीकल के रूप में विशिष्ट बनाने के लिए कुछ बदलाव किए गए हैं। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में आधुनिक तकनीक और डिजाइन का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलता है। इसमें पिक्सेल जैसी डिटेलिंग, नए बंपर, सीलबंद फ्रंट ग्रिल और एयरो-ऑप्टिमाइज्ड अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। चार्जिंग पोर्ट वाहन के नोज पर स्थित है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के इंटीरियर में डुअल 10.25-इंच स्क्रीन सेटअप, नया स्टीयरिंग व्हील और फ्लोटिंग सेंटर कंसोल डिजाइन दिया गया है। साथ ही, इसमें पैनोरमिक सनरूफ, 360-डिग्री कैमरा और व्हीकल टू लोड (वी2एल) जैसी उन्नत सुविधाएं शामिल हैं। क्रेटा इलेक्ट्रिक चार वैरिएंट्स- एग्जीक्यूटिव, स्मार्ट, प्रीमियम और एक्सीलेंस में उपलब्ध होगी, और इसके लिए 8 मोनोटोन और 2 डुअल-टोन रंग विकल्प होंगे। हुंडई क्रेटा इलेक्ट्रिक में दो बैटरी पैक ऑप्शन- 42केडब्ल्यूएच और 51.4केडब्ल्यूएच दिए गए हैं, जिनसे क्रमशः 390 किमी और 473 किमी की रेंज प्राप्त होती है। डीसी फास्ट चार्जर से इसे 58 मिनट में 10 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। इसके अलावा, 11केडब्ल्यू एसी वॉल चार्जर से यह 4 घंटे में पूरी तरह चार्ज हो जाती है। मारुति ई विटारा और महिंद्रा बीई 6 जैसी एसयूवी से मुकाबला करने वाली क्रेटा इलेक्ट्रिक का आधिकारिक डेब्यू भारत मोबिलिटी शो में होगा।

एचएमपीवी संक्रमण मामले से सहमा बाजार

मुंबई, । विश्व बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर कर्नाटक और गुजरात में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण मामले की पुष्टि होने से सहमे निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में हाहाकार मच गया।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1258.12 अंक अर्थात 1.59 प्रतिशत का गोता लगाकर सात सप्ताह के निचले स्तर 77,964.99 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 388.70 अंक यानी 1.62 प्रतिशत लुढ़ककर 23,616.05 अंक पर बंद हुआ। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 2.44 प्रतिशत टूटकर 45,793.07 अंक और स्मॉलकैप 3.17 प्रतिशत कमजोर होकर 54,337.37 अंक रह गया।

टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ से खेलना चाहिए शास्त्री

प्रात: किरण,/ एजेंसी

नई दिल्ली, । भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर 3-1 से जीत दर्ज की, इस बात का सबसे अच्छा प्रमाण है।

कि खेल का सबसे लंबा और ह्यसर्वश्रेष्ठ प्रारूप अभी भी जीवित और फल-फूल रहा है।

सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन इस महीने के अंत में मिलने वाले हैं।

जिसमें टेस्ट क्रिकेट के लिए दो-स्तरीय संरचना उनकी चर्चा के एजेंडे में शामिल है।

इसमें आगे कहा गया है।

कि यदि दो-स्तरीय टेस्ट संरचना वास्तविकता बन जाती है।

तो ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत को कई देशों के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट खेलने की जरूरत नहीं होगी।

और तीनों देश हर चार साल के बजाय हर तीन साल में एक-दूसरे के खिलाफ दो बार खेल सकेंगे, जो कि वर्तमान में मामला है।

शास्त्री ने द ऑस्ट्रेलियन के लिए लिखे कॉलम में लिखा।

लगभग एक सदी से चले आ रहे

दर्शकों के रिकॉर्ड को तोड़ना. इस बात का सबूत है।

कि जब सर्वश्रेष्ठ टीमें खेलती ह। तो खेल का सबसे कठिन और सर्वश्रेष्ठ प्रारूप अभी भी जीवित और फलता-फूलता रहता है।

यह आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के लिए भी एक अच्छी याद दिलाने वाली बात थी कि टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ से खेलना चाहिए।

मैं कहूंगा कि अन्यथा बहुत अधिक अव्यवस्था है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में उपस्थिति के आंकड़ों के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया।

जिसने 1936/37 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

जब ऑस्ट्रेलिया ने छह दिवसीय मैच में इंग्लैंड का सामना किया था और रिकॉर्ड तोड़ 47,566 दर्शकों ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड के स्टैंड को भर दिया था।

मेलबर्न टेस्ट ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मैच में पहले दिन सबसे अधिक उपस्थिति के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया, जिसमें प्रतिष्ठित स्थल पर 87,242 दर्शक शामिल हुए।

शास्त्री ने आगे जोर दिया कि खेल इस बात का एक और सबूत है।

कि हमें एक क्लासिक टेस्ट मैच के लिए पांच दिनों की आवश्यकता क्यों है।

यह मैच इस बात पर जोर देता है कि हमें दो-स्तरीय प्रणाली की आवश्यकता क्यों है जिसमें शीर्ष 6-8 टीमें हों और फिर इसमें पदोन्नति और पदावनति शामिल हो।

यदि आपके पास दो उचित टीमें नहीं खेल रही हैं तो आपको इस तरह की भीड़ नहीं मिलेगी।

सोमवार (पांचवें दिन) के अंत में थिएटर ने इस बात का एक और सबूत दिया कि हमें क्लासिक टेस्ट मैच के लिए पांच दिनों की आवश्यकता क्यों है।

उन्होंने कहा,हालांकि, यदि आप दो-स्तरीय प्रणाली नहीं बनाते हैं।

तो आपके पास एक-दूसरे के खिलाफ बेजोड़ टीमें होंगी और फिर यह बहुत कम संभावना है।

कि वे खेल को पांचवें दिन तक ले जा सकें।

फिर हमेशा चार दिवसीय टेस्ट की बात होगी।

11 जून से शुरू होगा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

प्रात: किरण,/ एजेसी

लॉर्ड्स, । दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया तीसरे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में आमने-सामने होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में भारत को हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 3-1 से सीरीज जीतने के साथ ही फाइनल में जगह बनाई। यह मुकाबला 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के पास इस चक्र में अभी दो और मैच बचे हैं, जो इस महीने के अंत में श्रीलंका के खिलाफ श्रीलंका में होंगे। लेकिन अगर वे 0-2 से हार भी जाते हैं, तब भी भारत या श्रीलंका में से कोई भी टीम उन्हें वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल के शीर्ष दो स्थानों से नहीं हटा सकेगी। अगर श्रीलंका 2-0 से यह सीरीज जीतता है, तो वह 53.85 प्रतिशत अंकों तक पहुंच सकता है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में 63.73 प्रतिशत अंक पर है और वह अगले दो मैच हार भी गया तो 57.02 प्रतिशत अंक पर रहेगा।

वहीं भारत इस डब्ल्यूटीसी चक्र को 50 प्रतिशत अंकों के साथ समाप्त कर चुका है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए फाइनल में जगह गंवाने का एकमात्र रास्ता यह है कि वे श्रीलंका में होने वाले दोनों मैचों में आठ पेनल्टी प्वाइंट गंवाएं, जो लगभग असंभव है।

दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी। उन्होंने वेस्टइंडीज, बांग्लादेश (2008 के बाद एशिया में पहली सीरीज जीत) और श्रीलंका के खिलाफ सीरीज जीती, जबकि भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ रही और न्यूजीलैंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने कमजोर टीम के साथ दौरा किया था।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना दक्षिण अफ्रीका के लिए सपनों की तरह रहा, जो इस साल की शुरूआत में पुरुष और महिला टी20 वर्ल्ड कप में उपविजेता भी रहे थे।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा ने पिछले हफ़्ते फाइनल में क्वालिफाई करने के बाद कहा,यह सभी के लिए एक बड़ी मेहनत का परिणाम है, और ऐसा लगता है कि पिछले 12 महीनों की कड़ी मेहनत रंग लाई है। अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है।

मैं हमारे कोच शुकरी कॉनराड का विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं।

उन्होंने हमारे अंदर जो विश्वास भरा है, वह हमारी सफलता की कुंजी रही है।

उन्होंने आगे कहा,लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिए सपने के सच होने जैसा है।

यह एक बड़ा अवसर है, और हम इसे पूरी तरह जीने के लिए उत्साहित हैं।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने कहा,हमारे लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की बहुत अहमियत हैं।

यह एक ऐसी ट्रॉफी है, जिसे हम गर्व से देखते हैं। साथ ही इस खिताब की रक्षा करने के लिए हम बहुत उत्साहित हैं।

मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन टूर्नामेंट है क्योंकि इसमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है और अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग टीमों के खिलाफ खेलना होता है।

हम फाइनल खेलने के लिए काफी उत्साहित हैं।

यह पहली बार है जब भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंचा है।

इससे पहले के दो संस्करणों में वह न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उपविजेता रहा था।

डब्ल्यूटीसी सीरीज में 200 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं कमिंस

प्रात: किरण,/ एजेसी

सिडनी, । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्लयूटीसी) सीरीज में 200 विकेट लेने वाले विश्व के एकमात्र गेंदबाज हैं। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी में ये अहम उपलब्धि हासिल की है। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने गत वर्ष डब्ल्यूटीसी खिताब जीता था। तब उसने द ओवल में हुए फाइनल में भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर को दूसरी पारी में आउट कर अपने विकेटों का दोहरा शतक लगाया है। कमिंस से पहले किसी गेंदबाज ने इतने विकेट नहीं लिए थे। सुंदर ने सिडनी टेस्ट मैच में 43 गेंदों पर 13 रन बनाए और उन्हें कमिंस ने भारतीय पारी के 43वें ओवर की चौथी गेंद पर साफ बोल्ड किया। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज है। इस सूची में कमिंस के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लॉयन हैं। लॉयन ने 48 टेस्ट में 196 विकेट लिए हैं। वहीं भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन 195 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने 41 मैचों में यह ये विकेट लिए हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 43 मैचों में 165 विकेट के साथ चौथे जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह 35 मैचों में 156 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर हैं। कमिंस ने सबसे तेज 200 विकेट का आंकड़ा लिया है। भारत क खिलाफ पांच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में कमिंस ने सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए। उन्होंने 2023-25 डब्ल्यूटीसी सत्र में भारत के खिलाफ 17 टेस्ट में 73 विकेट लिए हैं। डब्ल्यूटीसी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कमिंस तीसरे नंबर पर हैं. इस सूची में शीर पर लायन 88 विकेट लेकर पहले जबकि बुमराह 77 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि कमिंस तीसरे नंबर पर हैं। कमिंस ने सिडनी टेस्ट मैच की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को आउट किया था जबकि दूसरी पारी में उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत को आउट किया था।

कोपा डेल रे से बाहर हुए लास पालमास, वलाडोलिड

मैड्रिड। कोपा डेल रे के तीसरे दौर में रविवार को दो और उलटफेर देखने को मिले, जिसमें ला लीगा की टीमें निचली लीग की प्रतिद्वंद्वी टीमों से हार गईं। दूसरे डिवीजन की एल्चे ने शीर्ष स्तर की लास पालमास के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-0 से जोरदार जीत दर्ज की, जिसमें घरेलू टीम ने शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा और हाफटाइम के स्ट्रोक पर रोड्रिगो मेंडोजा के गोल से बढ़त हासिल की। इसके बाद एल्चे ने ब्रेक के बाद डेविड एफेंग्रुबर, जोस सेलिनास और निकोलस फर्नांडीज के गोल की मदद से शानदार जीत दर्ज कर अंतिम-16 में प्रवेश किया। तीसरे दर्जे की ओरेंस ने दो बार पीछे से वापसी की और फिर ला लीगा के सबसे निचले क्लब वलाडोलिड को 3-2 से हरा दिया।

उरुग्वे के फुटबॉलर एकुना की मौत को माना जा रहा आत्महत्या

अंबाटो (इक्वाडोर)। उरुग्वे के खिलाड़ी मैथियास एकुना शनिवार को इक्वाडोर के अंबाटो में मृत पाए गए, उनके क्लब मुशुक रूना ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रारंभिक मेडिकल रिपोर्ट में इसे आत्महत्या का मामला माना गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2025 सीजन से पहले इक्वाडोरियन सीरी ए टीम में शामिल हुए एकुना, अपने पूर्व साथी द्वारा शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार के आरोपों के बाद जांच के दायरे में थे। मुशुक रूना ने फेसबुक पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा, खिलाड़ी मैथियास एकुना के शव की जांच से प्राप्त प्रारंभिक मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, यह आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। हम इस खबर से बहुत सदमे में हैं और हम इस कठिन समय में उनके परिवार और प्रियजनों के साथ अपनी एकजुटता दोहराते हैं। उरुग्वे फुटबॉल एसोसिएशन ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि उन्हें 32 वर्षीय खिलाड़ी की मौत पर गहरा दुख है।

बल्लेबाजी शैली में बदलाव के कारण विफल रहे शुभमन : पोंटिंग

मेलबर्न, । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये। मेलबर्न में उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इसके बाद सिडनी में उन्हें शामिल किया गया पर वह वहां भी असफल रहे। पोंटिंग ने कहा, ह्यमुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यमैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया। पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, ह्यउसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ खेलना चाहिये।

ऋषि धवन ने सीमित ओवर के क्रिकेट से संन्यास लिया

नई दिल्ली, । हिमाचल प्रदेश के स्टार ऑलराउंडर और भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके ऋषि धवन ने सीमित ओवर के क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। वर्तमान में विजय हजारे ट्रॉफी में हिमाचल प्रदेश की कप्तानी कर रहे ऋषि ने यह घोषणा अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये की। उन्होंने लिखा कि यह फैसला भारी मन से लिया गया है, लेकिन उन्हें अपने करियर पर गर्व है और कोई पछतावा नहीं है। ऋषि ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा है कि यह संन्यास सिर्फ.सीमित ओवर के क्रिकेट से है। इसका मतलब है कि वह खेल के सबसे बड़े प्रारूप में खेलना जारी रखेंगे। रणजी ट्रॉफी के बाकी बचे दो मुकाबले में उनके हिस्सा लेने की उम्मीद है। ऋषि ने भारत के लिए तीन वनडे और एक टी20 मैच खेला है। उन्होंने जनवरी 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। उसी साल ज़िम्बाब्वे के खिलाफ अपना पहला और एकमात्र टी20 मैच खेला। हालांकि उनका अंतर्राष्ट्रीय करियर लंबा नहीं चला, लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ऋषि ने इंस्टाग्राम पर लिखा,भारी मन से लेकिन बिना किसी पछतावे के, मैं भारतीय क्रिकेट (सीमित ओवर) से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। यह एक ऐसा खेल है जिसने पिछले 20 वर्षों से मेरी ज़िंदगी को परिभाषित किया है। इस खेल ने मुझे अपार खुशी और अनगिनत यादें दी हैं, जो हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेंगी। मैं इस अवसर पर बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड), हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए), पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुझे दिए गए मौकों के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

अब छह माह बाद जून में ही टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

प्रात: किरण,/ एजेसी

मुंबई, । भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो माह के इस दौरे में भारतीय टीम को अंत में 3-1 से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पिछले एक दशक से उसके पास रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गयी है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें बड़े स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से संघर्ष करती दिखी। अब भारतीय टीम करीब छह महीने के बाद जून में टेस्ट खेलेगी और उसका लक्ष्य इस ऑस्ट्रेलिया दौरे की गलतियों को सुधारना रहेगा। भारतीय क्रिकेट टीम अब जून में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। ये टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होगी। टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में। वहीं तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्डस में ओर चौथा 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टेस्ट मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3:30 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम इसी महीने जनवारी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, इस सीरीज में टेस्ट मैच नहीं खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस घरेलू सीरीज में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज की शुरूआत 22 जनवरी से होगी. दोनों टीमें पहले टी20 में कोलकाता में आमना-सामना करेंगी जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मैच 25 को चेन्नई में वहीं तीसरा टी20 मैच 28 को राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को पुणे में जबकि पांचवां और आखिरी टी20 दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी मुकाबला करेगी। वनडे सीरीज की शुरूआत 6 फरवरी से नागपुर में होगी जबकि दूसरा एकदिवसीय 9 फरवरी को कटक में जबकि तीसरा और आखिरी एकदिवसीय 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए यूएई जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान से फॉलो-ऑन कराया, मसूद-बाबर का संघर्ष

प्रात: किरण,/ एजेसी

केपटाउन, । पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद केपटाउन में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन दक्षिण के बाद अपनी दूसरी पारी में जोरदार वापसी ने 615 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद रनों पर ढेर कर दिया। पाकिस्तान ने तीसरे दिन 31 रन पर नाबाद रहे बाबर ने डेब्यू करने वाले अपने स्कोर में 27 रन जोड़े। इसके तुरंत बाद गेंद पर अंदरूनी किनारा लेकर गेंद को अपने नियमित विकेट गिरते गए और मेहमान टीम सैम अयूब को टखने में फ्रैक्चर हो गया था। क्योंकि पाकिस्तान 421 रन से पीछे था, बाबर ने 205 रन की ओपनिंग साझेदारी की, जो लिए सबसे लंबी साझेदारी थी। मसूद के शतक लगाने के बाद, ऐसा लग रहा था कि बाबर भी शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन स्टंप से ठीक पहले 47वें ओवर में आउट हो गए। मार्को जेनसन ने फुल-लेंथ गेंद डाली और पाकिस्तानी बल्लेबाज ने कवर ड्राइव लगाने की कोशिश में गेंद को छू लिया। मेहमान टीम ने दिन का खेल 213/1 पर समाप्त किया और प्रोटियाज से 208 रन पीछे है। सलामी बल्लेबाज ryan रिकेल्टन ने शानदार पहला दोहरा शतक बनाया, जबकि काइल वेरिन (100) और मार्को जेनसन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में विशाल स्कोर बनाया, तथा इसके बाद दूसरे दिन तीन शुरूआती विकेट चटकाकर बढ़त हासिल की। रिकेल्टन ने अपना पहला दोहरा शतक जड़ते हुए 259 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज वेरिन ने शतक जड़ा, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने मैच के दूसरे दिन शानदार बल्लेबाजी की। संक्षिप्त स्कोर: दक्षिण अफ्रीका 141.3 ओवर में 615 रन पर ऑल आउट (ryan रिकेल्टन 259, तेम्बा बावुमा 106, काइल वेरिन 100, मार्को जेनसन 62; मोहम्मद अब्बास 3-94, सलमान आगा 3-148);पाकिस्तान 194/10 और 213/1 (शान मसूद 102*, बाबर आजम 81; मार्को जेनसन 56/1)।

और बाबर आजम ने रविवार को अफ्रीका द्वारा फॉलो-ऑन लागू करने की। इससे पहले दिन में, मेजबान टीम पहली पारी में पाकिस्तान को 194 64/3 से अपनी पहली पारी जारी रखी। क्वेना मफाका द्वारा आउट होने से पहले मोहम्मद रिजवान ने वियान मुल्डर की स्टंप पर लगा दिया। इसके तुरंत बाद 194 रन बनाकर आउट हो गई, जबकि एक पारी से हारना तय लग रहा था, (81) और शान मसूद (नाबाद 102) फॉलो-ऑन के दौरान पाकिस्तान के

आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी स्मृति मंधाना

राजकोट, । 10 जनवरी से शुरू होने वाली आयरलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए चयनित भारतीय दल की कप्तानी स्मृति मंधाना को सौंपी गई है। टीम की नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को सीरीज से आराम दिया गया है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर को भी आराम देने का फैसला किया गया है। सीरीज के तीनों मैच राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले जाएंगे। 12 जनवरी को दूसरा मैच और तीसरा मैच 15 जनवरी को खेला जाएगा।

मेसी अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बने

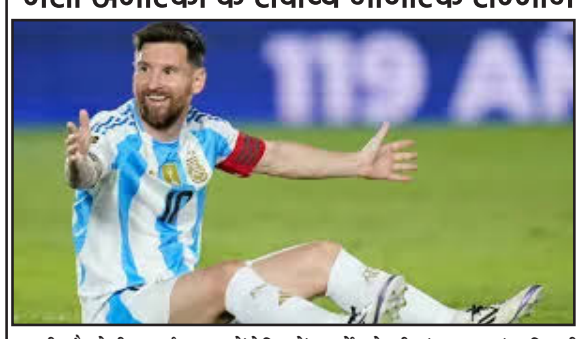

प्रात: किरण,/ एजेसी

वाशिंगटन, । लियोनेल मेसी ने 4 जनवरी को अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ ली जब उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसीडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया गया। व्हाइट हाउस ने अपने आधिकार एक्स हैंडल पर पुरस्कर विजेताओं के नामों की घोषणा की। यह पदक उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की समृद्धि, मूल्यों या सुरक्षा, विश्व शांति या अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक, सार्वजनिक या निजी प्रयासों में योगदान दिया हो। मेसी यह पुरस्कार जीतने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर (सॉकर खिलाड़ी) बन गए और 2022 में मेगन रेपिनो के बाद इस खेल से दूसरे खिलाड़ी बन गए। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने पुरस्कार प्रदान किया, जिसमें अर्जेंटीना के खिलाड़ी 19 प्राप्तकताओं में से एक थे। मेसी के क्लब इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, मेसी ने कार्यक्रम से पहले व्हाइट हाउस को बताया कि वह बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं और यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हालांकि, शेड्यूल में टकराव और पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण, वे इसमें शामिल नहीं हो पाए। उन्होंने इस कदम की सराहना की और कहा कि उन्हें निकट भविष्य में मिलने का अवसर मिलने की उम्मीद है। मेसी जुलाई 2023 में पेरिस सेंट-जर्मेन से फ्री ट्रांसफर पर इंटर मियामी में शामिल हुए और मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की ओर से 39 मैचों में 34 गोल और 18 असिस्ट किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में 26 साल के लड़के की हत्या, मामूली विवाद में चाकू घोंपकर मार डाला

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में 26 साल के एक लड़के की हत्या करने का मामला सामने आया है। काम की गुणवत्ता को लेकर हुए विवाद के बाद एक लड़के ने अपने सहकर्मी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी लड़के के गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि उन्हें शनिवार शाम को सूचना मिली कि सेक्टर 53 स्थित हेलो गेस्ट हाउस में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। इसके बाद पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। साथ ही श्वान दस्ते तथा फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बिहार निवासी 26 साल के दलीप कुमार के रूप में हुई है। वह गेस्ट हाउस में सफाईकर्मी के तौर पर काम करता था। उन्होंने बताया कि पीड़ित के भाई की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि असम निवासी आरोपी 22 साल के अर्जुन शवताल को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अपराध में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान शवताल ने बताया कि उसकी दलीप कुमार से रंजिश थी, क्योंकि वह काम की गुणवत्ता को लेकर उसे लगातार डांटता रहता था। वह उसे धमकाता और पीटता भी था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि लगातार डांट-फटकार से नाराज होकर उसने रसोई से चाकू उठाया और कुमार की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

उत्तर प्रदेश के इटावा में दुर्लभ प्रजाति के 528 कछुए बरामद, तस्कर गिरफ्तार

इटावा , एजेंसी। इटावा जिले के चौविया क्षेत्र में तस्करी करके बांग्लादेश ले जाए जा रहे दुर्लभ प्रजाति के 500 से ज्यादा कछुए बरामद होने के बाद एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रभागीय वन अधिकारी अतुल कांत शुक्ला ने रविवार को बताया कि वन विभाग और वन्य जीव अपराध नियंत्रण दल की संयुक्त टीम ने सूचना मिलने पर चार-पांच जनवरी की दरम्यानी रात करीब तीन बजे चौविया थाना क्षेत्र के इटावा-बरेली राजमार्ग पर करीं पुलिया पर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान ट्रक में बिजली के सामान के बीच छुपाकर रखी गयी 16 बोरियों में भरेसुंदरी प्रजाति के528 दुर्लभ कछुए बरामद किये गये। संयुक्त टीम ने ट्रक पर सवार तस्कर गिरेन्द्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। शुक्ला ने बताया कि पकड़े गये अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह बरामद कछुओं को दिल्ली से पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश ले जा रहा था, जहां इन कछुओं की खासी मांग है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त से गहन पूछताछ की जा रही है।

युवा धर्म, जाति का दुरुपयोग करने वाली विभाजनकारी ताकतों से दूर रहें : सिद्धरमैया

बेंगलुरु, एजेंसी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को दावा किया कि विभाजनकारी ताकतें कर्नाटक और देश में शांति को बाधित करने के लिए धर्म और जाति का दुरुपयोग कर रही हैं, जिससे प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने युवाओं से ऐसी ताकतों से दूर रहने और अपने भविष्य की रक्षा करने का आह्वान किया। यहां राज्य स्तरीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान युवाओं में सामाजिक रूप से जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। सिद्धरमैया ने कहा, ''जब युवा सामाजिक चेतना के साथ बढ़ते हैं, तो वे राष्ट्र की संपत्ति बन जाते हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्हें वैज्ञानिक और तर्कसंगत शिक्षा लेनी चाहिए, समान अवसर पैदा करने चाहिए और समाज की प्रगति में योगदान देना चाहिए।'' उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा, ''संविधान का सार सभी को समझना चाहिए। यह सभी नागरिकों के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है और सभी को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति देता है। इस संविधान की वजह से ही मैं मुख्यमंत्री बन सका।

बस किराया में 15 प्रतिशत वृद्धि के खिलाफ बेंगलुरु में प्रदर्शन, सरकार से फैसला वापस लेने की मांग

बेंगलुरु, एजेंसी। सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया-कम्युनिस्ट (एसयूसीआई-सी) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को कर्नाटक सरकार के बस किराये में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने किराया वृद्धि को तुरंत वापस लेने की मांग की। उनका दावा है कि इससे राज्य के मध्यम और निम्न आय वर्ग पर भारी बोझ पड़ेगा।

इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (सी) के जिला समिति सदस्य गंगाधर बडिगेर ने सरकार के इस कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब लोग पहले से ही खाद्यान्न और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे हैं, बस किराये में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी आम आदमी के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। सार्वजनिक परिवहन गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन रेखा है, और इतनी भारी बढ़ोतरी अनुचित है। उन्होंने कहा, हम सरकार से आम लोगों के हित में किराया वृद्धि को तुरंत वापस लेने का आग्रह करते हैं।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले एसयूसीआई(सी) के एक अन्य जिला समिति सदस्य विनय सारथी ने राज्य की परिवहन नीतियों के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा, सरकार सार्वजनिक परिवहन निगमों को निजी संस्थाओं में बदलने को सही ठहराने के लिए वित्तीय घाटे की बनावटी कहानी गढ़ रही है। लोगों को इस सरकार की इस चाल को समझना चाहिए और ऐसी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सरकारी परिवहन एक बुनियादी जरूरत है, और इसे महंगा बनाना लोगों को उनके किफायती आवागमन के मौलिक अधिकार से वंचित करना है। प्रदर्शनकारियों ने किराया वृद्धि को जनविरोधी बताया और बताया कि यह उन लोगों को कैसे प्रभावित करता है जो दैनिक आवागमन के लिए बसों पर निर्भर हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में आने वाले लोग। उन्होंने कहा, काम और आवश्यक जरूरतों के लिए गांवों और तालुकों से शहरों की यात्रा करने वाले गरीब लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और उस पर जनविरोधी नीतियों को लागू करने में पिछले प्रशासन के नक्शेकदम पर चलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को किराया वृद्धि की आलोचना करने का कोई नैतिक आधार नहीं है, क्योंकि उसके कार्यकाल में भी इसी तरह की वृद्धि की गई थी। उन्होंने तर्क दिया, भाजपा सत्ता में रहने के दौरान राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर किराया वृद्धि को नियंत्रित करने में विफल रही।

वन विभाग में तोड़फोड़ करने के आरोप में विधायक पीवी अनवर गिरफ्तार

मल्लापुरम, एजेंसी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केरल के नीलांबुर से निर्दलीय विधायक पीवी अनवर को हाथी के हमले में एक आदिवासी व्यक्ति की मौत के विरोध में जिला वन विभाग में कथित रूप से तोड़फोड़ करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। उन्हें दालत ने तवनूर जेल भेज दिया है। अनवर ने केरल सरकार और वन विभाग की भी आलोचना की थी, उन्होंने आरोप लगाया था कि मानव-पशु संघर्ष को संबोधित करने में वन्यजीव कर्मियों की लापरवाही के कारण शनिवार को मणि नामक आदिवासी व्यक्ति की मौत हो गई।

अनवर ने दावा किया कि वन मंत्री ने क्षेत्र का दौरा नहीं किया और न ही पीड़ित परिवार को सांत्वना देने की कोशिश की। उन्होंने अधिकारियों पर जानबूझकर पोस्टमार्टम प्रक्रिया में देरी करने का आरोप भी लगाया। विधायक ने कहा कि एक व्यक्ति की जान चली गई है। और भी लोगों की जान खतरे में है। वन विभाग द्वारा कोई प्रभावी हस्तक्षेप या जांच नहीं की जा रही है। स्वाभाविक रूप से, विरोध प्रदर्शन होंगे। अनवर की ओर से स्थापित सामाजिक सामूहिक संगठन डेमोक्रेटिक मूवमेंट ऑफ केरल (डीएमके) के कार्यकर्ताओं ने रविवार को जिला वन विभाग के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उनमें से दस ने कथित तौर पर कार्यालय में जबरन घुसकर कमरे में तोड़फोड़ भी की। नीलांबुर पुलिस ने अनवर और 10 अन्य कार्यकर्ताओं को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के साथ-साथ सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया।

हाथी का हमला: शनिवार शाम को, चोलनायकन समुदाय के 37 वर्षीय मणि को छह अन्य लोगों के साथ करुलाई वन क्षेत्र में पूचप्पारा बस्ती से गुजरते समय एक जंगली हाथी ने कुचल दिया। समूह शाम 6:45 बजे मणि के बच्चों को आदिवासी छात्रावास में छोड़ने के बाद अपने गांव लौट रहा था। दो बुजुर्ग, 18-19 वर्ष की आयु के तीन युवा और मणि का पांच वर्षीय बच्चा बिना किसी चोट के भागने में सफल रहे। हालांकि, मणि को नीलांबुर के एक सरकारी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

तेलंगाना सरकार 26 जनवरी से किसानों के लिए रायथु भरोसा योजना लागू करेगी

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को घोषणा की कि राज्य में किसानों के लिए रायथु भरोसा निवेश सहायता योजना का कार्यान्वयन और नए पीडीएस राशन कार्ड का वितरण 26 जनवरी से शुरू किया जाएगा। यहां राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए रेड्डी ने कहा कि रायथु भरोसा योजना के तहत किसानों को हर साल प्रति एकड़ 12,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे, जो सत्तारूढ़ कांग्रेस का चुनावी वादा था।

उन्होंने कहा कि भूमिहीन कृषि परिवारों को इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना के तहत प्रति वर्ष 12,000 रुपये मिलेंगे। रेड्डी ने यह भी कहा कि जिन परिवारों के पास वर्तमान में राशन कार्ड नहीं है, उन्हें 26 जनवरी से नए राशन कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दोनों योजनाएं देश का संविधान लागू होने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 26 जनवरी से शुरू की जाएंगी। रेड्डी ने कहा कि रायथु भरोसा योजना का लाभ कृषि के लिहाज से उपयुक्त सभी भूमि के लिए दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य का राजस्व बढ़ाना और उसे गरीब लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे राज्य के वित्तीय संसाधन बेहतर होंगे, सरकार इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा योजना की राशि बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नई योजना में हर एकड़ खेती योग्य भूमि को सूचीबद्ध किया जाएगा और राज्य के राजस्व विभाग को खेती योग्य भूमि पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

ट्रेन से नीचे गिरा यात्री, उठाने के लिए 700 मीटर पीछे लौटी तपोवन एक्सप्रेस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां मुंबई-नांदेड़ तपोवन एक्सप्रेस शनिवार को मनमाड जंक्शन के पास 700 मीटर पीछे की दिशा में चली। ऐसा किसी तकनीकि समस्या की वजह से नहीं हुआ और न ही गलती से ट्रेन विपरीत दिशा में चलने लगी। दरअसल, ट्रेन को पीछे की ओर इसलिए चलाया गया ताकि घायल यात्री की जान बचाई जा सके। हालांकि ,घायल यात्री की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के 30 वर्षीय सरवर शेख के रूप में हुई है।

कब हुई थी घटना?: इस संबंध में मंडल रेल प्रबंधक इति पांडे ने कहा, ट्रेन के लोको पायलट ने कंट्रोलर से अनुमति ली और घायल यात्री को लेने के लिए ट्रेन को पीछे की ओर मोड़ दिया। उन्होंने बताया की शनिवार को सुबह 11 बजे के आसपास यह असामान्य घटना हुई, जब किसी ने इमरजेंसी चेन खींच दी थी, जिसके कारण ट्रेन रुक गई। मनमाड स्टेशन के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ट्रेन के गार्ड एसएस कदम को यात्रियों से पता चला कि तीसरे कोच से एक व्यक्ति गिर गया है। कदम ने लोको पायलट एमएस आलम से संपर्क किया, जिन्होंने फिर कंट्रोलर से संपर्क किया और वापस जाने की अनुमति मांगी।

पीछे आ रही मालगाड़ी को रोका: इस दौरान तपोवन एक्सप्रेस के पीछे चल रही एक मालगाड़ी को पिछले स्टेशन पर ही रोक दिया गया, ताकि बाद में वापस आकर घायल व्यक्ति को ले जाया जा सके। साथी यात्रियों ने घायल शेख को ढूंढ़ा और उसे उठाया, जिसके बाद ट्रेन मनमाड स्टेशन के लिए रवाना हुई।

अस्पताल में यात्री की मौत

मनमाड स्टेशन रेल अधिकारियों ने एक एम्बुलेंस की व्यवस्था कर रखी, जिसमें शेख को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद एक्सप्रेस ने नांदेड़ के लिए अपनी यात्रा जारी रखी। वहीं शेख की अस्पताल में मौत हो गई

550 दिनों से हमास की कैद में इजरायली लड़की का भावुक वीडियो सामने आते ही मचा बवाल, नेतन्याहू के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन

येरूसलम, एजेंसी। इजराइल हमास जंग थमने का नाम नहीं ले रही । इस बीच हमास के सशस्त्र विंग ईज्जेदीन अल-क़साम ब्रिगेड्स ने 4 जनवरी 2025 को एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान गाजा में बंदी बनाई गई 19 वर्षीय इजरायली सैनिक लिरी अलबैग को दिखाया गया है। तीन मिनट 30 सेकंड लंबे इस वीडियो में लिरी हिब्रू भाषा में इजरायली सरकार से अपनी रिहाई के लिए अपील करती नजर आईं। गौरतलब है कि गाजा में इसराइल द्वारा किए जा रहे हमले में ज्यादातर यर्गमाल हालाक (मर) हो चुके हैं. वीडियो में हालांकि रिकॉर्डिंग की तारीख नहीं है, जिसमें यहूदी फौजी अलबाग रिहाई की अपील करते हुए कह रही है कि उन्हें हमास की कैद में 550 दिनों से हो चुके हैं, इससे जाहिर होता है कि वीडियो हाल के दिनों में ही शूट किया गया है। लिरी अलबैग का वीडियो इजरायल में भावनात्मक रूप से संवेदनशील माहौल बना रहा है। इस वीडियो के बाद इजरायली जनता ने कैदियों की रिहाई के लिए सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए राजधानी यरुशलम में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गुस्साई भीड़ को काबू में करने के लिए इजरायली पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। यह घटना गाजा संघर्ष के बंधकों की पीड़ा और समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों की आवश्यकता को उजागर करती है।हमास ने जो वीडियो जारी किया वो इसराइली फौजी लिरी अलबाग का है।

यून सुक योल की गिरफ्तारी के लिए जांचकर्ताओं ने मांगी पुलिस से मदद, समर्थकों के विरोध के बाद फैसला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में राजनीतिक संकट लगातार गहरा रहा है और अब महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल को गिरफ्तार करना जांचकर्ताओं के लिए टेढ़ी खीर बन गया है। यून सुक योल की गिरफ्तारी का विरोध होने के बाद जांचकर्ताओं ने पुलिस से मदद मांगी है। शुक्रवार को जब जांचकर्ता यून सुक योल को गिरफ्तार करने पहुंचे तो यून सुक योल के सुरक्षाकर्मी उनसे भिड़ गए थे। इससे पहले गुरुवार को यून सुक योल के समर्थकों ने जांचकर्ताओं को आवास में घुसने नहीं दिया था। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया का भ्रष्टाचार जांच कार्यालय यून सुक योल के खिलाफ जांच कर रहा है। जांचकर्ताओं ने वारंट की अवधि समाप्त होने से पहले पुलिस को पत्र भेजकर मदद मांगी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने बिना किसी पूर्व परामर्श के हमारे सहयोग का अनुरोध किया है। उन्होंने हमें पत्र भेजा है। हम इसकी कानूनी समीक्षा कर रहे हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने कहा कि यून सुक योल की गिरफ्तारी को लेकर हो रहे विरोध के चलते वारंट को तामील कराना संभव नहीं हो पा रहा है। हम समीक्षा के बाद आगे की योजना बना रहे हैं। हम समर्थकों के विरोध पर खेद जताते हैं,

क्योंकि इससे कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं हो सका। दक्षिण कोरियाई जांचकर्ता शुक्रवार को यून सुक योल को उनके आवास पर गिरफ्तार करने पहुंचे थे, लेकिन स्थानीय मीडिया ने बताया कि राष्ट्रपति के सुरक्षा बलों ने जांचकर्ताओं को रोक दिया और यून की गिरफ्तारी फिर नहीं हो सकी। यून जिन्हें हटाने के लिए पहले ही सांसद अपना समर्थन दे चुके हैं, अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति पद से हट जाएंगे। यून की गिरफ्तारी का वारंट जारी हो चुका है, लेकिन दो बार कोशिश करने के बाद भी जांचकर्ता यून को गिरफ्तार नहीं कर सके हैं।

मिस्र, अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों ने गाजा, सीरिया पर चर्चा की

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलत्ती ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से फोन पर बात की। इस बातचीत में उन्होंने गाजा पट्टी और सीरिया की स्थिति पर चर्चा की। यह जानकारी मिस्र के विदेश मंत्रालय ने दी। शनिवार रात हुई इस चर्चा के दौरान अब्देलत्ती ने गाजा में तुरंत युद्ध विराम के लिए क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि गाजा में मानवीय मदद की पहुंच बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित की जानी चाहिए।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के विदेश मंत्री ने इजरायल से फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ अपनी आक्रामक नीतियां रोकने की मांग की। उन्होंने गाजा के स्वास्थ्य ढांचे और अस्पतालों को निशाना बनाने की इजरायल की रणनीति का कड़ा विरोध किया। इजरायल ने 7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों द्वारा किए गए हमले के जवाब में गाजा पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। इस हमले में करीब 1,200

इजरायली मारे गए और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद से गाजा में इजरायल के हमलों में 45,805 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 1,09,064 घायल हुए हैं। गाजा की स्वास्थ्य एजेंसियों के अनुसार यह आंकड़े रविवार को जारी किए गए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक, नवंबर 2023 से अप्रैल 2024 के बीच मारे गए 8,119 लोगों में से लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और बच्चे थे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्लिंकन और अब्देलत्ती ने गाजा में युद्ध विराम, बंधकों की रिहाई, मानवीय मदद को बढ़ाने और युद्ध समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने सीरिया में राजनीतिक बदलाव पर भी बात की। दिसंबर 2024 की शुरुआत में सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद हुए बदलावों पर ध्यान दिया गया। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अब्देलत्ती ने कहा कि सीरिया में ऐसा राजनीतिक बदलाव होना चाहिए जो बाहरी दबावों से मुक्त हो और देश की सुरक्षा, स्थिरता और अखंडता को बनाए रखे। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने सीरिया में समावेशी और सीरियाई नेतृत्व वाले शांतिपूर्ण राजनीतिक बदलाव का समर्थन दोहराया। उन्होंने क्षेत्र में शांति लाने में मिस्र की भूमिका की सराहना की।

न्यू जर्सी में हत्या के आरोप में भारतीय मूल के पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी के एक जंगल में एक भारतीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में पांच भारतीय मूल के लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। ओशन काउंटी के अभियोजक ब्रैडली बिलहिमर और न्यू जर्सी पुलिस के कर्नल पैट्रिक कैलाहन ने शनिवार को बताया कि इनमें से आखिरी आरोपी संदीप कुमार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। कुलदीप कुमार का शव 14 दिसंबर को न्यू जर्सी के ग्रीनवुड वन्यजीव प्रबंधन क्षेत्र में पाया गया था, जिसके शरीर पर गोली के निशान थे। हालांकि, उनके परिवार ने 26 अक्टूबर को उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन उनका शव करीब दो महीने बाद मिला। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि हत्या 22 अक्टूबर के आसपास की थी और शव पूरी तरह सड़ चुका था। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने उनकी पहचान में मदद की। अभियोजक कार्यालय के अनुसार, कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई जांच ने पांच आरोपियों को इस हत्या से जोड़ा। इन आरोपियों में चार लोग इंडियाना राज्य के ग्रीनवुड से हैं। सौरव कुमार (23), गौरव सिंह (27), निर्मल सिंह (30), और गुरदीप सिंह (22) और एक आरोपी संदीप कुमार (34) न्यूयॉर्क के ओजोन पार्क से है। अमेरिकी कानून के अनुसार, जब किसी आरोपी को दूसरे राज्य में गिरफ्तार किया जाता है, तो अभियोजकों को अदालत में प्रत्यर्पण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है, इसमें गिरफ्तार व्यक्ति प्रत्यर्पण का विरोध कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129